रांची
गुरुवार
15.12.2022
पौष कृष्ण पक्ष 07
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

www.rastriyanaveenmail.com

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

वर्ष-23 अंक-309 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

रश्मि प्रवाह

यदि आपकी किसी भूल के कारण आपका कल का दिन बुरा बीता तो उसे आज याद कर अपना समय व्यर्थ मत करें।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखा पत्र, कहा

अवैध खनन व परिवहन को समाप्त करने में रेलवे से नहीं मिल रहा सहयोग

- रेलवे पदाधिकारियों की संलिप्तता की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति के गठन का लिया निर्णय
- अवैध खनन को समाप्त करने के लिए झारखंड सरकार कृतसंकल्पित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिख कर बताया कि झारखंड के साहिबगंज समेत अन्य जिलों अवैध खनन को बढ़ावा देने में रेलवे एवं इनके पदाधिकरियों की संलिप्तता प्रतीत होती है। साजिश के तहत रेलवे द्वारा राज्य के झारखंड एकीकृत खान और खनिज प्रबंधन प्रणाली पोर्टल से अपने एफआईओएस का एकीकरण नहीं किया जा रहा है। बगैर चालान अथवा फर्जी चालान के आधार पर अवैध रूप से खनिज संपदा का रेल मार्ग से परिवहन किया जा रहा है। ऐसी परिस्थिति में राज्य सरकार द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन में रेलवे पदाधिकारियों की संलिप्तता एवं अन्य सभी संबंधित बिन्दुओं की जांच हेतु एक उच्च स्तरीय जांच समिति के गठन का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री से रेलवे के पदाधिकारियों को इस उच्च स्तरीय जांच समिति को पूरा सहयोग करने हेतु निर्देशित करने का आग्रह किया है।

रेलवे से नहीं मिल रहा सहयोग : मुख्यमंत्री ने पत्र के माध्यम से बताया कि रेलवे द्वारा अवैध खनन के परिवहन की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों में राज्य को कोई सहयोग प्रदान नहीं किया जा रहा है। राज्य सरकार एवं इसके पदाधिकारियों के द्वारा रेलवे से अनेकों बार पत्राचार करने के बावजूद बिना चालान के खनिज संपदा का परिवहन के मामले प्रकाश में आ रहे हैं। राज्य सरकार के अनुरोध के बावजूद रेलवे द्वारा लौह अयस्क को छोड़कर किसी भी अन्य खनिज संपदा के लिए झारखंड एकीकृत खान और खनिज प्रबंधन प्रणाली पोर्टल में इंटीग्रेट से नहीं किया गया है। राज्य सरकार के द्वारा इस विषय को भारत सरकार के नीति आयोग, पूर्वी क्षेत्रिय परिषद एवं ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

सड़क मार्ग पर निगरानी, ऑनलाइन व्यवस्था से हो रहा कार्य

मुख्यमंत्री ने पत्र के माध्यम से बताया कि झारखंड से अवैध खनन को समाप्त करने के लिए सरकार कृतसंकल्पित है। सरकार के गठन के बाद लगातार बैठकों के माध्यम से निर्देश निर्गत करने, सघन छापामारी अभियान चलाने एवं तत्पश्चात्त प्राथमिकी दर्ज करने, जिला एवं राज्य स्तरीय टास्क फोर्स के द्वारा सतत निरीक्षण, सूचना तकनीक का उपयोग करते हुए पूर्णतः ऑनलाइन माध्यम से खनिज प्रबंधन के लिए झारखंड एकीकृत खान और खनिज प्रबंधन प्रणाली को प्रभावी किया गया है। जिसके माध्यम से ऑनलाइन परमिट, ई-चालान, ऑनलाइन भुगतान इत्यादि कार्य किये जाते हैं। जिसका सकारात्मक परिणाम राज्य को प्राप्त होने वाले राजस्व में वृद्धि के रूप में देखने को मिला है। लेकिन अवैध खनन को सबसे अधिक सहयोग परिवहनकर्ताओं से प्राप्त होता है, क्योंकि बिना परिवहन की सुविधा के कोई भी व्यक्ति खनिज का अवैध खनन नहीं कर सकेगा। राज्य सरकार के द्वारा खनन कार्य को नियंत्रित करने एवं अवैध खनन की रोकथाम के लिए झारखंड एकीकृत खान और खनिज प्रबंधन प्रणाली का एकीकरण सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वाहन पोर्टल एवं पथ निर्माण विभाग के टोल टैक्स / यूजर की उद्ग्रहण हेतु पोर्टल से किया जा चुका है, जिसके फलस्वरूप सड़क मार्ग से खनिज परिवहन की उचित निगरानी की जा रही है।

एफआईओएस प्रणाली से जोड़ा जायें

मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री से आग्रह किया है कि झारखंड खनिज (अवैध खनन, परिवहन और भंडारण की रोकथाम) नियम, 2017 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं राज्य सरकार के झारखंड एकीकृत खान और खनिज प्रबंधन प्रणाली के द्वारा निर्गत वैध चालान के बिना कोई भी खनिज का परिवहन ना हो। इसको सुनिश्चित करने एवं अविलंब झारखंड एकीकृत खान और खनिज प्रबंधन प्रणाली पोर्टल से रेलवे के एफआईओएस प्रणाली को जोड़ने की कार्रवाई किये जाने का भी निर्देश रेलवे के संबंधित पदाधिकारी को देने की कृपा की जाए, ताकि अवैध खनन से राज्य मुक्त हो सके एवं झारखंड देश के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दे सके।

बिहार में जहरीली शराब पीने से 21 लोगों की हुई मौत

- सिविल सर्जन ने स्वीकाराः- मौत का कारण जहरीली शराब
- एसपी बोलेः-संदिग्ध अवस्था में हुई मौतें

पटना (एजेंसी)। बिहार के सारण जिले में मंगलवार देर रात से बुधवार शाम तक जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 21 तक पहुंच गई है। इतनी बड़ी संख्या में हुई मौतों से सड़क से सदन तक हंगामा मचा हुआ है। वहीं, दो लोगों को नाजुक हालत में पटना रेफर किया गया है। मृतकों के परिजनों का दावा है कि सभी की मौत जहरीली शराब पीने से हुई है।

छपरा सदर अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ सागर दुलाल सिन्हा ने बातचीत में बताया कि सभी की मौत जहरीली शराब से होने की बात ही दिख रही है। उन्होंने कहा कि हिस्ट्री से ऐसा ही प्रतीत हो रहा है कि सभी ने जहरीली शराब पी थी। उन्होंने मौत की मुख्य वजह समय पर अस्पताल न पहुंचना बताया है। उन्होंने कहा कि जब मरीजों की हालात नाजुक हो रही है तो परिजन अस्पताल लेकर पहुंच रहे हैं। उन्होंने मृतकों की सही संख्या पर कहा कि अभी तक पांच का पोस्टमार्टम हो चुका है, पांच और का पोस्टमार्टम किया जा रहा है।

एसपी एस कुमार के मुताबिक ये सभी मौतें संदिग्ध हालात में हुई हैं।कुछ और लोगों का अलग-अलग जगहों पर इलाज चल रहा है। मढौरा डीएसपी ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के मुताबिक मशरख और इसुआपुर इलाके में देसी शराब की बड़ी खेप पहुंची थी, जिसे 50 से ज्यादा लोगों ने पिया था। सभी ने 20-20 रुपये में देसी शराब के पाउच खरीदकर पीया था। सभी लोग एक किलोमीटर के दायरे में आसपास रहते हैं।

परिजनों के मुताबिक सभी ने शराब पी थी। इसके बाद उल्टी-दस्त की शिकायत होने लगी। थोड़ी देर में आंखों से दिखाई देना बंद हो गया। जैसे ही घर लौटे तो कुछ देर बाद तबीयत बिगड़ने लगी। अचानक से ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

न्यूज गैलरी

पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव ने समस्याओं की निराकरण के लिए सीएम से मिले

रांची। मुख्यमंत्री से बुधवार को झारखंड मंत्रालय में पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव एवं समाजसेवी ताहिर अंसारी ने मुलाकात कर संयुक्त रूप से एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है। मौके पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर उपस्थित रहे।

गिरिडीह जिले के तीन लौह प्रतिष्ठानों पर आयकर का छापा

गिरिडीह। आयकर विभाग ने बुधवार को छड़ और स्पंज बनाने वाली गिरिडीह के 3 बड़े कारोबारियों के घरों, प्रतिष्ठानों पर आज छापा मारा। छापेमारी में झारखंड बिहार और बंगाल के 100 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे। छापा मोंगिया, सलूजा और लाल फेरो के प्रतिष्ठानों पर चला। गिरिडीह के अलाबे दूसरे जगहों पर भी छापा मारा गया है। इसके पहले बालमुकुंद फैक्ट्री पर आयकर विभाग ने दबिश दी थी।

डॉक्टर मजीद आलम के हॉस्पिटल व आवास पर छापा

रांची। आयकर विभाग की टीम ने बुधवार को रांची के जाने-माने डॉक्टर मजीद आलम के ठिकानों पर छापेमारी है। आयकर विभाग की टीम ने सुबह डॉक्टर मजीद आलम के बरियातू रोड स्थित आलम हॉस्पिटल और उनके आवास पर एक साथ छापेमारी की। आयकर विभाग की टीम ने घर और अस्पताल दोनों जगह पर कई दस्तावेजों को खंगाला है।

पांच साल से अधिक पुराने केस दिसंबर 2022 तक होंगे बंद, एडीजी ने की समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में 5 साल या पुराने सभी कांडों की जांच इसी वर्ष यानी दिसंबर 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बुधवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में एडीजी अभियान संजय आनंद लाठकर ने झारखंड के सभी जिलों के एसपी, डीआईजी और सीआईडी के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक के दौरान लंबित कांडों के निष्पादन को लेकर जानकारी ली गई।

राज्य में पांच साल या पुराने सभी कांडों की जांच दिसंबर 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य राज्य पुलिस मुख्यालय ने रखा है। बुधवार को

एडीसी की अध्यक्षता में हुई।

बैठक के दौरान सभी जिलों में लंबित कांड की जानकारी एडीजी ने ली। समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि बोकारो जिला में पांच साल या उससे अधिक अवधि का कोई कांड लंबित नहीं है, वही राजधानी रांची में लंबित 316 है, ऐसे में सभी लंबित कांडों को शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया गया।

राज्य के बाहर जाने के लिए टीम बनाएं

एडीजी ने सभी जिलों के एसपी और डीआईजी को निर्देश दिया कि जिस कांड में अनुसंधान के लिए पुलिस को राज्य के बाहर जाने की जरूरत है, उसके लिए टीम बनाकर त्वरित कार्रवाई करें। ठगी, जालसाजी व आर्म्स एक्ट के मामलों में एसपी को समीक्षा करने का निर्देश एडीजी ने दिया।

10 जनवरी 2023 तक हर हाल में अंतिम प्रपत्र कोर्ट में समर्पित करें

बैठक के दौरान सभी पुलिस अधिकारियों को ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

चार वर्षीय स्नातक डिग्री वाले छात्र अब सीधे कर सकेंगे पीएचडी

-आरएनएम

नयी दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष प्रोफेसर एम जगदीश कुमार ने बुधवार को कहा कि चार वर्षीय स्नातक डिग्री वाले छात्र अब सीधे पीएचडी कर सकते हैं, उन्हें अब आगे मास्टर डिग्री करने की आवश्यकता नहीं होगी। हाल ही में यूजीसी ने चार साल के कार्यक्रम के रूप में ऑनर्स डिग्री पाठ्यक्रमों को परिभाषित करते हुए स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए नए क्रेडिट और पाठ्यक्रम की रूपरेखा की घोषणा की थी।

फिलहाल बंद नहीं होंगे तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम : प्रोफेसर एम जगदीश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय तीन और चार वर्ष के कार्यक्रमों के बीच चयन कर सकते हैं। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

सुषमा बड़ाईक पर हुए गोलीबारी मामले की जांच में जुटी पुलिस

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची के हरमू हाउसिंग कॉलोनी निवासी सुषमा बड़ाईक पर हुए गोलीबारी मामले में पुलिस जांच में जुट गई है। एसएसपी किशोर कौशल की ओर से गठित एसआईटी ने अपराधियों की खोजबीन शुरू कर दी है। इस दौरान टीम को पता चला है कि इस वारदात को तीन अपराधियों ने मिलकर अंजाम दिया। इसमें दो अपराधी रांची के बाहर के हैं, जबकि तीसरा अपराधी इसी शहर का ही रहने वाला है। पुलिस को घटना का सीसीटीवी फुटेज भी मिला है। सीसीटीवी फुटेज में गोलीबारी की घटना के दौरान बाइक पर तीन अपराधी थे। घटना स्थल से कुछ दूरी के बाद बाइक पर दो ही अपराधी भागते हुए दिख रहे हैं। तीसरा अपराधी नहीं दिख रहा है। पुलिस को आशंका है कि तीसरा अपराधी, जो कि लोकल है। वह सिर्फ सुषमा को पहचान कराने के लिए अपराधियों के साथ बाइक पर बैठा था। घटना को अंजाम देने के बाद वह बीच रास्ते में कहीं पर उतर गया है। इधर, पुलिस अब तक करीब आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान पुलिस ने एक अपराधी की पहचान कर ली है। शेष अपराधियों की पहचान करने के लिए पुलिस हिरासत में लिए गए लोगों पर दबिश कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही अपराधी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

कॉल डंप निकाल रही पुलिस

रांची पुलिस की टीम गोलीबारी मामले में सहजानंद चौक का कॉल डंप निकाल रही है। यह पता कर रही है कि घटना के वक्त किन-किन लोगों का मोबाइल एक्टिव था। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद अपराधी मोबाइल का इस्तेमाल जरूर किए होंगे। कॉल डंप से यह पता चल जाएगा कि किन-किन लोगों के बीच बातचीत हुई है। साथ ही हाल के दिनों में सुषमा बड़ाईक से फोन पर किन-किन लोगों की बातचीत हुई थी, उसका भी पुलिस कॉल डिटेल निकाल रही है। इसके बाद सभी पुलिस पूछताछ करेगी।

कैबिनेट की बैठक में 29 प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को हेमंत सोरेन कैबिनेट की बैठक हुई। जिसमें

- झारखंड नगरपालिका (संशोधन) विधेयक 2022 के गठन की मिली मंजूरी
- विधानसभा का शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर से

कुल 29 प्रस्तावों पर मुहर लगी। कैबिनेट की बैठक की जानकारी देते हुए विभागीय सचिव वंदना डाडेल ने बताया कि मंत्रिपरिषद ने झारखण्ड भवन, नई दिल्ली के वर्ग-3 एवं वर्ग-4 के नियमित कर्मचारियों को विशेष दिल्ली भत्ता की स्वीकृति दी । न्यायालयों के अन्तर्गत विभिन्न वादों पर प्रभार्य कोर्ट फीस की दर में संशोधन करने की स्वीकृति दी गई। कैबिनेट ने पंचम झारखण्ड विधानसभा का दशम शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर से दिसंबर तक आहूत किये जाने संबंधी औपबंधिक कार्यक्रम पर मंत्रिपरिषद् की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई। साथ ही पंचम झारखण्ड विधान सभा का नवम (मानसून सत्र के सत्रावसान पर) मंत्रिपरिषद् की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई। बैठक में झारखण्ड नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2022 के गठन को मंजूरी दी गई। राज्य सरकार अन्तर्गत मुख्य सचिव/अपर मुख्य सचिव/प्रधान ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

कैबिनेट के अन्य अहम फैसले

- राज्य में ब्लॉकचेन तकनीक की मदद से ई गवर्नेंस सर्विस के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार होगा। इस प्रस्ताव पर 37.26 करोड़ खर्च होगा।
- सुरंगी जलाशय योजना के पुनरूद्धार के लिए 44.80 करोड़ की स्वीकृति।
- अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव को आवासीय कार्यालय की सुविधा उपलब्ध कराने के प्रस्ताव की स्वीकृति
- रामगढ़ के गोला प्रखंड के बरलंगा थाना क्षेत्र के नेमरा गांव में मोबाइल टॉवर लगाने के प्रस्ताव के लिए बीएसएनएल के मनोनयन के प्रस्ताव की स्वीकृति।
- दुमका के सरैयाहाट अंचल के मौजा-हरलाटांड़ में 3.528 एकड़ जमीन को 8.77 करोड़ की अदायगी पर मोहनपुर-हंसडीहा नई बड़ी रेल लाइन निर्माण के लिए देने की स्वीकृति।
- राज्य गठन से पहले उग्रवादी हिंसा में मारे गए पुरन महतो के आश्रित को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति की स्वीकृति।

पंचायत सचिव अभ्यर्थियों को बड़ी राहतः- राज्यस्तरीय मेधा सूची बनाने का सुप्रीम कोर्ट ने दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पंचायत सचिव नियुक्ति मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश जस्टिस एम आर शाह की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने पंचायत सचिव की नियुक्ति के मामले को शिक्षक नियुक्ति के मामले के साथ टैग करते हुए सरकार को राज्यस्तरीय मेधा सूची बनाने का निर्देश दिया है। पंचायत सचिव नियुक्ति का मामला पांच सालों से लंबित था। कुल 3088 अभ्यर्थी सारी प्रक्रियाओं को पूरी करने के बावजूद नियुक्ति की आस लगाए बैठे थे। ऐसे में उन्हें अब उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जल्द नियुक्ति प्रक्रिया शुरू होगी। सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल ने पक्ष रखा।

'यदि कहीं दूसरा डोकलाम होगा तो अरुणाचल में होगा'

- भाजपा सांसद तापिर गाओ ने 2019 में लोकसभा में कहा था, हुआ सच
- कहा था- चीन ने भारतीय सीमा में 50 से 60 किलोमीटर तक कब्जा कर रखा है
- चीन अरुणाचल प्रदेश में कब्जा करता है, मीडिया में कोई खबर नहीं आती है

-आरएनएम

नयी दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में सीमा पर भारत और चीनी सेना के बीच हुई झड़प के बाद से विपक्षी दलों ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में कांग्रेस अरुणाचल प्रदेश में 'डोकलाम की पुनरावृत्ति' की चेतावनी देते हुए भाजपा सांसद तापिर गाओ के भाषण का एक पुराना वीडियो साझा किया है। भाजपा सांसद ने यह भाषण 2019 में लोकसभा में दिया था। इस वीडियो में अरुणाचल से सांसद तापिर गाओ सरकार को चीन की घुसपैठ के बारे में चेतावनी देते हुए नजर आ रहे हैं।

मालूम हो कि भाजपा सांसद तापिर गाओ ने 2019 में लोकसभा में दिए भाषण में कहा था कि यदि कहीं दूसरा डोकलाम होगा तो अरुणाचल प्रदेश में होगा। चीन ने भारतीय सीमा में 50 से 60 किलोमीटर तक कब्जा कर रखा है। चीन अरुणाचल प्रदेश में कब्जा करता है, मीडिया में कोई खबर नहीं आती है।भाषण की एक मिनट से अधिक लंबी क्लिप में, लोकसभा सदस्य को सरकार से अरुणाचल प्रदेश में डोकलाम जैसी स्थिति की अनुमति देने का अनुरोध करते हुए सुना जा सकता है, जिसमें उन्होंने दावा किया कि चीन ने राज्य की 50 किमी से अधिक भूमि पर कब्जा कर लिया है। शून्यकाल के दौरान संसद में इस मुद्दे को उठाते हुए, गाओ ने इस बात पर प्रकाश डाला था कि कैसे चीन राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, रक्षा मंत्री या केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा पूर्वी राज्य की आधिकारिक यात्राओं पर आपत्ति जताता है।

उन्होंने कहा कि जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 14 नवंबर, 2019 को तवांग का दौरा किया तो चीन ने एक आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करके आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि मैं सदन और मीडिया से इसके खिलाफ आवाज उठाने का अनुरोध करता हूं। भाजपा सांसद ने दावा किया था कि यदि डोकलाम की पुनरावृत्ति होती है, तो यह अरुणाचल प्रदेश में होगी, क्योंकि चीन ने राज्य के 50-60 किमी हिस्से पर कब्जा कर लिया है।

विभिन्न राजमार्गों पर नई गति सीमा का निर्धारण जल्द : गडकरी

-कृष्णमोहन सिंह

नयी दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्य सभा में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक सवाल के जवाब में कहा कि विभिन्न राजमार्गों पर वाहनों की नई गति सीमा के संबंध में जल्दी ही फैसला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नियम के आधार पर व राज्य सरकारों से राय - बात करके, उनको विश्वास में लेकर दो लेन और चार लेन सहित विभिन्न राजमार्गों पर नई गति सीमा का जल्दी ही निर्धारण किया जाएगा।

गडकरी ने खेद जताते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के मामले में भारत दुनिया में सबसे आगे है ,और यहां प्रति वर्ष 5 लाख दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने कहा कि इन दुर्घटनाओं में जितने लोग मरते हैं, उतने किसी महामारी,

लड़ाई या दंगों में नहीं मरते। सरकार ऐसे हादसों पर काबू पाने के लिए लगातार कदम उठा रही है ,और लोगों के बीच जागरूकता एवं अन्य कदमों के साथ ही मशहूर हस्तियों का भी सहयोग ले रही है।उन्होंने यह भी कहा कि सरकार बेहतर उच्च-स्तरीय सड़कें बना रही है, जिससे कई शहरों के बीच की दूरी कम हो जाएगी। इन नयी सड़कों के बन जाने के बाद दिल्ली से चंडीगढ़ की दूरी घटकर ढाई घंटे की रह जाएगी ।इसी तरह दिल्ली से जयपुर, देहरादून एवं हरिद्वार लगभग दो घंटे में पहुंचा जा सकेगा।

पराली से बनाएंगे विटामिन : नितिन गडकरी

आरएनएम

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द इंडियन एक्सप्रेस के एक्सप्रेस अड्डा में सवाल-जवाब में कहा कि मैं हमेशा 'कन्वर्जन ऑफ नॉलेज इन टू वेल्थ' फॉर्मूला पर भरोसा करता हूं और इसी पर जोर देता हूं। साइंस, टेक्नोलॉजी और रिसर्च के जरिए हम कैसे इसका लाभ ले सकते हैं, मैं हमेशा यही सोचता रहता हूं। मेरा मानना है कि कुछ भी बेकार नहीं है। बस उसको सही तरीके से सही दिशा देने की जरूरत होती है, सही विजन की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि अगले एक वर्ष में धान की पराली (धान के पौधे के डंठल) से बनाएंगे विटामिन बनायेंगे। इसके लिए मशीन कुछ माह में बन जायेगी।

एक्सप्रेस अड्डा में द इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप के कार्यकारी निदेशक अनंत गोयनका और नेशनल ओपिनियन एडिटर वंदिता मिश्रा से बातचीत में नितिन गडकरी ने कहा कि मैं अपने शहर नागपुर के वेस्ट टॉयलेट वाटर को 7 साल पहले से महाराष्ट्र सरकार को बेचता हूं, क्या आप सोच सकते हैं कि ऐसा भी संभव है। इससे हमें 300 करोड़ रुपए साल के आते हैं।बकौल नितिन गडकरी महाराष्ट्र सरकार, नागपुर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन से जो टॉयलेट का गंदा पानी खरीदती है, उसे साफ करके बिजली बनाने के काम में लेती है। साथ ही उस पानी से मेथेन निकालते हैं, उससे सीओटू अलग करके बायो-सीएनजी भी निकालते हैं।

पराली से बनाएंगे बायो विटामिन : नितिन गडकरी ने बताया कि अभी भारत तीस लाख टन विटामिन इंपोर्ट करता है। मेरा सपना है कि हम पराली से बायो विटामिन बनाएं। सीएसआर की मदद से हम इसको करने जा रहे हैं। अगले ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

न्यूज गैलरी

झारखंड सरकार की कम्पनी प्रेझा फाउंडेशन के पदाधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहुंची विधायक

मांडर। मांडर के प्रोजेक्ट बालिका +2 उच्च विधालय टांगरबसली एवं चान्हो के प्रोजेक्ट बालिका +2 उच्च विधालय,ओपा में झारखंड सरकार के कम्पनी प्रेझा फाउंडेशन के पदाधिकारियों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक शिल्पी नेहा तिर्की पहुंचकर कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विधायक का स्वागत बच्चों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर एवं शॉल ओढ़कर अतिथि का स्वागत किया गया। फाउंडेसन के पदाधिकारियों द्वारा स्कूल के बच्चों को वोकेशनल सब्जेक्ट से संबंधित विभिन्न कोर्स के विषय के बारे में बहुत सारी जानकारी दी गई। बच्चों ने भी इस कोर्स को करने मे अपनी रुचि एवं इच्छा भी जताई। विधायक ने भी इस कोर्स को करने के लिए बच्चों को प्रेरित किया,और कहा कि ज्ञान प्राप्ति की कोई उम्र व सीमा नहीं होती।आप जब जहां ज्ञान प्राप्त करने का मौका मिले हासिल करने का अवसर नहीं गवाएं। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष, विधायक प्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं टीचर उपस्थित थे।

उप स्वास्थ्य केंद्र का विधायक ने किया शिलान्यास

चान्हो। प्रखंड के चामा में उप स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के द्वारा किया गया।शिलान्यास के पश्चात विधायक ने उपस्थित लोगों से कहा कि स्वास्थ्य ही जीवन है,आप सभी के स्वास्थ्य एवं हर समस्या के समाधान की जिम्मेदारी आपने मुझे अपना जनप्रतिनिधि बना कर सौंपा है। आपके उस विश्वास और प्यार को मैं हर प्रकार से पूर्ण करने का प्रयास करने में दिनरात जुटी हुई हूँ।आपको मुझे अपनी समस्या से अवगत कराने की जरुरत है मैं संभवतः उसके निदान का प्रयास करुंगी। मौके पर उप प्रमुख, मुखिया, पार्टी प्रखंड अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

क्राइम मीटिंग में एसपी ने अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के दिए निर्देश

खूंटी । खूंटी जिले में एसपी कार्यालय सभागार में आयोजित क्राइम मीटिंग में जिले में अपराध नियंत्रण और नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाने पर विशेष निर्देश दिए गए। क्राइम मीटिंग में एसपी ने बताया कि जिले में कांडो के निष्पादन की संख्या दर्ज हो रहे मामलों से अधिक है। बैठक में अफीम की खेती के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने को लेकर भी विशेष रूप से चर्चा की गई। एसपी ने सभी थाना प्रभरियों, बीडीओ, सीओ और ग्राम प्रधान से मिलकर गांवों में जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। ग्रामीणों को अफीम की खेती स्वयं नष्ट करने की अपील की और एसपी ने कहा कि अगर कोई अफीम की खेती को नष्ट नहीं करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई करें। एसपी ने तल्ख अंदाज में सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जहां-जहां पिछले वर्ष अफीम की खेती हुई थी उनका फिर से सत्यापन कर कार्रवाई करें। वहीं एसपी ने बताया कि अबतक जिले में लगभग तीन हजार एकड़ का सत्यापन किया जाना है। जिसमें से डेढ़ हजार एकड़ का सत्यापन हो चुका है। बैठक में एएसपी अभियान रमेश कुमार, खूंटी डीएसपी अमित कुमार, तोरपा डीएसपी ओपी तिवारी, खूंटी तोरपा व मारंगहादा के अलावा इंस्पेक्टर से लेकर जिले के सभी थाना प्रभारी समेत पुलिस लाइन के पदाधिकारी मौजूद थे।

बीडीओ ने बेड़ो के करकरी पंचायत का किया निरीक्षण

पंचायत भवन की जर्जर स्थिति पर बीडीओ ने दूसरे भवन निर्माण की बात कही

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो के बीडीओ डॉ. प्रवीण कुमार ने बुधवार को करकरी पंचायत का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मनरेगा, पीएम आवास और 15वें वित्त से संबंधित विभिन्न योजनाओं के अभिलेख की जांच की गई। वहीं जांच के क्रम में बीडीओ ने तीन स्टेज के फोटोग्राफ सहित अन्य कमी को दूर करने का निर्देश दिया। इधर आवास की 41 योजनाओं की जांच की गई। वहीं मनरेगा के तहत पंचायत में संचालित 173 योजनाओं में से हर एक योजना पर बीडीओ ने कई दिशा निर्देश दिया। साथ ही योजनाओं को समय पर पूर्ण करने को लेकर एई,जेई, पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक को सख्त हिदायत दिया। इधर पंचायत भवन की जर्जर स्थिति पर बीडीओ ने दूसरे भवन निर्माण की बात कही। इस दौरान आवास योजना के तहत एक दर्जन आवास का भौतिक निरीक्षण कर बीडीओ ने लाभुकों को समय पर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस क्रम में 15 वें वित्त के कई योजनाओं की स्थल एवं गुणवत्ता की जांच की गई। करकरी पंचायत स्थित एक पीडीएस दुकान का निरीक्षण कर संचालक से कई जानकारी ली गई।इस दौरान निमार्णाधीन आंगन बाड़ी केंद्र व नाली सहित अन्य योजनाओं का निरीक्षण किया गया। मनरेगा के तहत सिंचाई कूप सहित विभिन्न योजनाओं का भौतिक निरीक्षण किया गया। मनरेगा के तहत भैंसादोन ग्राम में निर्मित बबलू साहू और रूपन देवी के कूप से लगभग 15 एकड़ भूमि में किसानों द्वारा खेती किए जाने पर बीडीओ ने खुशी जाहिर किया। वहीं मौके पर आपूर्ति पदाधिकारी अवनि कुमार झा, फारूक नदीम, नाजिर विजय यादव, पुरुषोत्तम भाई पटेल,जेई अभय आशीष, पंचायत सचिव सनीका नाग, हबीब अंसारी, पंचायत समिति सदस्य मकबूल अंसारी, आदित्य कुमार शाही, मोहम्मद आलम, भूषण कुमार साहू, कृष्ण कुमार व प्रकाश साहू आदि मौजूद थे।

उपायुक्त ने सिल्ली में योजनाओं का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

सिल्ली। रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा सिल्ली पहुंचे जहां उन्होंने सिल्ली में चल रहे विभिन्न सरकारी योजनाओं का निरीक्षण किया। जैसे मनरेगा के आम बगान, हलमाद के वैलनेस सेंटर, जेएसलपीएस द्वारा गाझा में महिला समिति द्वारा चलाये जा रहे साबुन निर्माण उद्योग समेत अन्य कई योजनाओ का निरीक्षण किया। समिति के महिलाओं को उद्योग बढ़ाने एवं अधिक मुनाफा कमाने के तरीके बाये। डीसी ने सिल्ली स्टेडियम में भी राजकीय मानभूम छौ नृत्य कला केंद्र का भी निरीक्षण किया। प्रशिक्षक सुनील कुमार सिंह से कलाकेंद्र की जानकारी ली। छौ नृत्य के कलाकारों ने भी डीसी के समक्ष नृत्य की प्रस्तुति की। इस दौरान सिल्ली स्टेडियम में विरसा मुंडा तीरंदाजी केंद्र के तीरंदाजों, खेलो इंडिया के खिलाड़ी एवं वुशू खिलाड़ियों से मिले एव तीरंदाजी के अभ्यास को भी देखा और कोच प्रकाश राम ने तीरंदाजी केंद्र की विस्तृत जानकारी दी। डीसी ने खिलाड़ियों से बात करते हुए कहा कि निरन्तर मेहनत से ही सफलता मिलती है। मेहनत कभी बेकार नहीं जाती है। उन्होंने खिलाड़ियों के उपलब्धियों की सराहना की। इस मौके पर बीडीओ पावन आशीष लकडा, सीओ धर्मेंद्र दुबे, जेएसएलपीएस के बीपीएम जोवाकिम कंडीर, सिल्ली थाना प्रभारी आकाश दीप, मुरी ओपी प्रभारी बबलू सिंह, शिशिर महतो समेत काफी संख्या खिलाड़ी मौजूद थे।

एक दिवसीय स्व. आरपी द्विवेदी मेमोरियल कैरम प्रतियोगिता संपन्न

रांची । बुधवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा कला एवं खेल प्रकोष्ठ रांची महानगर एव ₹ रिलेशंस ₹ के संयुक्त में तत्वावधान में डी ए वी गांधीनगर स्कूल में एक दिवसीय स्व आर पी द्विवेदी मेमोरियल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस अवसर पर स्कूल के कई बच्चों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि स्कूल के प्रचार्य डॉ एस के सिन्हा, विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी सुरेंद्र जैन ,भारतीय जनता युवा मोर्चा कला एवं खेल प्रकोष्ठ रांची महानगर के संयोजक आशुतोष द्विवेदी, भारतीय जनता पार्टी ओ बी सी मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी राजीव रंजन,खेल प्रशिक्षक गोविंद झा, संजय प्रमाणिक सहित अन्य सभी गणमान्य अतिथियों ने विजेता प्रतिभागियों को मेडल एव ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

शैक्षणिक सेवा संचालन के लिए हुआ एमओयू

रांची। रांची विश्वविद्यालय ने सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार की ईकाई कॉमस सर्विस सेंटर (सीएससी), स्पेशल पर्पस व्हीकल (एसपीवी) के साथ बुधवार को डिजिटल इंडिया के अंतर्गत सीएससी (प्रज्ञा केंद्र) व सीएससी के अंतर्गत संचालित वोकेशनल शिक्षा संचालन के लिए करार किया। कुलपति कार्यालय में सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार के वरीय उपाध्यक्ष सार्थिक सचदेवा व रांची विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ मुकुंद चंद्र मेहता ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया। इस एमओयू के तहत रांची विश्वविद्यालय के सभी अंगीभूत, अल्पसंख्यक व संबद्धता कॉलेजों में डिजिटल इंडिया के अंतर्गत प्रज्ञा केंद्र की स्थापना होगी। साथ ही, सभी कॉलेजों में वोकेशनल ट्रेनिंग के अंतर्गत शॉर्ट टर्म व डिप्लोमा कोर्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मेंस कांग्रेस मुरी शाखा ब्रांच काउंसील की दो दिवसीय बैठक का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मुरी। मेंस कांग्रेस मुरी शाखा के द्वारा 14 एवं 15 दिसंबर को ब्रांच काउंसील के दो दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया है। इस बैठक में रेलवे कर्मचारियों के मुद्दों पर विचार विमर्श किया जाएगा। जैसे रेलवे कर्मचारियों का नाइट एलाउंस, क्वार्टरों का मरम्मती, छुट्टी आदि समस्या के निदान को लेकर चर्चा किया जाएगा। वही मेंस कांग्रेस मुरी के सचिव पी डी तिवारी के द्वारा मुरी झालदा सेक्शन के विभिन्न स्टेशनों का निरीक्षण किया गया साथ ही साथ कर्मचारियों से मिलकर उनके समस्या को सुना और समस्याओं का निदान को लेकर संबंधित अधिकारियों से मिलकर निदान करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी तरह की समस्या कर्मचारियों के ऊपर आती है तो हमेशा मेंस कांग्रेस मुरी आपके लिए तत्पर रहेगी। 15 दिसंबर को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर एवं दवा वितरण का भी आयोजन किया गया है। इस मौके पर संजीत मिस्त्री, के के पासवान, यू एन दुबे, टिंकू कुमार, एस एस प्रसाद, नीतीश, प्रवीण, रविंदर महतो, बी राजेश्वर राव आदि लोग उपस्थित थे।

सुषमा बड़ाईक फायरिंग मामला : आईजी नटराजन सहित छह पर एफआईआर दर्ज

आईपीएस पी नटराजन की भी भूमिका बताई जा रही है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सुषमा बड़ाइक पर हमला मामले में अरगोड़ा थाने में आईजी नटराजन सहित पांच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, प्राथमिकी सुषमा बड़ाईक के भाई सिकन्दर बड़ाईक के बयान पर दर्ज किया गया है। फायरिंग मामले में पूर्व आईजी नटराजन, दानिश रिजवान, नादिर, सुनील बादल, नीरज सिन्हा, अजय कश्यप और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है.

क्या है एफआईआर में

दर्ज प्राथमिकी में सुषमा बड़ाईक के भाई सिकंदर बढ़ाई के द्वारा यह बताया गया है कि उसकी बहन सुषमा बड़ाईक मंगलवार की सुबह करीब 9.30 में अपने अंगरक्षक हिलारियुस टोपनो के साथ अपने छोटे बेटे सोनू के साथ हरमू स्थित आवास आई थी। अपने बेटे को मेरे घर पर छोड़कर सुषमा अपने अंगरक्षक के साथ बाइक पर बैठकर डोरंडा स्थित हाईकोर्ट जा रही थी उसी दौरान हरमू चौक और सहजानंद चौक के बीच मोटरसाइकिल पर सवार तीन अपराध कर्मियों के द्वारा मेरी बहन सुषमा पर दो गोली चलाई गई ,मौके पर बॉडीगार्ड और अन्य लोगों के द्वारा तत्काल मेरी बहन को अस्पताल ले जाया गया, अस्पताल में उसकी बहन जिंदगी और मौत से जूझ रही है। सुषमा के भाई के अनुसार उसे संदेह है कि उसकी बहन पर हुए हमले में दानिश रिजवान नाजिर सुनील बादल नीरज सिन्हा अजय कश्यप और कुछ अन्य लोगों की साजिश है। इसमें आईपीएस पी नटराजन की भी भूमिका है। इन सभी के ऊपर मेरी बहन के द्वारा प्राथमिकी दर्ज की गई है। उसे अंदेशा है कि इसी वजह से इन लोगों के द्वारा साजिश रचकर उनकी बहन पर जान से मारने की नीयत से हमला करवाया गया है।

क्या है पूरा मामला

मंगलवार को बेहद सुरक्षित माने जाने वाले अरगोड़ा थाना क्षेत्र के सहजानंद चौक के पास बाइक सवार तीन अपराधियों ने हाई कोर्ट में गवाही के लिए जा रही सुषमा बढ़ई को गोली मार दी थी , सुषमा को इस दौरान दो गोलियां लगी थी ,एक गोली पीठ को चीरते हुए बाहर निकल गई थी जबकि दूसरी गोली शरीर में ही फंसी हुई है। आनन-फानन में एक निजी अस्पताल में सुषमा को इलाज के लिए भर्ती करवाया गया। डॉक्टरों के अनुसार देर रात सुषमा की स्थिति गंभीर होने पर उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर डाल दिया गया है फिलहाल एक गोली अभी भी सुषमा के शरीर में ही फंसी हुई है।

घर से ही रेकी की जा रही थी

आईपीएस पीएस नटराजन पर यौन शोषण का केस दर्ज करने के बाद सुर्खियों में आयी सुषमा बड़ाईक की पूरी प्लानिंग के साथ हत्या करने की योजना थी। इसके लिए बाइक सवार अपराधियों ने सुषमा को मारने के लिए वैसे स्थान का चयन किया, जहां पर सीसीटीवी कैमरा भी नहीं लगा था। अपराधियों ने सुषमा को उसके घर से रेकी की थी। जब वह हरमू चौक और सहजानंद चौक के बीच में स्थित जीतेंद्र सिंह के आवास के पास पहुंची, तब अपराधियों ने गोलीबारी घटना को अंजाम दिया।

क्रिसमस : रांची में क्रिसमस कार्निवाल 17 को, तैयारी पर हुई चर्चा

रांची। लोयला मैदान से अलबर्ट एक्का चौक तक क्रिसमस कार्निवल निकाली जाएगी। इसमें काफी संख्या में युवा शांता क्लॉज के वेश में शामिल होंगे। यह आयोजन 17 दिसंबर को होगा। इसे लेकर बुधवार को एसडीसी सभागार में झारखंड क्रिश्चियन यूथ एसोसिएशन केंद्रीय समिति की बैठक हुई। इसमें निर्णय हुआ कि 150 स्वयंसेवी कार्यकर्ता कार्निवल में मदद करेंगे। मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप तिर्की, कार्यकारी अध्यक्ष अलबिन लकड़ा, पास्टर विंग के अध्यक्ष सुजीत तिग्गा, सचिव पास्टर माइकल कच्छप, महासचिव विकास तिर्की, संदीप उरांव, संरक्षक शशि टूटी, उपाध्यक्ष रामकुमार नायक, कोषाध्यक्ष दीपक लकड़ा, उपाध्यक्ष पंकज तिर्की, अभिषेक बाड़ा आदि मौजूद थे।

पेसा अधिनियम 1996 के अंतर्गत झारखण्ड के परिपेक्ष्य में नियमावली तैयार करने के उद्देश्य से कार्यशाला आयोजित

रांची। पेसा एक्ट यानि पंचायतों के प्रावधान (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 भारत के अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिये पारंपरिक ग्राम सभाओं के माध्यम से स्वशासन सुनिश्चित करने के लिये भारत सरकार द्वारा अधिनियमित एक कानून है। यह बातें एल॰ ख्यांगते, अपर मुख्य सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने झारखण्ड सरकार द्वारा पेसा अधिनियम 1996 के अंतर्गत झारखण्ड राज्य के परिपेक्ष्य में नियमावली तैयार करने के उद्देश्य से होटल बी0एन0आर0 चाणक्या,रांची में आयोजित एक में कार्यशाला में कही। एल॰ ख्यांगते, अपर मुख्य सचिव ने कहा कि दरअसल अनुसूचित क्षेत्र भारत के संविधान की पांचवी अनुसूची द्वारा पहचाने गये क्षेत्र हैं। यह अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को विशेष रूप से प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन के लिये विशेष अधिकार देता है। पंचायतों से संबंधित संविधान के भाग-9 के प्रावधानों को अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तारित करने के लिये अधिनियम है।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

Phone no. 06524-223003 (office)
e-mail :- dfogumla@yahoo.in, forest-gumla@jharkhandmail.gov.in
9102600556 P (mob.)8987790115 O (Mob.)
कार्यालयः-प्राधिकृत पदाधिकारी-सह-वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल

आवश्यक सूचना

सूचित किया जाता है कि दिनांक 21.11.2022 को गुप्त सूचना के आधार पर रायडीह-गुमला मार्ग, मौजा-सिलम, थाना-रायडीह के पास से 37 पीस साल बोटा, 29 पीस साल बीम सहित एक ट्रक संख्या- CG04J7356 को वनकर्मियों के द्वारा जप्त कर हेमराज उराँव, प्रभारी वनपाल के अभिरक्षा मे सुरक्षित रखा गया है। उक्त जप्त वन पदार्थ सहित वाहन के विरूद्ध प्राधिकृत पदाधिकारी-सह-वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में अधिहरण की कार्रवाई प्रारम्भ की गई है।

अतः समाचार पत्रों के माध्यम से जप्त वन पदार्थ के दावेदार (यदि कोई हो) एवं सम्बन्धित सभी को सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 24.12.2022 को प्राधिकृत पदाधिकारी-सह-वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में 11:00 बजे पूर्वाह्न स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा उपलब्ध साक्ष्यों एवं अभिलेखों के आधार पर एक पक्षीय निर्णय ले लिया जायेगा।

प्राधिकृत पदाधिकारी,
-सह-
PR 284994 (Forest, Environment and Climate Changes)22-23*D वन प्रमंडल पदाधिकारी,गुमला वन प्रमंडल

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, हजारीबाग
नया समाहरणालय भवन, Ground Floor (B-002), हजारीबाग-825301
Email Id - ssa_hazaribagh@rediffmail.com

क0गां0बा0वि0 में लेखापाल-सह-कम्प्यूटर ऑपरेटर के आवेदन पर आपत्ति हेतु विज्ञापन

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में लेखापाल-सह-कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर नियुक्ति हेतु प्रकाशित किये गये विज्ञापन के आलोक में प्राप्त आवेदन की कम्प्यूटर में प्रविष्टि के उपरांत त्रुटियों को अभ्युक्ति में अंकित करते हुए जिला के वेबसाईट www.hazaribag.nic.in पर प्रदर्शित किया गया है।

यदि किन्ही को किसी प्रविष्टि/अभ्युक्ति पर आपत्ति है, तो वे जिला कार्यालय को डाक के माध्यम से अथवा हाथों-हाथ साक्ष्य सहित दिनांक-22.12.2022 तक आवश्यक रूप से सूचित करेंगे।

जिला शिक्षा पदाधिकारी-सह-
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा अभियान, हजारीबाग

PR 284980 School Education and Literacy(22-23)#D

समाहरणालय हजारीबाग
(समाज कल्याण शाखा)

-- अतिअल्पकालीन निविदा सूचना --

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या- 2196 दिनांक-23.09.2022 के आलोक में जिलान्तर्गत विभिन्न परियोजनाओं में संचालित आँगनबाड़ी केन्द्रों एवं लघु आँगनबाड़ी केन्द्रों में उपस्थित होने वाले 03-06 वर्ष के बच्चों की शीतकाल में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य से बच्चों को गर्म पोशाक (Winter Uniform) आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाना है।

उक्त विभागीय संकल्प एवं स्वीकृत्यादेश संख्या- 1682/80 (स्वी0) दिनांक- 24.11.2022 के आलोक में हजारीबाग जिलान्तर्गत आँगनबाड़ी केन्द्रों में उपस्थित होने वाले 03-06 वर्ष के बच्चों के लिए गर्म पोशाक (Winter Uniform) की क्रयापूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। गर्म पोशाक (Winter Uniform) की विवरणी निम्नवत है-

Sl.No.	Particulars	Requirements	Remarks
1	Sweater Quality	Unisex	
2	Colour	Maroon	
3	Material (Blend Composition)	Acrylic- 100% (±2%)	
4	Yarn	High bulk Yarn	
5	Neck Type	V- Neck	
6	Sleeve	Full regular Sleeve	
7	Logo	जिला- हजारीबाग	स्वेटर की बांयी ओर 1"x1" आकार का लोगो होगा।
8	Size	For Children of Age Group between 03-04 Yrs, 04-05 Yrs & 05-06 yrs	तीन आयु वर्ग के बच्चों के लिए गर्म पोशाक की आपूर्ति की जानी है

निविदादाता मुहरबंद लिफाफे में निविदा जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, हजारीबाग के कार्यालय में दिनांक-22.12.2022 को 02:00 बजे अपराह्न तक स्पीड पोस्ट/निबंधित डाक अथवा स्वयं या अपने प्रतिनिधि के माध्यम से जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि एवं समय के उपरांत निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। प्राप्त निविदाओं को दिनांक- 22.12.2022 को 04:00 बजे अपराह्न में अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति के समक्ष निविदादाता अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि की उपस्थिति में खोला जायेगा।

निविदा से सम्बन्धित नियम एवं शर्तें हजारीबाग एन.आई.सी. के Website- www.hazaribag.nic.in से Download किया जा सकता है अथवा जिला समाज कल्याण कार्यालय, हजारीबाग से प्राप्त किया जा सकता है।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, हजारीबाग। | उप विकास आयुक्त, हजारीबाग। | उपायुक्त, हजारीबाग।

PR 284976 (Social Welfare,Women and Child Development)22-23*D

झारखण्ड सरकार कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा शीर्षकार्य प्रमंडल, राँची।
इच्छा की अभिव्यक्ति
EOI NO:- 01/HEADWORKS/2022-23

रूक्का अवस्थित पुराने जलशोध संस्थान में दो मंजिला निरीक्षण भवन का निर्माण, PCC रोड का निर्माण, मेन गेट एवं दूसरी गेट की मरम्मति, LED लाईट से विद्युतीकरण, फव्वारा का पुर्णोद्धार, पथ एवं भवनो के सौन्दर्यीकरण हेतु प्रतिष्ठान / फॉर्म/ गैरसरकारी संस्थानों द्वारा मुहरबन्द इच्छा की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है। विभागीय वेवसाइट http://112.133.209.136:8000/dwsd/home.aspx से इच्छा की अभिव्यक्ति से संबंधित दस्तावेज दिनांक-05.01.2023 से डाउनलोड कर दिनांक 12.01.2023 को 3.00 बजे अपराह्न तक प्राप्त अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध करावें तथा उसी दिन अधोहस्ताक्षरी द्वारा 4.00 बजे अपराह्न में प्रतिष्ठान / फॉर्म / गैरसरकारी संस्थानों के प्राधिकृत प्रतिनिधि की उपस्थिति में खोली जायेगी।

कार्य की विवरणी :-

- Construction with 3-D modelling of the Inspection Building (I.B.) with all appliances and Furniture.
- Construction of PCC Road inside Old Rukka Plant.
- Replacement of Damaged Main Gate and 2nd Gate at Rukka Treatment Plant
- Provision of LED Lights inside the Plant.
- Repairing of Fountain with Lighting at Rukka Treatment Plant.
- Landscaping of Rukka Treatment Plant

नियम एवं शर्तें:-

1. इच्छुक प्रतिष्ठित संस्थान/फर्म/गैरसरकारी संस्थान का रजिस्ट्रेशन होना चाहिए तथा न्यूनतम (10 वर्षों का) अनुभव प्राप्त होना चाहिए।
2. PAN Card एवं Income Tax Clearance प्रमाण पत्र की अद्यतन छायाप्रति ।
3. विगत 3 वर्षों का C.A. द्वारा Audit Report की अद्यतन प्रति।
4. Agency को संबंधित कार्य का 10 वर्षों का अनुभव होना चाहिए।
5. निविदा में भाग लेने हेतु एजेंसी को रू0 1000.00 का राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा *"Executive Engineer,D.W.& S.Swarnrekha Head Works Division,Ranchi"* के पदनाम से निर्गत बैंक ड्राफ्ट जमा करना अनिवार्य है।
6. इच्छुक Agency/Firm को वर्णित सभी कार्यों के DPR निर्माण हेतु Consultancy Fee अंकित करना अनिवार्य है तथा इच्छा के अभिव्यक्ति में सभी कार्यों का 3D Animation के साथ Soft Copy में जमा करना अनिवार्य होगा।
7. अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये इच्छा की अभिव्यक्ति पत्र स्वीकार/अस्वीकार करने एवं रदद् करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

नोटः-http://112.133.209.136:8000/dwsd/home.aspx से दस्तावेज **Download** की जा सकती है।

ह0/-
(ई0 राधेश्याम रवि)
कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता
स्वर्णरेखा शीर्षकार्य प्रमंडल, राँची।

PR 285010 Drinking Water and Sanitation(22-23)D

न्यूज गैलरी

दरगाह कमेटी के अध्यक्ष के लिए हुई दुआ

रांची। हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा दरगाह कमेटी के अध्यक्ष हाजी रऊफ गद्दी की हालत नाजुक है। बुधवार को मजार शरीफ में उनके लिए दुआ के साथ चादरपोशी की गई। 15 दिनों से अध्यक्ष रिम्स के ट्रामा सेंटर में इलाजरत हैं। मौके पर सोहेल अख्तर गद्दी उर्फ गब्बर, शहर काजी हाजी मसूद फरीदी, नायब सदर हाजी जाकिर हुसैन, सेक्रेटरी मोहम्मद फारूक, प्रवक्ता प्रोफेसर जावेद अहमद खान, मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद साजिद, मोहम्मद अफरोज आलम, मंजूर हबीबी, शोएब अंसारी, मौलाना मोबिन, राजू बाबा फार्मा, कफिल, उपसचिव अली अहमद, अतीक-उर-रहमान आदि लोग मौजूद थे।

नई दिल्ली एम्स में आंख का इलाज करा कर वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव रांची लौटे, हुआ स्वागत

रांची। पिछले दस दिनों से एम्स नई दिल्ली में आंख का इलाज करा रहे झारखण्ड सरकार के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव पूरी तरह स्वस्थ होकर बुधवार को रांची लौटे और अपने विभागीय कार्यों को संपादित भी किया। रांची एअरपोर्ट पर वरीष्ठ कांग्रेस नेता आलोक कुमार दूबे,डा.राजेश गुप्ता छोटू, फिरोज रिजवी मुन्ना, अभिषेक साहू,फहज खान,फैज खान,संजीत यादव,संजय सिंह, नागेन्द्र यादव ने पुष्प गुच्छ भेंटकर डा रामेश्वर उरांव का स्वागत किया।डा.उरांव ने कांग्रेस जनों को तथा आम लोगों की असंख्य शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया है।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में स्व. संजय गांधी की जयंती मनाई गई

रांची । झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में कांग्रेस नेता स्व. संजय गांधी की जयंती प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, कांग्रेस भवन, रांची में मनाई गई। इस अवसर पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए वक्ताओं ने स्व. संजय गांधी को युवाओं का शक्तिपुंज बताया। वक्ताओं ने कहा कि स्व. गांधी युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत थे। उन्होंने कम समय में ही देश को एक सूत्र में बांधा तथा पूरे राष्ट्र में पांच सूत्री कार्यक्रम चला कर देश को एक नई दिशा प्रदान की। स्व0 गांधी ने पर्यावरण से संबंधित अनेक कार्यक्रम चला कर राष्ट्र को समृद्धशाली बनाया। वे एक निर्भीक युवा संगठनकर्ता थे। वक्ताओं ने कहा कि युवा सम्राट स्व0 गांधी ने परिवार नियोजन कार्यक्रम चलाया, जिसका महत्व लोग आज समझ रहे हैं। दहेज प्रथा जैसी बुराई को दूर करने के लिए उन्होंने युवाओं का आहवान किया था जिसकी बदौलत आज सम्पूर्ण राष्ट्र में दहेज प्रथा के खिलाफ एक क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ है। वक्ताओं ने कहा कि देश के सर्वांगीण विकास में इनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

सांसद-विधायक निधि अंतर्गत अनुशंसित व स्वीकृत योजनाओं की समीक्षा की

सांसद निधि का लंबित उपयोगिता प्रमाण-पत्र भी यथाशीघ्र समर्पित करने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची । उप विकास आयुक्त, रांची विशाल सागर की अध्यक्षता में सांसद एवं विधायक निधि अन्तर्गत अनुशंसित एवं स्वीकृत योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सांसद निधि एवं विधायक निधि अन्तर्गत स्वीकृत एवं अपूर्ण योजनाओं तथा लंबित डीसी विपत्रों के समायोजन की समीक्षा की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त विशाल सागर द्वारा संबंधित कार्यकारी एजेन्सियों जैसे कार्यपालक अभियन्ता, एनआरईपी-1, रांची / कार्यपालक अभियन्ता, एनआरईपी-2, रांची / जिला अभियन्ता, जिला परिषद्, रांची / रांची नगर निगम, राँची / सिविल सर्जन, रांची

/ कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं-1, राँची एवं विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रांची को वित्तीय वर्ष 2021-22 की राशि से स्वीकृत सभी अपूर्ण योजनाओं को एक पक्ष के अन्दर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही वित्तीय वर्ष 2016-17, 2017-18, 2018-19, 2019-20 एवं 2020-21 तक की सम्पूर्ण लम्बित डीसी विपत्र का शत प्रतिशत समायोजन सुनिश्चित करने का भी निदेश दिया गया। उप विकास आयुक्त द्वारा वित्तीय वर्ष 2019-20 का डीसी विपत्र 30 दिसंबर 2022 तक जमा करना सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। उन्होंने सांसद निधि का लम्बित उपयोगिता प्रमाण-पत्र भी यथाशीघ्र समर्पित करने का निर्देश दिया। बैठक में निदेशक, राष्ट्रीय नियोजन कार्यक्रम, रांची, प्रभारी पदाधिकारी, जिला विकास शाखा, रांची, कार्यपालक अभियन्ता एनआरईपी- 1, रांची, कार्यपालक अभियन्ता, एनआरईपी-2, रांची, जिला अभियन्ता, जिला परिषद्, रांची सिविल सर्जन, राँची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं-1, राँची, विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, राँची तथा नगर निगम के प्रतिनिधि उपस्थित थे ।

◆उप विकास आयुक्त द्वारा वित्तीय वर्ष 2019-20 का डीसी विपत्र 30 दिसंबर 2022 तक जमा करना सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया।

गो तस्करी को राष्ट्रीय अपराध घोषित कर कानून बनाने की मांग की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में गौ तस्करी के बढ़ते मामले और पशु तस्करों पर पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने के मुख्यमंत्री के आदेश को लेकर रांची के सांसद संजय सेठ ने बुधवार को लोकसभा में शून्यकाल में यह मामला उठाया। श्री सेठ ने सदन में कहा कि झारखंड हमेशा से गो तस्करों के निशाने पर रहा है। इधर हाल के 3 वर्षों में यहां गो तस्करों के हौसले परवान पर हैं। इनके हौसले इस कदर बढ़े हुए हैं कि कुछ दिन पूर्व एक महिला दरोगा संध्या टोप्पो की कुचलकर हत्या कर दी गई। अभी एक सप्ताह पूर्व झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि पशु तस्करों पर अब पुलिस कार्रवाई नहीं करेगी। मुख्यमंत्री के इस बयान से इनके हौसले और भी बढ़ गए हैं। श्री सेठ ने कहा कि हम गाय को पूजते हैं, उसके पीछे सिर्फ धार्मिक आधार नहीं है बल्कि वैज्ञानिक आधार भी है। हमारी हर धार्मिक मान्यताओं के पीछे वैज्ञानिक आधार होता है। यही वजह है कि हम गाय को मां मानकर उसे पूजते हैं। दुर्भाग्य है कि तुष्टिकरण में आकंठ डूबी झारखंड की यूपीए सरकार ने गाय की तस्करी करने वालों के हौसलों को बढ़ाने का काम किया है। सांसद ने सदन को बताया कि अब झारखंड के गो तस्कर गायों को पश्चिम बंगाल और संथाल के रास्ते बंगलादेश तक भेज रहे हैं। हाल ही में प्रतिबंधित पीएफआई का भी समर्थन इन गो तस्करों को रहता है। सांसद ने सरकार से आग्रह किया कि गो तस्करी को राष्ट्रीय अपराध घोषित किया जाए और इसके लिए कठोर कानून बनाएं जाएं। यदि हमने समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए तो भगवान कृष्ण के देश में गो वंश संकट में होंगे और हमारी पीढियां हमें माफ नहीं करेंगी।

जेपीएससी द्वितीय बैच के अफसरों समेत 60 को अनुमंडल पदाधिकारी रैंक में प्रोन्नति

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने झारखंड प्रशासनिक सेवा के 60 अधिकारियों को अनुमंडल पदाधिकारी व समकक्ष रैंक में प्रोन्नति दी है। प्रोन्नति पाने वालों में जेपीएससी के द्वितीय बैच के सात अधिकारी भी हैं। जेपीएससी के दूसरे बैच की जांच सीबीआई के द्वारा की जा रही है। कार्मिक विभाग ने अपने आदेश में कहा है कि सीबीआई कोर्ट के फैसले से प्रोन्नति प्रभावित हो सकती है। जिन अफसरों को प्रोन्नति मिली है उसमें मोहन लाल मरांडी, प्रशांत कुमार लायक, हरिशंकर बारिक, शिशिर कुमार सिंह, गोपी उरांव, बैद्यनाथ उरांव, राजीव कुमार, रामगोपाल पांडेय, राजेश कुमार, मुकेश कुमार, नूपुर मालिनी भगत, छविवाला बारला, जीतराय मुर्मू, मो जहुर आलम, प्रीति सिन्हा, लेखराज नाग, नीतू कुमारी, कंचन कुमारी भुदोलिया, सुधीर कुमार, संजय कुमार, दिवाकर प्रसाद चंद्रिका प्रसाद द्विवेदी, विवेक कुमार मेहता, संतोष गुप्ता, आफताब अहमद, अरूणा कुमारी, रवींद्र कुमार गुप्ता, अशोक कुमार, विपिन कुमार दूबे, उदय रजक, विनय प्रकाश तिग्गा, रवि किशोर राम, अनिता केरकेट्टा, जोहन टुडू, श्रवण राम शामिल हैं।

फाल्गुन माह में होने वाले श्री श्याम प्रभु के लक्खी मेला में भक्तजन लेंगे भाग

108 भक्तों का एक जत्था 21 फरवरी 2023 को हवाई जहाज से राजस्थान के लिए होंगे रवाना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल के सदस्यों व श्याम प्रभु के 108 भक्तों का एक जत्था 21 फरवरी 2023 को हवाई जहाज से राजस्थान के श्री खाटू धाम के लिए प्रस्थान करेगा । फाल्गुन माह में होने वाले श्री श्याम प्रभु के लक्खी मेला में भक्तजन भाग लेंगे। फाल्गुन माह प्रारंभ होने के 2 माह पूर्व से ही भक्तों में श्री खाटूधाम जाने का चाव उमंग और उल्लास शुरू हो जाता है। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष श्री सुरेश सरावगी को श्री खाटू धाम की अनुपम यात्रा 2023 का मुख्य संयोजक राजीव रंजन मित्तल व श्री श्रवण ढानढनिया को संयोजक का दायित्व दिया गया है। यात्रा की तैयारी प्रारंभ हो गई है। सभी यात्री श्री खाटूधाम में स्थित श्री श्याम मित्र मंडल रांची के विश्राम भवन में प्रवास करेंगे। इस हेतु विश्राम भवन में आवश्यक जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। अध्यक्ष

सह यात्रा के मुख्य संयोजक सुरेश सरावगी ने बताया कि 21 फरवरी को रांची से भक्तों का दल हवाई मार्ग से प्रस्थान करेगा दिल्ली पहुंचकर आरामदायक दो एसी बसों से श्री खाटूधाम जाएंगे व मंडल के विश्राम भवन में प्रवास करेंगे । 22 फरवरी को प्रातः सभी यात्री भक्तगण एसी बसों से खाटू धाम से रींगस ग्राम पहुंचकर पवित्र निशान कीर्तन करके 17 किलोमीटर की पैदल अनुपम निशान यात्रा प्रारंभ करेंग, एवं इसी दिन देर रात सभी पूजित पवित्र ध्वजा निशान श्री खाटूधाम के श्री श्याम मंदिर श्री हनुमान मंदिर में अपनी अपनी मनोकामना के साथ अर्पित करेंगे। श्री सरावगी ने बताया कि लाखों लाख की संख्या में भक्तजन रींगस से पैदल यात्रा करके पवित्र ध्वजा निशान अर्पित करते हैं । सालोंभर यह अनवरत चलता है। लेकिन फाल्गुन का विशेष महत्व माना जाता है। निशान अर्पित करने के बाद सभी भक्त विश्राम भवन में आराम करेंगे। 23 फरवरी को विश्राम भवन के बड़े सभागार में श्याम दरबार सजा कर अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित की जाएगी राजस्थान के प्रसिद्ध पाठ वाचक तेजस राणा उर्फ तेजूजी के सानिध्य में श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ का संगीतमय पाठ एवम होली उत्सव का कार्यक्रम होगा। श्री सरावगी ने बताया कि 24 फरवरी को भक्तों का दल श्री खाटू धाम से विदा होकर राजस्थान के विभिन्न देव स्थलों तथा सालासर झुंझुनू धाम के लिए प्रस्थान कर सभी स्थानों पर पूजन दर्शन वंदन करेगा। श्री सरावगी ने बताया कि कोलकाता दिल्ली मुंबई भीलवाड़ा जयपुर आदि महानगरों से भक्तजन सिधे श्री खाटू धाम पहुंचकर इस अनुपम यात्रा अनुष्ठान के सहभागी बनेंगे। ज्ञातव्य है कि श्री खाटू धाम के लक्की मेला में देश-विदेश से 50 लाख भक्तजन भाग लेते हैं। मंडल के मंत्री श्री गौरव अग्रवाल मोनू ने उक्त सभी जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से ओरमांझी में सिंगल पिलर पर फ्लाईओवर निर्माण कराने की मांग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पूर्व सांसद राम टहल चौधरी ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 20 रांची जिला अंतर्गत लाल बहादुर शास्त्री चौक ओरमांझी में प्रस्तावित फ्लाई ओवर के नक्शे में परिवर्तन कर सिंगल पिलर पर फ्लाईओवर निर्माण कराने की मांग की है। उन्होंने इसको लेकर केंद्रीय मंत्री को पत्र भी सौंपा है। पूर्व सांसद

राम टहल चौधरी के इस मांग का सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, सांसद संजय सेठ, सांसद सुनील सोरेन, सांसद बीडी राम, सांसद सुदर्शन भगत, सांसद समीर उरांव, सांसद दीपक प्रकाश, सांसद आदित्य प्रसाद व कई सांसदों ने भी समर्थन किया है। पूर्व सांसद ने केंद्रीय मंत्री से कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 20 के लाल बहादुर शास्त्री चौक ओरमांझी में एक भी यू पी फ्लाईओवर निर्माण प्रस्तावित है। इसके दोनों तरफ दीवार से बंद किया जाना निर्धारित है। लाल बहादुर शास्त्री चौक के चारों तरफ दुकान है। कई तरह के व्यवसायिक प्रतिष्ठान हैं और करीब 150 व्यापारियों के परिवारों का भरण पोषण हो रहा है। फ्लाईओवर के दोनों तरफ दीवार होने से हजारों लोग प्रभावित हो जाएंगे। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से कहा कि जन भावनाओं को देखते हुए जनहित में प्रस्तावित फ्लाईओवर को रद्द करते हुए सिंगल पिलर का फ्लाईओवर निर्माण कराने की मांग की है और उनसे कहा कि ऐसा होने पर लोगों की रोजी-रोटी बच सकेगा।

शिक्षक पद सृजन को लेकर शिक्षक संघ ने किया प्रदर्शन

रांची। शिक्षक पद सृजन में भेदभाव को लेकर जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा बीएड प्रशिक्षित शिक्षक संघ ने बुधवार को राजभवन के समक्ष प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में बीएड प्रशिक्षित शिक्षक इसमें शामिल हुए। शिक्षकों ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपते हुए इस दिशा में कार्रवाई करने की मांग की। शिक्षकों का कहना था कि राज्य के 510 प्लस टू उच्च विद्यालयों में अध्यापन के लिए शिक्षक पद सृजन करने में शिक्षा विभाग ने भेदभाव किया है।

बैंकॉक से फुकेत तक साइकिल से यात्रा करेगा रांची का सायक्लोपीडिया ग्रुप

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सायक्लोपीडिया ग्रुप, रांची के आठ सदस्य बैंकॉक से फुकेत तक की साईकल यात्रा करेंगे। इसके लिए इस ग्रुप के सदस्य बुधवार को रांची से रवाना हुए। साईकल अभियान के लिए रांची यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर डॉ अजित सिन्हा ने उन्हें झंडी दिखा कर रवाना किया। इसे लेकर सायक्लोपीडिया ग्रुप द्वारा मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका, रांची में आज सुबह 7 बजे फ्लैग ऑफ सेरेमनी का आयोजन किया गया। इसमें फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के

अध्यक्ष किशोर मंत्री, जेसीआइ के अध्यक्ष अरविंद राजगढ़िया, यंग इंडिया के हर्ष पसारी, निखिल अग्रवाल, बीएनआइ के ईडी अंकित जैन और रांची एडवेंचर व्हीलर्स के आशीष बुधिया भी शामिल थे। सायक्लोपीडिया ग्रुप, रांची के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि यह ग्रुप 17 दिसंबर से 25 दिसंबर तक आठ दिनों में 750 किमी से अधिक की दूरी तय करेगा। इस ग्रुप में गौतम शाही, चंद्रशेखर किंगर, अंकुर चौधरी, सौरव माहेश्वरी, अनिल अग्रवाल, आशीष कुमार, विकास सिन्हा और कनिष्क पोद्दार शामिल हैं। ग्रुप द्वारा इस अभियान के लिए एक विशेष जर्सी भी बनायी गयी है, जिसमें नीला रंग समुद्र को दशार्ता है और हरा रंग हरियाली को दशार्ता है। अभियान की शुरूआत पहले दिन हुआ हिन से प्राचुअप खीरी खान तक 96 किलोमीटर की यात्रा से होगी।

मारवाड़ी कॉलेज में तीन दिवसीय अंतर कक्षा युवा महोत्सव इंद्रधनुष की शुरूआत

इंद्रधनुष में प्रतिभागियों ने प्रतिभा की छटा बिखेरी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मारवाड़ी कॉलेज, रांची में तीन दिवसीय अंतर कक्षा युवा महोत्सव इंद्रधनुष की शुरूआत बुधवार को हुई। इसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा की इंद्रधनुषी छटा बिखेरी। प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि युवा महोत्सव छात्र-छात्राओं की छिपी हुई प्रतिभा को मंच प्रदान करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। मौके पर विद्यार्थियों का उत्साहवर्द्धन करने के लिए कॉलेज के डीएसडब्ल्यू सह प्रॉक्टर डॉ वृंदावन महतो व प्रोफेसर इंचार्ज डॉ आरआर शर्मा

मौजूद थे। युवा महोत्सव में पहले दिन 15 प्रतियोगिताएं हुईं, इसमें 193 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने लिटरेरी इवेंट के तहत क्विज, वाद-विवाद और वाग्मिता में अपनी हाजिरजवाबी का लोहा मनवाया। वाद विवाद प्रतियोगिता का विषय ऑनलाइन शिक्षाः लाभ और नुकसान था। प्रतिभागियों ने इसके पक्ष और विपक्ष में अपने तर्क दिए। वहीं, थिएटर इवेंट में माइम, स्किट, मिमिक्री और एकांकी में प्रतिभागियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। फाइन आर्ट्स में पोस्टर निर्माण, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, कार्टूनिंग, रंगोली, मेहंदी, क्ले मॉडलिंग व स्पॉट फोटोग्राफी आदि प्रतियोगिताएं हुईं।

विशेषज्ञों की निर्णायक मंडली थी : विजेताओं का चयन करने के लिए विभिन्न क्षेत्र के विशेषज्ञों की निर्णायक मंडली थी। महोत्सव का संचालन डॉ अशोक कुमार महतो, डॉ खातिर हेमरोम, जुरा होरो, अमित कुमार, राहुल कुमार, डॉ एस आइच, डॉ सुशील अंकन, डॉ सुनिति नायक, डॉ सीमा चौधरी, डॉ तनुश्री, डॉ बसंती रेणु, जय प्रकाश रजक, डॉ राजन कुमार, डॉ पुष्पा बा, डॉ जीतू लाल, डॉ लता कुमारी, डॉ अरविंद आनंद और डॉ अनुपमा की देखरेख में किया गया।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया गया

रांची । ऊर्जा के विभिन्न रूपों को संरक्षित करने के उद्देश्य से बुधवार को देश भर में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया गया । इस सिलसिले में रांची में भी विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मौके पर रांची के डोरंडा स्थित क्रेड़ा भवन में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह की शुरूआत की गई। क्रेडा के प्रोजेक्ट डायरेक्टर विजय कुमार सिन्हा ने कहा की झारखंड समेत देशभर में ऊर्जा के सभी स्त्रोतों को बचाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता के अनुरूप बिजली पेट्रोलियम और अन्य स्त्रोतों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की बड़ी आबादी गांवों में रहती है इसलिए शहरी इलाकों के साथ ग्रामीणों को भी ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होने की जरूरत है।

अपनी मांगों को लेकर रसोईया, संयोजिका व अध्यक्ष संघ ने मंत्री से की मुलाकता

रसोईया संघ को मंत्री जगरनाथ महतो ने किया आश्वस्त कहा-बनेगी नियमावली, 60 वर्षों का होगा कार्यकाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोईया, संयोजिका, अध्यक्ष संघ ने बुधवार को शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो से भेंट की। संघ के प्रदेश अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने मंत्री से भेंट के बाद संतुष्टि जतायी। कहा कि सरकार से कई मांगों पर सार्थक आश्वासन मिला है। राज्य के रसोईया संघ के लिए नियमावली बनेगी। सेवा का कार्यकाल भी अब 60 वर्षों तक होगा। 10 माह के बजाय अब रसोइयों को 12 माह का मानदेय मिलेगा। उम्मीद है कि आंगनबाड़ी कर्मियों से बेहतर मानदेय सरकार देगी। वर्ष में दो बार कपड़े दिये

जायेंगे। दुर्घटना जैसी स्थिति में कल्याण कोष गठित कर उन्हें उचित मुआवजा और ईलाज की सुविधा मुहैया करायी जायेगी। मंत्री से मिलनेवालों में संघ के महासचिव प्रेमनाथ विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष देवकी देवी, कमिटी सदस्य आभा दत्ता समेत अन्य भी शामिल थीं।

यह थी मांग : अजीत प्रजापति के मुताबिक रसोइया संघ लगातार अपनी मांगों को लेकर पूर्व में आंदोलनरत रहा है। स्कूलों में रसोई सुविधा देनेवालों को महीने में मात्र 2 हजार रुपये ही मिलते हैं। सरकार से आग्रह है कि रसोईया संयोजिकाओं को स्थायी करते न्यूनतम वेतन की व्यवस्था हो। राज्य भर में जिन रसोईया, संयोजिकाओं को हटाया गया है, उन्हें वापस रखा जाना चाहिए। सभी रसोईया संयोजिका अध्यक्ष को 5 लाख तक के बीमा की सुविधा मिले। राज्य सरकार ने आज उनकी कई अहम मांगों पर सहमति जतायी है। कुछ मांगों के संबंध में मंत्री जगरनाथ महतो ने सीएम से चर्चा करने की बात कही है।

बाबूलाल की याचिका पर बहस जारी, अब 22 को होगी सुनवाई

रांची। दलबदल मामले में स्पीकर के फैसला सुरक्षित रखने के खिलाफ दायर बाबूलाल मरांडी की याचिका पर अब 22 दिसंबर को सुनवाई होगी। बुधवार को शिकायतकर्ता कांग्रेस विधायक दीपिका पांडेय सिंह की ओर से दलील पूरी कर ली गयी। अब इन दलीलों का बाबूलाल की ओर से जवाब दिया जाएगा। पिछली सुनवाई में झारखंड विधानसभा की ओर से सुप्रीम कोर्ट व अन्य हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा गया था कि स्पीकर के न्यायाधिकरण में जब तक कोई आदेश बाबूलाल के मामले में न हो जाए तब तक झारखंड हाईकोर्ट इस रिट को नहीं सुन सकता है। यह याचिका सुनवाई नहीं है।

बीच सड़क पर कॉलेज की लड़की के साथ हाथापाई, पब्लिक ने आरोपी को धुना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची के कचहरी चौक के पास कॉलेज की छात्रा के साथ हाथापाई कर रहे एक युवक की स्थानीय लोगों ने जमकर पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया , जानकारी के अनुसार युवक और छात्रा दोनों एक ही कॉलेज में पढ़ाई करते हैं, दोनों का किसी बात को लेकर विवाद हो गया था जिसके बाद बीच सड़क ही युवक ने छात्रा की पिटाई कर दी।

क्या है मामला : मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह कोतवाली थाना क्षेत्र के कचहरी चौक के पास एक युवक और एक कॉलेज की छात्रा एक दूसरे से बात कर रहे थे इसी दौरान युवक ने छात्रा की पिटाई करनी शुरू कर दी ,गई और उसे अपने कार में जबरदस्ती बैठाने की कोशिश की , छात्रा के शोर मचाने पर स्थानीय दुकानदार और सड़क से गुजर रहे लोग मौके पर पहुंच गए और युवक की जमकर धुनाई कर दी। तुरंत मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को भी दी गई। वही मौका देख कर युवक का एक दोस्त जो कार में बैठा हुआ था वह कार लेकर फरार हो गया।

पीसीआर ले गई अपने साथ थाने

मौके पर पहुंची पीसीआर की टीम ने युवक को अपने कब्जे में लिया और उसे लेकर अपने साथ थाने ले आई, जिस छात्रा के साथ मारपीट की गई थी वह भी पीछे-पीछे थाने आई लेकिन बिना कोई मामला दर्ज कराएं यह कहकर कि आज उसका एग्जाम है वह कॉलेज चली गई। पुलिस अब छात्रा के आने का इंतजार कर रही है ताकि वास्तविक स्थिति की जानकारी हासिल हो सके। वहीं दूसरी तरफ पूछताछ में आरोपी युवक ने बताया है कि छात्रा उसकी दोस्त है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है।

न्यूज गैलरी

परिभ्रमण के लिए महिला कॉलेज की छात्राएं पहुची पेशरार, थानेदार ने किया मार्गदर्शन

लोहरदगा। मधुसूदन लाल अग्रवाल महिला महाविद्यालय लोहरदगा की छात्राओं को शैक्षणिक परिभ्रमण के दौरान पेशरार थाना प्रभारी अख्तर अली और पेशरार के प्रखंड विकास अधिकारी रमेश कुमार यादव ने अच्छा व्यक्तित्व और कैरियर बनाने के लिए मार्गदर्शन किया। प्रिंसिपल प्रो स्नेह कुमार के नेतृत्व में कॉलेज के शिक्षक शिक्षकेतर कर्मी छात्राओं को लेकर शैक्षणिक परिभ्रमण पर पेशरार प्रखंड पहुंचे थे। साइंस और आर्ट फैकल्टी की छात्राएं पेशरार प्रखंड की वादियों के परिभ्रमण के साथ-साथ यहां हुए विकास और पर्यटन के क्षेत्र की संभावनाओं से अवगत हुई।कॉलेज के शिक्षक ब्रजकिशोर बड़ाईक, लाल एसकेएन शाहदेव, गीता कुमारी, शशि कुमारी, रूबी कुमारी मौके पर मौजूद थे।

खाना बनाने के दौरान आग से झुलसी महिला, इलाज के दौरान मौत

ठेठईटांगर। ठेठईटांगर थाना क्षेत्र अंतर्गत लतापानी गांव में मंगलवार की देर रात खाना बनाने के दौरान आग में झुलस कर महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को देर रात इलाज के लिए सदर अस्पताल सिमडेगा लाया गया। जहां पर बुधवार की सुबह इलाज के दौरान उक्त महिला की मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान एलना केरकेट्टा के रूप में की गई मृतिका के पति ललित केरकेट्टा ने बताया कि उसकी पत्नी खाना बना रही थी इसी दौरान अचानक आग उसके साड़ी में पकड़ लिया उसके बाद वह भागने लगी जब तक आग बुझाने का प्रयास किया गया तब तक उसका शरीर का अधिकांश हिस्सा जल गया था ।इधर सदर अस्पताल लाने के बाद उसकी इलाज चल रही थी जहां पर इलाज के दौरान बुधवार को उसकी मौत हो गई।वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस सदर अस्पताल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया एवं पोस्टमार्टम करते हुए शव परिजनों को सौंप दिया।

केरसई में किसानों के बीच चना और सरसों का वितरण

केरसई। प्रखंड तकनीकी सूचना केंद्र आत्मा केरसई में चना एवं सरसों बीज का वितरण किया गया ।प्रखंड तकनीकी प्रबंधक प्रताप कुमार ने बताया कि 2 क्विंटल 14 किलोग्राम सरसों का बीज एवं 1 क्विंटल 67 किलोग्राम चना का बीज सभी सातो पंचायत के कृषकों के बीच वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि सभी बीज उन्नत किस्म के हैं। किसान को फसल की उपज अधिक एवं ठोस होगी सभी किसानों का रजिस्ट्रेशन के माध्यम से बीज वितरण किया गया है एवं प्रखंड क्षेत्र के छूटे हुए किसान अपना रजिस्ट्रेशन जल्द से जल्द कराने की अपील की गई है। जिससे उन्हें भी विभिन्न प्रकार के उन्नत किस्म के बीज लेने का मौका मिलेगा ।मौके पर प्रखंड सांसद प्रतिनिधि रवि गुप्ता ने प्रखंड क्षेत्र के किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि रजिस्ट्रेशन कराने के लिए लगने वाले कागजातों एवं रजिस्ट्रेशन के बाद किसानों को मिलने वाले लाभ के बारे विस्तृत जानकारी उन्होंने दिया ।बीज वितरण में ब्लॉक एग्रीकल्चर ऑफिसर गलेक्शन बरला एटीएम पूर्वी मिंज, प्रभाकर कश्यप एवं सभी कृषक मित्र उपस्थित थे।

तीन दिवसीय युवा महोत्सव आयोजित

धनबाद । धनबाद में बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी द्वारा तीन दिवसीय युवा महोत्सव का आयोजन धनबाद के लक्ष्मी नारायण महिला विश्वविद्यालय में किया गया। आयोजन के पहले दिन कुलपति डॉ सुखदेव भोई ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में विनोद विनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी अंतर्गत 8 कॉलेज के सैकड़ों छात्र छात्राओं के द्वारा विभिन्न तरह की कला संस्कृति एवं झांकियां निकाली गई और छात्राओं ने इसमे बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमें झारखंड के संस्कृति से जुड़ी और सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष झांकी निकाली गई। वही छात्राओं द्वारा परंपरागत वेशभूषा में नृत्य प्रस्तुत किया गया। बात दें कि यह महोत्सव 14 से 16 दिसंबर तक चलेगा। जिसमे 8 कॉलेज के छात्र छात्रा भाग लेंगे। साथ ही जिन छात्रों के अंदर भारतीय संस्कृति की छवि छुपी है उसे वो मंच पर उतारेंगे।

भारत जोड़ो यात्रा कार्यक्रम में हाथापाई

जामताड़ा । जामताड़ा में बुधवार को कांग्रेस पार्टी द्वारा भारत जोड़ो यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया । यात्रा में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित अन्य नेताओं ने शिरकत की। शहर का भ्रमण करते हुए पार्टी के कार्यकर्ता यज्ञ मैदान में पहुंचे जहां पर रैली सभा में तब्दील हो गई । सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरे देश में भारत जोड़ो कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को एकजुट रहने का प्रयास कर रही है । इस दौरान सभा स्थल पर जिला अध्यक्ष हरिमोहन मिश्र एवं विधायक इरफान अंसारी के समर्थकों के बीच हाथापाई हुई जिसमें कई कार्यकताओं को हल्की चोटें भी आई है। पुलिस के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ। बाद में प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान हल्की फुल्की विवाद होती रहती है। इस पर हमें ध्यान देने की जरूरत नहीं है ।

हड़बोरी पुस जतरा के दौरान आदिवासी परंपरा का किया गया निर्वहन

जनभागिदारी से गांव की व्यवस्था मजबूत होगी: जयंत

नवीन मेल संवाददाता

लापुंग। लापुंग प्रखंड के प्रसिद्ध सापुकेरा दुगडुगिया टोंगरी में हड़बोरी पुस जतरा के दौरान आदिवासियों की परम्परा और संस्कृति जीवंत हो उठी। सापुकेरा के लेन्दा पहान और सिंघा मुंडा ने जतरा खूंटा पर लाल रंग के मुर्गे की बलि और हड़िया का तपावन देकर पारंपरिक रीति रिवाज के साथ पूजा अर्चना कर जतरा का शुभारंभ किया गया । जतरा कार्यक्रम के दौरान धनिया बरला ने अगुवाई करते हुए चटकपुर, गटेयाटोली तथा पुतरीटोली के खोड़हा नृत्य दलों का स्वागत किया। ढोल नगाड़ा और गाजा बाजा तथा झंडा के साथ पारंपरिक वेशभूषा में खोड़हा नृत्य दल नाचते गाते झूमते दुगडुगिया टोंगरी सापुकेरा पहुंची। यहां आदिवासियों ने नगाड़ों की थाप पर अद्भुत नृत्य और संगीत से लोगों को बांधे रखा। इसके पूर्व आदिवासियों ने अपने पुरखों को याद किया और अपनी संस्कृति और रीति रिवाज को बचाए रखने का संकल्प लिया। इस दौरान एक साल के अंदर आदिवासी परिवार में मृत लोगों

की अस्थि को चुनकर कलश में रखा और चार अलग अलग गांवो की कुंडी में विसर्जित किया। मौके पर पारंपरिक रूप से पुरखों के नाम पर पानी भी दिया गया। आदिवासियों की अद्भुत परंपरा का निर्वहन किया गया। इस मौके पर गांव के महतो परिवार के सदस्य तथा कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जयंत बरला ने कहा कि जतरा हमारी सांस्कृतिक धरोहर है इसे बचाए रखने के लिए आदिवासियों और मूल वासियों को एकजुट होकर रखना होगा। गांव में जब सभी मिलजुल कर रहेंगे तब गांव की व्यवस्था मजबूत होगी। कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रतिनिधि सुदामा महली ने लोगों को शुभकामनाएं दी और कहा कि जितनी मदद होगी हम लोग मिलकर जरूर करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में चमरु पाहन, पुजार फगुआ मुंडा, तोता मुंडा, लालु मुंडा, सुना उरांव, जयराम मुंडा, बिखलु मुंडा, पास्कल मुंडा गटेया टोली के पाहन जेना मुंडा उर्फ डोम्बा मुंडा, मंगु मुंडा, रिझा मुंडा, सोमा मुंडा, रोम्बा मुंडा, ममता बरला, चटकपुर के टीम लीडर बलारी मुंडा, पाहन जीतु मुंडा, बलि मुंडा सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान डुगडुगिया टोंगरी में जतरा के दौरान ईख, मिठाईयां और खिलौने आकर्षण का केंद्र रहे।

चाईबासा में प्रमंडलीय आयुक्त ने की समीक्षा बैठक आयोजित

चाईबासा । प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय के सभागार में प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार की अध्यक्षता में खासमहाल भूमि के लीज नवीकरण, लीज शर्तो का उल्लंघन, लीज पट्टा अंतराल एवं लंबित मामलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रुप से अपर उपायुक्त पश्चिम सिंहभूम, अपर उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम, खासमहाल पदाधिकारी चक्रधरपुर, सदर चाईबासा, जगन्नाथपुर, धालभूम जमशेदपुर, अंचलाधिकारी सदर चाईबासा, झिंकपानी, जगन्नाथपुर, नोआमुंडी, जमशेदपुर हाटग्मरिया, राजस्व उपनिरीक्षक हाटग्मरिया, सदर चाईबासा सहित अन्य पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहें। बैठक में प्रमंडलीय आयुक्त के द्वारा पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नियमानुसार खासमहाल भूमि में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें किसी भी हाल में सरकारी राजस्व की हानि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में खासमहाल भूमि का सर्वे कराकर लीज धारियों का डाटाबेस बनाने हेतु निर्देशित किया गया। अतिक्रमित खासमहाल भूमि के संबंध में सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। लीज नवीकरण हेतु लंबित मामलों को यथाशीघ्र निष्पादित करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया।

एथलेटिक्स संघ ने पच्चीस टीबी रोगियों को गोद लिया

पाकुड़ । प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में पाकुड के व्यवसायी , राजनीतिज्ञ के बाद खेल संघ भी सहयोग के लिए आगे आ रहे हैं। प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान - टीबी हारेगा भारत जीतेगा के संकल्प को पूरा करने के लिए पाकुड़ जिला एथलेटिक्स संघ ने पच्चीस टीबी रोगियों को गोद लिया ।गोद लिए गए टीवी रोगियों के बीच जिला स्तरीय स्टेडियम में पोषाहार का वितरण एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष अम्लान कुसुम सिन्हा एवं प्रतिनिधियों ने किया।

16 दिसंबर से होगा क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन, तैयारियां अंतिम चरण

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में कंबाइंड क्रिश्चियन यूथ एसोसिएशन एवं ऑल चर्चेस एस एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित होने वाले क्रिसमस गैदरिंग को लेकर तैयारी अंतिम चरण पर है। बुधवार को तैयारियों का जायजा लेने के लिए समिति के पदाधिकारियों के द्वारा वहां पहुंचकर बन रहे हैं मंच, दुकान ,अतिथियों के लिए बैठने की जगह ,लाइट, विधि व्यवस्था ,पार्किंग आदि चीजों को लेकर जानकारी हासिल की ।समिति के सदस्य शिशिर मिंज ने बताया कि यहां पर तीन दिवसीय 16 दिसंबर से यहां पर क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन होगा ।जहां पर मेला का भी आयोजन किया गया है ।मेला में खेल तमाशे दुकान एवं ट्रेडिशनल खाने एवं कपड़े आदि चीजों की दुकानें लगेगी ।बताया कि 18 दिसंबर को इसकी समापन के मौके पर झारखंड

के मशहूर कलाकारों के गीतों पर रात भर लोग इस का आनंद उठाएंगे। उन्होंने जिले के तमाम लोगों से अपील करते हुए कहा है कि इस आयोजन में सभी लोग शामिल हो और इस क्रिसमस ग्यादरिंग को सफल बनाएं।

चाईबासा जिलास्तरीय टूर्नामेंट का शुभारंभ

जोनल स्तर पर भाग लेंगे विजेता टीम

नवीन मेल संवाददाता

चाईबासा । पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय शहर चाईबासा स्थित सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन ग्राउंड के प्रांगण में मुख्य अतिथि दीपक मंडल (राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी व अर्जुन अवार्ड से सम्मानित), जिला भू अर्जन पदाधिकारी एजाज अनवर, सदर चाईबासा- प्रखंड विकास पदाधिकारी, पारुल सिंह, कार्यपालक दंडाधिकारी-सदर चाईबासा राम नारायण खलको, जिला खेल पदाधिकारी राजेश कुमार चौधरी की मौजूदगी में खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय- झारखंड के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता-2022/23(बालक-बालिका वर्ग) के तहत जिलास्तरीय

टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। जिसमें उपस्थित आगंतुकों के स्वागत उपरांत दीप प्रज्वलन पश्चात फुटबॉल में किक मार कर टूर्नामेंट अंतर्गत मैच प्रारंभ किया गया। दो दिवसीय प्रतियोगिता के तहत आज 18 प्रखंड से आए पंचायत की बालिका वर्ग की टीमों के मैचों का आयोजन किया जा रहा है, आगामी दिवस को संलग्न दोनों मैदानों में बालक वर्ग के मैच का आयोजन किया जाएगा। उक्त प्रतियोगिता के तहत चाईबासा स्थित पुलिस लाइन के मैदान में भी टूर्नामेंट के अन्य मैचों का आयोजन किया जा रहा है। टूर्नामेंट के अंतर्गत जिले के 18 प्रखंड स्तर पर विजेता पंचायत की टीमों द्वारा दावेदारी प्रस्तुत की जा रही है। मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता पंचायत स्तर तत्पश्चात प्रखंड स्तर पर आयोजित होने के उपरांत जिला स्तर पर आयोजित की जा रही है। जिला स्तर की विजेता टीमें आगे इस टूर्नामेंट में जोनल स्तर के प्रतियोगिता में भाग लेगी। उपस्थित आगंतुकों के द्वारा प्रतियोगिता में उपस्थित सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया गया तथा संचालित प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने हेतु शुभकामनाएं दी गई।

भूतपूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट का 16 दिसंबर को निकालेगा विजय जुलूस

भारतीय सेना के वीरता को याद करने का दिन है विजय दिवस : डॉ टी साहू

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। भूतपूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट के संरक्षक, आर्मी रिटायर्ड सह समाजसेवी डॉ टी साहू ने कहा कि 16 दिसंबर 1971 का दिन भारतीय सेनाओं की वीरता को याद करने का दिन है। इस दिन भारतीय सेना ने पाकिस्तान सेना को धूल चटाया था और विजय का पताका लहराया था। इस दिन को पूरा देश गर्व से विजय दिवस के रूप में मनाती है। इस क्रम में लोहरदगा जिले के भूतपूर्व सैनिक संगठन द्वारा भी विजय दिवस मनाने की पूरी तैयारी कर ली गई है। विजय दिवस के अवसर पर लोहरदगा शहरी क्षेत्र के विभिन्न चौक चौराहों में स्थापित शूरवीरों के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। इसकी शुरूआत स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण

कर किया जाएगा। इसके बाद मोटरसाइकिल जुलूस के साथ पूर्व सैनिक शहर के विभिन्न चौक चौराहे का परिभ्रमण करते हुए समाहरणालय मैदान पहुचेंगे जहां सैनिकों के सम्मान में सभा का आयोजन किया जाएगा। वही सभा में विजय दिवस के बारे में लोगों को जानकारी दिया जाएगा। सभा के अंत में शहीदों के सम्मान में उनकी आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा जाएगा। वही भूतपूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट के जिलाध्यक्ष धर्मराज महतो ने भूतपूर्व सैनिकों से अपील की है कि वे 16 दिसंबर 1971 के विजय दिवस के शुभ अवसर पर सुबह 9:00 बजे शामिल होकर विजय जुलूस का शोभा बढ़ाएं और 1971 की लड़ाई की विजय को याद करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों के प्रतिमा पर माला अर्पण करें। शंख नदी बिरसा मुंडा को माला अर्पित करने के बाद कचहरी रोड होते हुए पावर गंज सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माला अर्पण होगा। उसके बाद महावीर चौक में महात्मा गांधी, बीआईडी में स्वतंत्रता सेनानी छेदीलाल जी, नदिया में वीर बुधु भगत की प्रतिमा पर माला अर्पित किया जाएगा।

युथ सेंट्रल अंजुमन सिमडेगा की चुनाव संपन्न, सलमान बने सदर

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सेंट्रल अंजुमन इस्लामिया के तत्वधान में युथ सेंट्रल अंजुमन इस्लामिया सिमडेगा की चुनावी प्रक्रिया मंगलवार की शाम संपन्न हुई। जहां पर चुनाव प्रक्रिया के दौरान सर्व समिति से यूथ अंजुमन के पदाधिकारियों का चयन किया गया। इस दौरान सदर पद पर मो सलमान आरिफ,नायब सदर,मो अनस,सेक्रटरी मो आकिब,जॉइंट सेक्रेटरी मो जमील अंसारी तथा खजांची अरशद अयूब को बनाया गया। इस अवसर पर सेंट्रल अंजुमन के सदर मो ग्यास ने कहा कि यूथ अंजुमन के गठन हो जाने से अंजुमन को मजबूती मिलेगी यूथ सेंट्रल अंजुमन के साथ मिलकर अंजुमन सामाजिक,तालीमी तथा अन्य कार्यों मे दुगने ऊर्जा के साथ काम करेगी । उन्होंने कहा कि यूथ

सेंट्रल अंजुमन के सभी पदाधिकारी को पूरी निष्ठा तथा ईमानदारी के साथ समाज के लोगों को हर क्षेत्र में विकसित करने का प्रयास करना होगा। इन सभी ओहदेदारों को मो समी आलम, मो साजिद ,हाजी जावेद, मौलाना मिन्हाज ,जफर खान, मो नौशाद ,अयूब अंसारी, तनवीर खान, मो इफ्तखार, मास्टर अली इमाम, मास्टर साजिद,मास्टर अबरार आदि ने बधाई दी।इस अवसर पर यूथ अंजुमन के सभी सदस्य मौजूद थे।

एक दिवसीय रोजगार सृजन मेला का होगा आयोजन

धनबाद । जिले के बेरोजगार एवं शिक्षित युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने, बेरोजगार युवाओं को बेहतर भविष्य प्रदान करने, गरीब बेरोजगार युवाओं को रोजगार से जोड़ने तथा उनको समाज में पहचान एवं मान सम्मान दिलाने के उद्देश्य से झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) द्वारा एक दिवसीय रोजगार सृजन मेला सह मोबिलाइजेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए जेएसएलपीएस की जिला कार्यक्रम प्रबंधक रीटा सिंह ने बताया कि दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू - जीकेवाई) के अंतर्गत इस एक दिवसीय रोजगार सृजन मेला सह मोबिलाइजेशन कैंप का आयोजन १७ दिसंबर २०२२ को न्यू टाउन हॉल में दिन के ११ बजे से किया जाएगा।

टंडवा में अवैध कोयला जब्त, तस्करों में मचा हड़कंप

टंडवा (चतरा)। टंडवा थाना क्षेत्र में संचालित मगध कोल परियोजना के उपकापानी से तस्करों द्वारा किए गए अवैध कोयले के भंडारण को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जब्त कर लिया है। कोयले की मात्रा लगभग पचास टन बताई जा रही है। इस बावत मगध परियोजना के सुरक्षा अधिकारी धर्मनाथ सिंह ने स्थानीय थाना में अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज कराने की बात कही है। वहीं पुलिस तमाम कागजी प्रक्रिया पूरी कर जब्त कोयला सीसीएल प्रबंधन को सुपुर्द कर दिया। सूत्रों की माने तो उक्त कोयला ईंट भट्ठा में उपयोग के उद्देश्य से माफियाओं द्वारा छिपाकर रखा गया था। वहीं समय शेष रहते पुलिस इंस्पेक्टर विजय कुमार सिंह के निर्देश पर सराढू पुलिस पिकेट प्रभारी राजेश राम के नेतृत्व में की गई उक्त कारवाई से तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है।

प्रमुख व उपप्रमुख सहित पंचायत समितियों ने बीडीओ पर मनमानी का लगाया आरोप, बोले

पंस की बैठक बुलाकर बीडीओ रहीं अनुपस्थित

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ/बारियातु। प्रखंड प्रमुख उर्मिला देवी, उप प्रमुख निशा शाहदेव व सभी पंचायत समितियों ने बीडीओ सह सीओ दीपाली भगत पर मनमानी करने का लगाया आरोप है। इस संबंध में प्रमुख देवी ने बताई की मंगलवार को संध्या बेला में पंचायत प्रतिनिधियों के बने ग्रुप में धान क्रय व विकास योजनाओं को लेकर बुधवार को 11 बजे बीडीओ सह सीओ भगत के द्वारा बैठक बुलाई गई थी। जिसमें सभी पंचायत समिति सदस्य व मुखिया गण सुबह ग्यारह बजे से दोपहर तीन बजे तक प्रखंड कार्यालय के सभागार में बैठे रहे। पर बैठक में बीडीओ सह सीओ दीपाली भगत नदारत रही जिस कारण बैठक नहीं हुई और बेगैर सुचना के बीडीओ सह सीओ भगत लातेहार निकल गए। ऐसा यह

पहला घटना नहीं है 9 जुलाई 2022 को जबसे यह प्रभार लिए हैं। कई बार ऐसी घटना हो चुकी है। प्रमुख ने यह भी बताई कि प्रखंड के सभी पंचायत प्रतिनिधियों का मान सम्मान नहीं करती। वहीं उप प्रमुख निशा शाहदेव ने कहा कि बीडीओ सह सीओ भगत व प्रखंड कर्मियों कि लापरवाही के कारण पुरे प्रखंड में एक भी नए योजना संचालित नहीं किया गया है जिस कारण सैकड़ों मजदूर रोजगार के लिए पलायन कर गए। आगे बताई की फुलसु निवासी किसान सरजु प्रजापति पिता काली प्रजापति ग्राम हिसरी जो पुराना खाता उनके मॉ नगिया कुमहार के नाम से खाता संख्या 102 प्लौट संख्या 786 रक्बा 1.3 एकड़ हाल सर्वे के आधार पर उक्त जमीन ननकु कुमहार व मंगर कुमहार के नाम पर आ गया है। जिसका नया खाता 12 प्लौट संख्या 1262, 1265, 1266, 1276रक्बा 1.14 एकड़ को बीना जांच किए ननकु कुमहार व मंगर कुमहार के आवेदन के आधार पर अंचल अमीन द्वारा मापी कराया जा रहा था। जिसमें दो गुट में विवाद हो गया। जबकि सरजू प्रजापति द्वारा पुर्व में आवेदन दे कर जमीन का शुद्धि करण कराने को लेकर आवेदन दिया गया था। किसान के आवेदन को ताक पर रख कर कार्य किया जा रहा है। बीडीओ सह सीओ भगत इस तरह के कार्य कर के पुरे अंचल क्षेत्र में आपसी विवाद उत्पन्न करवा रही है।

क्या कहते है बीडीओ

इस संबंध में बीडीओ सह सीओ से पुछे जाने पर बताई की जिला में बैठक हो जाने के कारण अचानक लातेहार निकल गए। आगे बताई की नया सर्वे के आधार पर जमीन की मापी की जा रही थी जो रैय्यतों द्वारा रोक दिया गया। सभी पंचायत समितियों ने उपायुक्त से बीडीओ सह सीओ भगत को हटाने का मांग किया है।

खिजरी पांडेटोली में बन रहे पीसीसी निर्माण कार्य में अनियमितता, सुधार के दिए निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा के वार्ड नंबर 10 खिजरी पांडेटोली में लगभग 58 लाख की लागत से पीसीसी पथ निर्माण एवं गार्डवाल निर्माण में संवेदक चंदा देवी द्वारा भारी अनियमिता की जा रही थी। जिसके विरूद्ध इंटक प्रदेश सचिव दिलीप तिर्की ने नगर परिषद से जाँच कर कार्यवाही की मांग की थी। जिसपर जाँच में ढलाई और गलत मटेरियल का इस्तेमाल पाया गया,पश्चात संवेदक को पीसीसी तोड़कर कुछ हिस्से को पुनर्निर्माण का आदेश दिया गया है। और ऐसा नही करने पर संवेदक को कालीसूची में डालते हुए अन्य लाइन डिपार्टमेंट को सूचित करने का निर्देश दिया गया है। साथ दिलीप ने यह भी बताया की इस जाँच में और भी बिंदु हैं जिसपर डीपीआर के अनुरूप जाँच नही हुई। जैसे की 1

नंबर ईंट की जगह 2 नंबर ईंट के साथ साथ टुकड़े ईंटों से सोलिंग कर ढलाई की गई है। जिसके लिए अनुमंडल पदाधिकारी सह कार्यपालक अधिकारी नगर परिषद महेंद्र कुमार जी से बात करने पर उन्होंने कहा है कि बाकी बिंदुओं पर भी जाँच कर कार्यवाही करने का अश्वासन दिया है। दिलीप ने यह भी कहा की नगर परिषद में कई ऐसे काम हैं जिसपर इंजिनियर की लापरवाही और जानबूझकर अनदेखी के कारण कामों में अनियमिता हो रही है। जिसपर अंकुश लगाना जरूरी है। अन्यथा ऐसे सवेंदक मनमानी कर पैसे का दुरूपयोग करते रहेंगे और जनता को कोई लाभ नही होगा।

न्यूज गैलरी

बरही की बेटी वर्षा ने झारखंड क्रिकेट अंडर 15 में बनायीी जगह, लोगों ने दी बधाई

बरही। पूर्वी पंचायत विरेंद्र चंद्रवंशी की बेटी वर्षा कुमारी का झारखंड क्रिकेट अंडर 15 में चयन हुआ है। यह पहला मौका है जब बरही की बेटी ने क्रिकेट के राज्यस्तरीय टीम में अपनी जगह बनाई है। यह पिछले कई वर्षो से बीएसए के संरक्षक अब्दुल मन्नान वारसी और कोच संतोष कुमार की निगरानी में क्रिकेट का प्रशिक्षण ले रही थी। इसके चयन ने यह साबित कर दिया कि लक्ष्य निर्धारित कर किया गया मेहनत कभी जाया नहीं जाता है। इसकी इस सफलता पर बीएसए के अधिकारी, खिलाड़ी सहित बरही के लोगो ने शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी है।

पत्रकार की मातृ शोक

रामगढ़। एक दैनिक अखबार के पत्रकार तरूण बागी की 75 वर्षीय माता निरूपमा बनर्जी का मंगलवार को रांची में इलाज के क्रम में देहांत हो गया। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को शहर के दामोदर नदी घाट पर किया गया। अंतिम संस्कार कई गणमान्य लोग हुए शामिल। निरूपमा बनर्जी के देहांत पर पत्रकारों सहित कई समाज सेवियों ने शोक व्यक्त किया है।

बुलेट की हुई चोरी, मामला दर्ज

बरही। बीते रात्रि पटना रोड ओवर ब्रिज के पास स्थित शैलेंद्र भगत के घर से बिक्की कुमार भगत का बुलेट मोटरसाइकिल खल02अऊ4570 की चोरी हो गई है। संबंधित मामले को लेकर भुक्तभोगी नहीं बड़ी थाना में आवेदन देकर मोटरसाइकिल की बरामदगी की गुहार लगाई है। मिली जानकारी के अनुसार प्रतिदिन की तरह रात्रि में बुलेट घर के बरामदे में लगाया गया था, जिसे अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया।

मुखिया ने स्कूली बच्चों के बीच किया पोशाक वितरण

बरकट्ठा। प्रखंड के मध्य विद्यालय बरकट्ठा में प्रथम और द्वितीय कक्षा के कुल 87 बच्चों के बीच पोशाक का वितरण किया गया। बरकट्ठा उतरी मुखिया प्रमीला देवी ने बच्चों को दो सेट पोशाक, स्वेटर, जूता, मोजा वितरण करते हुए कहा कि सरकार शिक्षा के प्रति हर उचित प्रयास कर रही है। उन्होंने बच्चों को नियमित पोशाक में ही स्कूल आने की सलाह दी एवं अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों को नियमित स्कूली पोशाक में ही स्कूल भेजें। इससे बच्चों में पढ़ाई के प्रति जागरूकता बढ़ती है। मौके पर मुखिया प्रमिला देवी, पूर्व मुखिया बसंत कुमार, प्रधानाध्यापक रामकिशुन महतो, अध्यक्ष विनोद साव,शिक्षक साधन कुमार रवानी, बलदेव मंडल,सहदेव मंडल,सावित्री देवी, शबाना शीरीं, राघवेन्द्र लाल, विजय कुमार, मनोज कुमार, मनमोहन दास, धानेश्वर साव, मोहम्मद रूस्तम अहमद, इन्द्रदेव साव, इंदु देवी समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

पेंशनर समाज की बैठक, स्थापना दिवस मनाने का निर्णय

कोडरमा। बुधवार को झारखंड राज्य पेंशनर समाज जिला शाखा कोडरमा की एक बैठक समाज के अध्यक्ष नारायण मोदी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किए गए। जिन पेंशनर, पारिवारिक पेंशनर ने सप्तम पेंशन पुनरीक्षण का प्रपत्र अब तक वित्त विभाग झारखंड सरकार के अनुसार नहीं भरा है वह जल्द से जल्द प्रपत्र भरकर उचित माध्यम से महालेखाकार झारखंड रांची को भेजें ताकि उन्हें आर्थिक लाभ मिल सके। जिला शिक्षा अधीक्षक कोडरमा से मांग की गई कि अर्जुन दुसाध की प्रोन्नति का मामला का निष्पादन किया जाए। ठंड पड़ने के कारण पेंशनर दिवस स्थापना दिवस का आयोजन 17 दिसंबर के स्थान पर 17 जनवरी 2023 को किया जाएगा। यह कार्यक्रम ध्वजाधारी धाम मंदिर परिसर में होगा। बैठक में अध्यक्ष नारायण मोदी के अलावा गिरिजा नंदन प्रसाद, कृष्ण कुमार, सुरेंद्र प्रसाद मोदी, महेश पांडेय, सीता प्रसाद, यदुनंदन प्रसाद, चंद्रिका प्रसाद, राजकुमारी देवी, मोती देवी, मुनेश्वर सिंह, राजेंद्र सिंह, इबनुल हसन आदि उपस्थित थे।

गैस एजेंसी पर अनियमितता का आरोप

कोडरमा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कोडरमा जिला कमेटी सदस्य और वरिष्ठ नेता रमेश प्रजापति ने डीसी को लिखित आवेदन देकर स्थानीय गैस वितरण के खिलाफ जांच की मांग की है। आवेदन के माध्यम से उन्होंने मांग की है कि रामपाल गैस एजेंसी झुमरी तिलैया कोडरमा का भण्डार स्थान गांधी स्कूल रोड में है, लेकिन ट्रक से गैस से भरा सिलेंडर गांधी उच्च विद्यालय के पास उतारा जाता है। जहां हजारों छात्र पढ़ने आते हैं, साथ ही यह इलाका घनी आबादी वाला क्षेत्र है। ऐसे में दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा है कि गैस वितरक को 15 किलोमीटर के दायरा में निशुल्क गैस सिलेंडर पहुंचाना है, लेकिन कोरोना काल में इस दायरा में भी गैस वितरक द्वारा ग्राहकों से भाड़ा लिया गया। उज्जवला के गैस ग्राहकों से भी भाड़ा लिया जाता है। गैस गोदाम से ग्राहक को गैस सिलेंडर बदलकर लाने पर दस रुपए वापस मिलता था, जो अब इंडेन ऑयल कॉपोरेशन द्वारा उन्नतीस रुपए साठ पैसे किया गया है, जिसका लाभ भी ग्राहकों को नहीं दिया जा रहा ग्राहकों को जागरूक करने के लिए कोई सेमिनार आयोजित नहीं होता। ग्राहक को भरा हुआ गैस सिलेंडर देते समय वजन करके देने का प्रावधान है, लेकिन ऐसा यहां नहीं हो रहा है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता कॉमरेड रमेश प्रजापति ने इन सभी बिंदुओं पर जांच कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

सदर अस्पताल में नहीं मिली जरूरी दवाएं मरीज बाहर से खरीद रहे दवा

कोडरमा। कोडरमा सदर अस्पताल में जरूरी दवाएं नहीं रहने से मरीजों को बाहर से दवा खरीदने की बात सामने आ रही है। कोडरमा सदर अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 400-500 मरीज ओपीडी में अपना इलाज कराने पहुंचते हैं। जिले के सड़क दुर्घटना छोटी-बड़ी भी आते जाते रहते हैं, बताया जाता है कि सदर अस्पताल में पैन 40, बच्चे के कई दवा, कफ सिरप आदि दवाएं मरीजों को ओपीडी काउंटर और एमरजेंसी में नहीं रहने के कारण आम मरीजों व गरीब मरीजों को बाहर से खरीदना पड़ रहा है। बहरहाल सदर अस्पताल में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये मरीजों को सरकारी अस्पताल में सिर्फ डॉक्टर की फीस नहीं देनी पड़ रही है, जबकि ब्लड जांच, अल्ट्रासाउंड, एक्सरे जांच के साथ दवा के भी पैसे देने की मजबूरी है। वहीं बेड की कमी के कारण भी मरीजों को परेशानी होता है। इस बाबत प्रभारी डीएस डॉ मनोज कुमार ने कहा कि शीघ्र ही दवा उपलब्ध करवा दिया जायेगा। वहीं सदर अस्पताल में ऑर्थो का डॉक्टर नहीं रहने से मरीजों को काफी परेशानी हो रही है। ज्ञात हो कि सदर अस्पताल में प्रतिदिन जिले का कहीं ना कहीं से दुर्घटना की मरीजों का आना होता है। जिसके बाद किसी का पैर हाथ टूट जाने के कारण सदर अस्पताल में ऑर्थो का डॉक्टर नहीं रहने के कारण मरीजों का इलाज नहीं हो पाता है। दुर्घटना के मरीज के आते ही सदर अस्पताल में इलाज करके हाथ पैर टूटे हुए मरीजों को रिम्स रेफर कर दिया जाता है।

जिला आपूर्ति कार्यालय में उप विकास आयुक्त ने की समीक्षा बैठक का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। उप विकास आयुक्त नागेंद्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला आपूर्ति कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सबसे पूर्व जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुदर्शन मुर्मू ने उप विकास आयुक्त को जानकारी दी। वहीं जिला आपूर्ति कार्यालय द्वारा राशन कार्ड धारियों का आधार कार्ड लिंक करने हेतु तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। इस संबंध में उप विकास आयुक्त ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं अन्य अधिकारियों को जल्द से जल्द सभी राशन कार्ड धारियों का आधार कार्ड लिंक कराने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों पणन पदाधिकारियों को प्रतिमाह राशन वितरण कार्यों की समीक्षा करते हुए ससमय सभी लोगों को राशन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। गरीब एवं योग्य लोगों को राशन कार्ड के लाभ से आच्छादित करने के लिए उप विकास आयुक्त ने वैसे लाभुक जो राशन कार्ड रखने की योग्यता नहीं रखते हैं। उसके बावजूद भी राशन कार्ड का लाभ ले रहे हैं उनके विरूद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई करने एवं उनसे जुर्माना वसूलते हुए कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। वहीं, उन्होंने अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए लोगों को स्वयं राशन कार्ड सरेंडर करने के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने वैसे लाभुक जिन्होंने विगत 6 माह अथवा 1 वर्ष से राशन का उठाव नहीं किया है। वैसे लाभुकों को चिन्हित करने हेतु अभियान चलाने एवं उनका नाम राशन कार्ड से हटाने हेतु कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पेट्रोल सब्सिडी योजना के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त ने योजना संबंधित कार्यों में गति लाते हुए व्यापक प्रचार-प्रसार करने एवं ज्यादा से ज्यादा लोगों का पेट्रोल सब्सिडी योजना के तहत लाभ देना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सोना सोबरन धोती साड़ी योजना का लाभ सभी योग्य लाभुकों को देने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने राशन कार्ड का लाभ लेने हेतु आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार सहित प्रखंड स्तर पर प्राप्त आवेदनों अथवा जिला स्तर पर लंबित आवेदनों की समीक्षा की। इस संबंध में उप विकास आयुक्त ने अधिकारियों को नियमित रूप से समीक्षा करते हुए मामलों का निष्पादन करने एवं योग्य लोगों को राशन कार्ड का लाभ देने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने अनिवार्य रूप से सभी पीडीएस दुकानों का निरीक्षण करते हुए प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी, एसएमपीओ, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों, पणन पदाधिकारियों, सहायक गोदाम प्रबंधकों, ट्रांसपोर्टरों लिफ्टिंग इंचार्ज सहित अन्य उपस्थित थे।

रामगढ़ की जनता के विश्वास को और मजबूत करेंगे : धनंजय कुमार

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। मंगलवार की देर रात्रि आरबीएसएस पदाधिकारियों की संगठनात्मक बैठक रामगढ़ प्रखंड कार्यालय के निकट स्थित संगठन के प्रधान कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष धनंजय कुमार पुटूस एवम संचालन कैलाश महतो ने किया। बैठक में रामगढ़ जिला के विभिन्न प्रखंड से आए पदाधिकारियों ने संगठन द्वारा समाजहित में किये गए कार्यो से धनंजय कुमार पुटूस को अवगत कराया। तत्पश्चात संगठन द्वारा आगामी दिनों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूप रेखा तैयार की गई। मौके पर धनंजय कुमार पुटूस ने कहा कि आरबीएसएस द्वारा लगभग आठ वर्षों से रामगढ़ जिला के लोगो के लिए जनहित में कार्य किये जा रहे हैं। इसी का नतीजा है कि रामगढ़ के लोगों का सपोर्ट हमे मिल रहा है। जनता के इस भरोसे को हमलोग और मजबूत करेंगे एवं आगमी समय में आरबीएसएस के सभी कार्यकर्ता जनहित में और सक्रिय रूप से कार्य करेंगे। मौके पर कैलाश महतो, अमित पटेल, शिव करमाली, गोलू गुप्ता, सोनू शर्मा, सौरभ श्रीवास्तव, अमित गुप्ता, सुरेंद्र राम, आरिफ रजा, नंदकिशोर चंद्रवंशी, अजय राम, अरमान अंसारी, विजय दुबे, सुनील कुजुर, गोलू पांडे, मनीष अग्रवाल, श्रीधर सिंह, सुमित वर्मा आदि उपस्थित थे।

चार धान क्रय केंद्र का उद्घाटन सहित गार्डवाल व पुल मरम्मत का हुआ शिलान्यास

2040 रुपये प्रति क्विंटल धान की होगी खरीददारी : बीटीएम

नवीन मेल संवाददाता

बरही। बुधवार को एक ही साथ चार प्रखंड के केदारूत, रसोईयाधमना, कोल्हुआकला और मलकोको पंचायत में धान क्रय केंद्र का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक उमाशंकर अकेला यादव थे। अपने संबोधन में विधायक ने बताया कि कोई भी किसान अब अपने द्वारा उत्पादित धान को बेचने के लिए नही भटकेंगे। सीधे पैक्स स्थित धान अधिप्राप्ति सेंटर में बेच सकते हैं। जहां उन्हें बिक्री संबंधित रसीद दिए जाएंगे और सरकार के द्वारा राशि की भुगतान की जाएगी। बीटीएम राकेश कुमार ने बताया कि धान प्राप्ति सेंटर में किसानो से 2050 रुपए प्रति क्विंटल धान की खरीददारी की जायेगी। इसके लिए किसान को धान पूरी तरह सुखा कर अधिप्राप्ति केंद्र तक लाना होगा । बुधवार को हुए उद्घाटन में रसोईयाधमना पैक्स, केदारूत पंचायत पैक्स के अमरूतवा, मलकोको पंचायत के बेलादोहार व कोल्हुआकला पंचायत के करगईयो धान क्रय केंद्र शामिल है। वही पदमा प्रखंड के गौरियाकरमा मार्ग अंतर्गत केवटा नदी पुल पथ पर एक करोड़ की लागत से बनने वाले गार्डवाल और पुल की मरम्मती कार्य का भी विधायक ने शिलान्यास किया। उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्यक्रम में विधायक के साथ विधायक प्रतिनिधि, स्थानीय जनप्रतिनिधि, कांग्रेसी नेता सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

बरही थाना के विभिन्न कांडो में फरार अभियुक्तों के विरुद्ध पुलिस के द्वारा चिपकाया गया इश्तेहार

नवीन मेल संवाददाता

बरही। वर्षो से फरार चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर बरही पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। इसी क्रम में बुधवार को 2014 से कोल माइंस व वन अधिनियम के फरार चल रहे तीन प्राथमिक अभियुक्त एवम् एक अन्य मामले में फरार दो अभियुक्त के खिलाफ बरही पुलिस ने इश्तेहार चिपकाने का काम किया। संबधित मामले को लेकर इंस्पेक्टर ललित कुमार में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी। न्यायालय के निदेर्शानुसार कांड संख्या 471/14 के प्राथमिक अभियुक्त ट्रक संख्या JH 10G 4397 के मालिक 43यू काली मंदिर रोड, गौधर, नंबर 15, कुसुंडा थाना केंदुआडीह जिला धनबाद निवासी अवध किशोर सिंह पिता कामेश्वर प्रसाद सिंह, कांड संख्या 364/14 के प्रथमिक अभियुक्त देव थाना जिला औरंगाबाद बिहार के स्थायी व वर्तमान पता अशोक नगर, धनसार मोड़, बैक मोड़ थाना जिला धनबाद का निवासी है। ओमकार फ्यूल डुमरी के मालिक रामजी साव पेशरान रामजी साव, कांड संख्या 155/16 के प्राथमिक अभियुक्त अभियुक्त ट्रक संख्या JH 09R 9083 के मालिक रितेश कुमार पेशरान भगवान सिंह निवासी रामनगर, कारो बेरमो जिला बोकारो और ट्रक संख्या JH 02AD 6447 के मालिक रघुवंश सिंह पिता उदय सिंह का निवासी है। बारुघुटु घाटोटांड़, थाना वेस्ट बोकारो जिला रामगढ़ के और थाना कांड संख्या 224/15 आईपीसी 395, 397 के प्राथिमिक अभियुक्त साकिनअनवा दोहर ढोबो डोभी थाना का निवासी है। वकील पासवान, शंकर मांझी, साकिन दरबार थाना बाराचट्टी हाल मुकाम सहदेवखाप, यूनिवर्सिटी गया। और प्रभु सोरेन उर्फ फोगा पिता सुखना बेसरा साकिन गजही थाना चकाई जिला जमुई बिहार के खिलाफ उनके आवास तथा सार्वजनिक स्थलों पर विधिवत इश्तहार चिपकाया गया। इस कार्य में बरही थाना के सब इंस्पेक्टर महेंद्र बैठा, विकास कुमार और थाना के रिजर्व पुलिस ने अपनी भूमिका निभाई।

प्रमुख ने किया ग्राहक सेवा केन्द्र का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र चेचकपी पंचायत के पचरुखी तिलैया में बैंक ऑफ इंडिया का ग्राहक सेवा केन्द्र का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख रेणु देवी व बैंक ऑफ इंडिया बरकट्ठा के शाखा प्रबंधक मनीष कुमार मिश्रा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मौके पर प्रमुख रेणु देवी ने सुदूरवर्ती क्षेत्र में बैंक ऑफ इंडिया का ग्राहक सेवा केंद्र खोलनो पर शाखा प्रबंधक के कार्य को सराहना करते हुए कहा कि ग्राहक सेवा केंद्र खुलने से लोगों को लेन देन के लिए बैंक का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा और लोगों को यह सुविधा गांव में ही मिलेगा। वहीं शाखा प्रबंधक ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया ग्राहकों के लिए हर सुविधा उपलब्ध कराने को तत्पर है। सीएसपी केंद्र खुलने से ग्राहकों को सीमित लेन देन के लिए अब बैंक जाने की जरूरत नहीं होगी। मौके पर सीएसपी संचालक मनोज कुमार,उमेश कुमार,सराज अंसारी,प्रमेश्वर कुमार, संतोष कुमार,हिरामण प्रसाद,महीलाल मांझी, कैलाश टुडु, महेश मांझी,मोहन मरांडी, धनीराम टुडु समेत आदि लोग उपस्थित थे।

भाकपा की बैठक में कोडरमा और बरकट्ठा से चुनाव लड़ने का निर्णय

कोडरमा। भाकपा जिला परिषद कोडरमा की बैठक बुधवार को साहू धर्मशाला झुमरी तिलैया में भाकपा जिला कार्यकारिणी सदस्य कॉमरेड पुरुषोत्तम यादव की अध्यक्षता में की गई। वहीं भाकपा जिला मंत्री प्रकाश रजक ने विगत कार्यक्रमों का कार्य रिपोर्ट प्रस्तुत किया। बैठक में पार्टी सदस्यता को बढ़ाने एवं संगठन को मजबूत कर कोडरमा विधानसभा एवं बरकट्ठा विधानसभा में सीपीआई का उम्मीदवार देने का फैसला लिया गया। देश में बेरोजगारी, महंगाई, लूट पाट, दुष्कर्म, हत्या की घटनाएं हो रही हैं। जिले में चोरी डकैती की घटनाएं में वृद्धि हो रही है जिसके कारण जनता भाजपा के प्रतिनिधियों से उब चुकी है। भाकपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य महादेव राम ने कहा कि राज्य सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन गरीबों को ग्रीन कार्ड दिया लेकिन 4 माह से कार्ड धारियों को अनाज नहीं मिल रहा है। इससे सरकार की छवि बिगड़ रही है। पार्टी मांग करती है गरीबों को अविलंब अनाज दिया जाए। 8 दिसंबर 2022 से एमएस सुरेश यादव के सफाई कर्मी धरना पर है। डीवीसी प्रबंधन से पार्टी मांग करती है अभिलंब उनकी मांगों को पूरी की जाए अन्यथा पार्टी जन आंदोलन तेज करेगी। सीपीआई जिला कार्यकारिणी सदस्य पुरुषोत्तम यादव ने कहा कि बांझेडीह प्लांट से जिन ट्रकों से छाई ढोया जा रहा है सारे ट्रक ओवरलोड चल रहा है। जिला परिवहन पदाधिकारी से पार्टी मांग करती है ट्रकों को जांच कर ट्रक मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। भाकपा जिला मंत्री प्रकाश रजक ने कहा कि कोडरमा जिले में अंचल अधिकारियों एवं भू माफियाओं के मिलीभगत से कोडरमा जिले में भू माफिया पनप रहे हैं जिसके लिए जिला प्रशासन मुख्य रूप से जिम्मेदार है। सभी अंचलों में दाखिल खारिज जमीन औन लाइन खाता एवं प्लॉट नंबर चढ़ाने के नाम पर मोटी रकम ली जा रही है बिना रिश्वत का कोई काम नहीं होती है। बैठक में डीवीसी कामगार यूनियन के नेता दशरथ पासवान एवं रंजीत भारती ने कहा कि डीवीसी प्रबंधन मजदूरों के साथ छल कर रही है। बैठक में 26 दिसंबर को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का स्थापना दिवस वृंदा में धूमधाम से मनाने का फैसला लिया गया। बैठक को अंचल मंत्री अर्जुन यादव, अंचल मंत्री धनंजय यादव, अंतर मंत्री रामेश्वर यादव, पूर्व उप प्रमुख वीरेंद्र यादव, एटक नेत्री सोनिया देवी, अखिल भारतीय नौजवान संघ के जिला अध्यक्ष रंजन कुमार रजक, जिला सचिव कयूम उद्दीन ने भी संबोधित किया।

बाइक चोरी मामले में एक गिरफ्तार

कोडरमा। कोडरमा थाना पुलिस के द्वारा एक अभियुक्त को बीती रात गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार बाइक चोरी में कोडरमा थाना कांड संख्या 255/22 के अभियुक्त अमित कुमार पिता लालो साव ग्राम रूपनडीह डोमचांच निवासी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। अमित कुमार कई महीने से फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी की गई है।

छात्रवृति योजना में सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया

मरकच्चो। प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित उच्च विद्यालय योगिडीह के पांच छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री मेघा छात्रवृति योजना 2022 में सफलता प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। सफल छात्र छात्राओं में अनीशा कुमारी, आरती कुमारी, रुक्सार प्रवीण, देवनंदन कुमार एवं अमन कुमार का नाम शामिल है। विद्यालय परिवार इनके सफलता पर सभी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना किया। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक विनोद कुमार सिन्हा ने इन सभी छात्र-छात्राओं के सफलता का श्रेय इनके मेहनत, शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन को दिया है। छात्रों द्वारा विद्यालय के शिक्षक दुखहरण साव, नूनमन विश्वकर्मा, दिनेश सिन्हा का विशेष स्नेह के लिए आभार प्रकट किया है। मौके पर शिक्षक किशोर रविदास, रामपुकार ओझा आदि ने भी बच्चों की सफलता पर शुभकामनाएं प्रकट की है।

ऊर्जा संरक्षण देशहित के साथ जनहित में नितांत आवश्यक : शैलेश कुमार

बरही। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर अलेक्स प्लस टू पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने ऊर्जा संरक्षण को लेकर संकल्प लिया। इस अवसर पर विभिन्न कक्षा के विद्यार्थियों ने ऊर्जा संरक्षण को लेकर पोस्टर बनाया और ऊर्जा संरक्षण को लेकर अपने विचार रखें। निदेशक शैलेश कुमार ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 14 दिसंबर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाए जाते हैं । जो ऊर्जा संरक्षण अधिनियम वर्ष 2001 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) द्वारा निष्पादित (स्थापित) किया गया। ऊर्जा दक्षता ब्यूरों एक संवैधानिक निकाय है जो भारत सरकार के अंतर्गत आता है और ऊर्जा का उपयोग कम करने के लिए नीतियों और रणनीतियों के विकास में मदद करता है। ऊर्जा संरक्षण देशहित के साथ जनहित हेतु नितांत आवश्यक है। नवमी की पायल कुमारी ने ऊर्जा संरक्षण हेतु दैनिक उपयोग के विद्युत उपकरण पंखा, बल्ब, समरसेवल, हीटर आदि के अनावश्यक उपयोग को बंद करने पर जोर दिया । लावण्या पाण्डेय ने बताया कि जीवाश्म ईंधन, कच्चे तेल, कोयला, प्राकृतिक गैस आदि दैनिक जीवन में उपयोग के लिए पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। लेकिन दिनों-दिन इनकी बढ़ती मांग प्राकृतिक संसाधनों के कम होने का भय पैदा करता है। ऊर्जा संरक्षण ही केवल एक ऐसा रास्ता है जो ऊर्जा के गैर-नवीनीकृत साधनों के स्थान पर नवीनीकृत साधनों को प्रतिस्थापित करता है। इसके साथ ही सुजीत कुमार, सुधा कुमारी आदि सहित कई बच्चों ने भी ऊर्जा संरक्षण से संबंधित अपने विचार रखें । कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक एवं बच्चे मौजूद थे।

विहिप बजरंग दल ने मनाया शौर्य दिवस, हिंदुत्व रक्षा का लिया संकल्प

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय योजना के तहत बरकट्ठा विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल का शौर्य यात्रा बुधवार को संपन्न हुआ। यात्रा में जिला मंत्री प्रदीप सोनी,सहमंत्री गुरुदेव गुप्ता, संयोजक प्रशांत सिंह, बरकट्ठा प्रखंड अध्यक्ष संजय यादव, मंत्री सत्यम भारती, संयोजक दीपक राणा, धीरज गुप्ता समेत सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित हुए। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि सबों के सहयोग से यह भव्य शोभा यात्रा संपन्न हुआ। इसके लिए सभी का मैं आभार व्यक्त करता हूं। वहीं उपस्थित लोगों ने हिंदुत्व रक्षा का संकल्प लिया। संजय यादव ने कहा कि आज सनातन संस्कृति कई प्रकार की आपदाओं से ग्रसित है। इनसे निदान हेतु आम सनातनी को विहिप बजरंग दल से जुड़ने की आवश्यकता है। जिला मंत्री प्रदीप सोनी ने कहा कि इतिहास इस बात का गवाह है कि जहाँ-जहाँ हिन्दू घटा है। वह क्षेत्र भारत से कटा है। इसलिए मैं सभी से अपील करता हूँ कि विहिप बजरंग दल से जुड़कर देश को संरक्षित करने में सहयोग करें। जिला संयोजक प्रशांत सिंह ने कहा कि हिंदुत्व एकजुटता का समय आ गया है। धर्मांतरण के तहत हिंदुओं को तोड़ने का गतिविधियों पे ध्यान देना होगा। गौ रक्षा और सेवा हमारा कर्तव्य है। गौ तस्करी पे अंकुश लगाना जरूरी है। ये सब कार्य हेतु आप सभी संगठन से जुड़े। कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने में बरकट्ठा प्रशासन, पत्रकार बंधु, संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों का अच्छा सहयोग रहा। विदित हो कि कार्यक्रम का आयोजन बुढ़िया माता ने मंदिर से प्रारंभ किया। वहीं बरकट्ठा थाना होते हुए हाई स्कूल बरकट्ठा से होते हुए पुनः वापस दुर्गा मंदिर में समापन किया गया। वहीं कार्यक्रम को लेकर लोगों में काफी उत्साह दिखा।

न्यूज गैलरी

सेन्हा में अवैध बालू परिवहन करते एक ट्रैक्टर जब्त

सेन्हा-लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र के झालजमीरा पंचायत के जमीरा गांव से मंगलवार को क्षेत्र भ्रमण के दौरान अंचलाधिकारी विजय कुमार द्वारा अवैध बालू लाद कर परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर को जप्त किया गया। वही जप्त ट्रैक्टर को थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है। और अग्रेतर कारवाई हेतु सहायक खनन पदाधिकारी लोहरदगा को सूचना दिया गया। थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए कहा कि सेन्हा थाना क्षेत्र का भ्रमण के दौरान दक्षणी कोयल नदी से अवैध बालू परिवहन करते हुए ट्रैक्टर को पकड़ा गया है। जिसमें रजिस्ट्रेशन नम्बर अंकित नही साथ ही उन्होंने कहा जप्त ट्रैक्टर में रजिस्ट्रेशन नम्बर अंकित नही होने के कारण इंजिन नम्बर एवं चेचिस नम्बर के आधार पर कारवाई हेतु खनन विभाग एवं परिवहन विभाग को सूचनार्थ भेजा गया है।

कुडू थाना के नव पदस्थापित थाना प्रभारी सनी कुमार को उपहार देकर एवं माला पहनाकर किया गया स्वागत

कुडू/लोहरदगा। कुडू थाना के नव पदस्थापित थाना प्रभारी सनी कुमार को उप प्रमुख सह जेएमएम नेता ऐनुल अंसारी के नेतृत्व में उपहार देकर एवं माला पहना कर किया गया स्वागत। इधर ऐनुल अंसारी ने थाना प्रभारी सनी कुमार को क्षेत्र के समस्याओं एवं विधि व्यवस्था पर ध्यान आकृष्ट कराया। मौके पर थाना प्रभारी शनि कुमार ने आश्वस्त करते हुए कहा कि क्षेत्र के लोगों के साथ समन्वय स्थापित कर क्षेत्र में हो रहे क्राइम पर अंकुश लगाना पहली प्राथमिकता होगी। कहा कि क्षेत्र में कोई भी किसी भी प्रकार की कोई भी समस्या या परेशानी झेल रहे हैं तो हमें फोन पर संपर्क कर सूचना देने का सहयोग बनाए ताकि पुलिस आप सभी की सूचना के आधार पर मौके पर पहुंचकर आप के असुविधाओं का समाधान करने की पहल कर सकें। इस मौके पर सुन्दरू पंचायत समिति सदस्य अब्दुल मनान अंसारी तौसीफ अंसारी पूर्व मुखिया सूसिल उरांव विजय उरांव रशीद अंसारी अरशद अंसारी नूरूल अंसारी मौजूद थे।

महिला थानेदार किरण पंडित को कुम्हार समाज ने किया सम्मानित

लोहरदगा। कुम्हार समन्वय समिति लोहरदगा जिला इकाई के द्वारा जिलाध्यक्ष प्रेम किशोर प्रजापति के नेतृत्व में समाज का एक प्रतिनिधिमंडल लोहरदगा महिला थाना प्रभारी किरण पंडित से शिष्टाचार भेंट की। समाज की ओर से उन्हें बुके और शॉल देकर सम्मानित किया। संरक्षक राधेश्याम प्रजापति ने बताया कि किरण पंडित अपने ही समाज से आती हैं। जो झारखंड हजारीबाग पद्मा के रहने वाली है। वो महिला थाना प्रभारी के रूप में लोहरदगा में पदस्थापित है जो समाज के लिए गौरव की बात है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष प्रेमकिशोर प्रजापति, सचिव नागेंद्र प्रजापति, संरक्षक वासुदेव महतो, कमल महतो, देव आनंद महतो, राधेश्याम प्रजापति, सचिव मृत्युंजय मधुप, उपाध्यक्ष अमर प्रजापति, संजय प्रजापति, दिलीप प्रजापति के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

उपायुक्त सिमडेगा ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण कहा-

चिकित्सक स्वास्थ्य सुविधा में मरीजों के प्रति किसी प्रकार की न करें लापरवाही

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त आर. रॉनीटा ने बुधवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।सदर अस्पताल में भर्ती मरीजों को उपलब्ध करायी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने सिविल सर्जन डॉक्टर नवल कुमार को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सुविधा में किसी प्रकार की लापरवाही ना हो। अस्पताल निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने चिकित्सको तथा कर्मियों की उपस्थिति पंजी की जांच की। वहीं उन्होंने रेडियो डायग्नोस्टिक सेंटर, महिला वार्ड, पुरूष वार्ड, पंजीकरण काउण्टर, विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई, कुपोषण उपचार केन्द्र सहित अन्य सुविधाओं का जायजा लेते हुए अधिकारीयों को अस्पताल आने

वाले मरीजों को सभी तरह की सुविधाएं उपलबध कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने साफ-सफाई, शौचालय, पानी, लोगों के बैठने की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं को सुव्यवस्थित रखने का निर्देश दिया। सीढ़ी नीचे पोस्टमॉर्टम हेतु रखे डेड बॉडी को देख उन्होंने सिविल सर्जन तथा कर्मियों को निर्देश देते हुए डेड बॉडी रखने हेतु एक निश्चित रूम का चयन कर बॉडी रखवाने का निर्देश दिया। सदर अस्पताल परिसर में बने कुपोषण उपचार केन्द्र का भी निरीक्षण कर उपायुक्त ने एमटीसी में उपस्थित चिकित्सक, एएनएम और इलाजरत बच्चों के उपचार से संबंधित जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उपचार केन्द्र में पांच बच्चों का ही भर्ती पाया गया, जिसके तहत उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश देते हुए एमटीसी में शत प्रतिशत बच्चों का भर्ती सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। बच्चों के भर्ती पंजी, वजन, साफ-सफाई, रख-रखाव और भोजन के बारे में जानकारी ली। बच्चों के उपचार हेतु दिये जाने वाले आहार, रसोई, एवं रसोइ में रखे सामग्री का भी जांच की। उन्होंने निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सुविधा को और बेहतर व सुदृढ़ करने को लेकर चिकित्सको एवं स्वास्थ्य कर्मियों को पुरी लगन के साथ कार्य करने की बात कहीं। मौके पर अस्पताल प्रबंधक अलका कुल्लू, व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

अभियुक्त रामचंद्र सिंह के विरुद्ध थाने में डायन प्रथा का मामला दर्ज

डायन प्रथा के नामजद अभियुक्त को जोबांग पुलिस ने भेजा जेल

नवीन मेल संवाददाता

किस्को/लोहरदगा। जिले के अति सुदूरवर्ती व उग्रवाद प्रभावित जोबांग थाना प्रभारी शशि शेखर कुमार के नेतृत्व में जोबांग थाना में डायन प्रथा के नामजद अभियुक्त रामचंद्र सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी शशि शेखर कुमार ने इस संदर्भ में बताया कि अभियुक्त रामचंद्र सिंह पर जोबांग थाना कांड संख्या 18/22 धारा 341/323/504/ 506/509 आईपीसी 3/4 डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि अभियुक्त रामचंद्र सिंह पिता स्वर्गीय कली सिंह ग्राम पंचायत सीरम अंतर्गत ग्राम सागोंडीह थाना जोबांग का रहने वाला है जिसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। इधर जोबांग थाना

प्रभारी शशि शेखर कुमार ने क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि अंधविश्वास के चक्कर में पड़कर खुद और अपने परिवार वालों का जीवन बर्बाद करने से बेहतर होगा कि लोग शिक्षा के प्रति रूचि लायें और जागरूक बने ताकि अंधविश्वास को दूर करते हुए खुद व अपने परिवार एवं गांव समाज में आपसी भाईचारा बना रहे।

धनंजय पासवान बने सेन्हा के नये थाना प्रभारी

सेन्हा-लोहरदगा। सेन्हा थाना प्रभारी के नये थानेदार के रूप में मंगलवार को देर शाम धनजय कुमार पासवान ने लिया पदभार । तत्कालीन थाना प्रभारी ऋषिकान्त को कनीय पदाधिकारी के रूप में कैरो थाना में योगदान देंगे। पदभार ग्रहण करने के उपरान्त श्री पासवान ने कहा की थाने में आम जनता कभी भी मिल सकते है। साथ ही अपराध उग्रवाद के क्षेत्र में नकेल कसने का प्रयास किया जायेगा। वही धनजय पासवान सेन्हा थाना के दुबारा थाना प्रभारी बनाये गये है। इससे पहले सेन्हा थाना में 27 अक्टूबर 2019 से 11 जनवरी 2020 तक पदभार में रह चुके थे। जिसको लेकर क्षेत्र की काफी जानकारी है। वही पूर्व थाना प्रभारी ऋषिकान्त ने कहा कि सरकारी विभाग का दस्तूर के अनुसार आना जाना तो लगा ही रहता है। वरीय पदाधिकारियों के निदेर्शानुसार कार्य करते करना है। परंतु रह जाती है लोगों का स्नेह प्यार और यादगार बाते। प्रशासनिक कार्य का निर्वाहन करना और लोगों के बीच भय मुक्त वातावरण, शान्ति व्यवस्था बनाये रखना मेरा सार्थक कदम होगा।

किसानों के बीच मात्र 2 किलो बीज का हुआ वितरण, किसानों में रोष

शकील अहमद

कैरो / लोहरदगा। किसानों की आय को दोगुना करनें के लक्ष्य को प्राप्त करनें के लिए सरकार द्वारा लगातार प्रयास जारी है । यहाँ तक कि सरकार किसानों की मूलभूत समस्याओं के निदान के लिए नई-नई योजनाये लांच कर रही है, ताकि किसान भाई इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि कर सके ।किसी भी फसल के बेहतर उत्पादन में बीजों की अहम भूमिका होती है, यहाँ तक कि बिना बीज के हम फसलों को उगानें के बारें में कल्पना भी नही कर सकते।फसलों से गुणवत्तापूर्ण उत्पादन लेने के लिए प्रमाणिक व गुणवत्तापूर्ण बीज का मिलना अत्यंत आवश्यक है ।इस बात को ध्यान में रखते हुए किसानों की सहूलियत के लिए सरकार की तरफ से उच्चकोटि के बीज उपलब्ध कराये जा रहे है।झारखंड राज्य जलछाजन मिशन ग्रामीण विकास विभाग के तत्वाधान में बुधवार को प्रखण्ड मुख्यालय पंचायत गांव कैरो में किसानों के बीच उन्नत बीज का वितरण का किया गया। कार्यक्रम में उन्नत किस्म का चना,गेहूं,मटर,सरसो,मिर्च सहित कई किस्म की बीज का वितरण किया गया।परंतु ग्रामीण में अनुदानित बीज वितरण को लेकर काफी नाराजगी देखी गई। सही तरीके से बीज वितरण नहीं होने से किसानों में रोष व्याप्त है। किसानों का कहना है 2 किलो ग्राम प्रत्येक किसान पर बीज वितरण किया गया। इस बीज का बुवाई कहां करेंगे। कुल मिलाकर कहे तो किसान बीज से वंचित रह गए है। पहले किसानों को उनके जमीन के अनुसार बीज दिया जाता था लेकिन वर्तमान में सभी को 2 किलो मात्र बीज दिया गया इससे किसानों के समक्ष बीज बोने कि संकट उत्पन्न हो गई है की मात्र 2 किलो बीज कहां बोए। ऐसे में सरकारी योजनाओं का लाभ जो किसानों को मिलना था वह नहीं मिल पाया है । इस मौके पर मुखिया वीरेंद्र माहली, जे ई बिस्वंबर साहु,शोसल एक्टिविट्स अनिता साहु,जल छाजन के अध्यक्ष तीला उरांव,करमचंद उरांव,सुनील उरांव,सुजीत उरांव,बबलू महली,विनोद रविदास सहित सैकड़ों किशन मौजूद थे।

सिमडेगा के वार्ड पार्षद हुए साइबर ठगी के शिकार खाते से कटे 165000

सिमडेगा। सिमडेगा नगर परिषद की वार्ड 20 के पार्षद कासिम राजा साइबर ठगी का शिकार हो गए। उनके दो अलग-अलग बैंक खाते से कुल 165000 की राशि साइबर ठगों ने उड़ा लिया। जानकारी उन्हें बुधवार की सुबह हुई तब जाकर उन्होंने सिमडेगा थाना में साइबर ठगों के विरुद्ध मामला दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। वार्ड पार्षद कासिम रजा ने बताया कि उनका स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एवं आईडीबीआई बैंक के खाते से एक लाख एवं 65000 राशि कट गई। वहीं उन्होंने बताया कि बैंक के द्वारा एसएमएस सुविधा नहीं है इसी कारण उन्हें इस चीज का पता नहीं चल पाया और जब वह बैंक जाकर इस चीज का पता किया था उन्हें पता चला कि पिछले 11 नवंबर 2022 से लगातार 5000 एवं 10000 के गुणांक में उनकी बैंक में जमा राशि साइबर ठगों के द्वारा निकाला गया है।

डीडीसी गरिमा सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व फुटबॉल को किक मार कर किया शुभारंभ

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। पर्यटन, कला-संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय के निदेश पर बुधवार को जिला स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल कप प्रतियोगिता का शुभारंभ नदिया प्लस टू हिंदू उच्च विद्यालय, लोहरदगा में किया गया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ उप विकास आयुक्त गरिमा सिंह द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व फुटबॉल को किक मार कर किया गया। पहला मैच बालक वर्ग में कुडू और सदर प्रखण्ड के बीच खेला गया। प्रतियोगिता का समापन दिनांक 15.12.2022 को होगा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त ने कहा कि

स्पोर्ट्स के क्षेत्र में देशभर में झारखण्ड का नाम है। आप मेहनत करें तो एक दिन मंजिल अवश्य मिलेगी। जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी पलटू महतो ने कहा कि आप इसी तरह मेहनत करते रहे तो एक दिन मुकाम अवश्य हासिल करेंगे। आप जिला स्तरीय प्रतियोगिता बेहतर कर राज्य स्तर की प्रतियोगिता में भी बेहतर प्रदर्शन करें। कार्यक्रम में लोकनाथ कला जत्था दुंदरू पेशरार की टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र सिंह, खेल सहायक लखन राम, कार्यक्रम के उद्घोषक गणेश लाल, खेल प्रेमी रामचरण राम समेत सभी प्रतिभागी टीम के खिलाड़ी और खेल प्रेमी उपस्थित थे।

लचरागढ़ करंज टोली में विधायक मद से बने सामुदायिक भवन का विधायक ने किया उदघाटन

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। प्रखंड के लचरागढ़ करंजटोली में बुधवार को विधायक मद से बने सामुदायिक भवन का उद्घाटन कोलेबिरा विधायक ने विधिवत उदघाटन किया इस मौके पर स्थानीय लोगों ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए विधायक को धन्यवाद दिया ।विधायक ने अपने संबोधन में कहा की हमारी गठबंधन सरकार लगातार विकास का कार्य कर रही है। मैं विधायक होने के नाते क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयासरत हूं। अपने विधायक मद से मैंने कोलेबिरा विधानसभा के सभी पांचों प्रखंड के 45 पंचायत में योजना दिया हूं।विकास के अलावा हमारे क्षेत्र की समस्यायों और लोगों के

अधिकार को लेकर लगातार मैं विधानसभा में रखा हूं और आगे भी सभी समुदाय, सभी जाति-धर्म के लोगों के अधिकार के लिए मजबूती से आवाज उठाता रहूंगा।मौके पर अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष रावेल लकड़ा, कोलेबिरा प्रखंड अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि सुलभ नेल्सन डुंगडुंग, पंसस फुलकेरिया डांग ,मुखिया जिरेन मड़की,ऐडेगा मुखिया जिरेन डांग, बी.के.गुड़िया, मुकुट बागे, अजित बुढ़, जीनीद बागे, सरोजनी होरो, तथा लचरागढ और ऐडेगा के लोग काफी संख्या में उपस्थित रहे ।

बानो के बांकी टोंगरीटोली में संपन्न हुई आंगनवाड़ी सेविका चयन प्रक्रिया

बानो। प्रखण्ड के बांकी पंचायत के पाड़ो टोंगरी टोली में बुधवार को एक बैठक कर आंगनबाड़ी सेविका का चयन सर्वसम्मति से किया गया।मिली जानकारी के अनुसार पाड़ो टोंगरी टोली के आंगन वाड़ी सेविका का पद काफी दिनों से खाली था बुधवार को आम सभा कर निर्बिरोध सहिंता कंडुलना का चयन किया गया मौके पर उपस्थित जिला परिषद बिरजो कंडुलना ने कहा आंगन वाड़ी केंद्र में कार्य करना सेवा का कार्य है।बच्चों की सेवा ईश्वर की सेवा है।मन लगाकर कार्य करें।कार्य मे कोई गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए।आज बच्चों के विकास के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। आंगन वाड़ी केंद्र को साफ रखें ।बच्चों मिलने वाली टीका समय पर दिलाये ।इसके साथ साथ गाँव वाले भी केंद्र का सहयोग करें।केंद्र में आपके बच्चे होंगे।

बिजली की आंखमिचौली फिर से शुरू, सीएम के जाते ही तू चल मैं आया का खेल जारी

लोहरदगा में बिजली की लचर व्यवस्था से लोगों में आक्रोश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विगत 12 और 13 दिसम्बर का लोहरदगा जिला में खतियानी जोहार यात्रा को लेकर समीक्षा बैठक एवं क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित था। इसे लेकर सभी विभागीय पदाधिकारी और कर्मियों की रातों की नींद उड़ गई थी। परंतु मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लोहरदगा कार्यक्रम की समाप्ति होते ही फिर से विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लापरवाही बदस्तूर जारी देखने के लिए मिल रहा है। बता दें कि मुख्यमंत्री के लोहरदगा आगमन को देखते हुए बिजली विभाग की ओर से बिजली व्यवस्था पूर्ण रूप से किया गया था जिससे उपभोक्ताओं में खुशी का माहौल देखने के लिए

मिल रहा था। परंतु मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लोहरदगा से जाते ही एकबारगी फिर से बिजली व्यवस्था चौपट हो गया है। जिसका सारा श्रेय बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मियों को जाता है। इधर सीएम हेमंत सोरेन के लोहरदगा से जाते ही जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था पूर्ण रूप से चौपट देखने के लिए मिल रहा है। एक कहावत है तू चल मैं आया ये कहावत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लोहरदगा से जाते ही बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मियों में फीट बैठता है। उल्लेखनीय है कि बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मियों में मुख्यमंत्री के लोहरदगा जिला में रहते भर खौफ और डर दिखाई दे रहा था लेकिन सीएम के रांची कुच करते ही बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मियों में रति बराबर भी खौफ व डर नहीं दिखाई दे रहा है और न ही मुख्यमंत्री के आदेशों का असर दिखाई दे रहा है। बताते चलें कि विगत दिनों मुख्यमंत्री हेमंत सोलेन के द्वारा बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों से समीक्षा बैठक कर राज्य में गिरती बिजली व्यवस्था में यथाशीघ्र सुधार लाने का सख्त निर्देश दिया गया था। बावजूद बिजली व्यवस्था में सुधार के बदले दिन ब दिन और भी चौपट देखने के लिए मिल रहा है। इससे साफ प्रतीत होता है कि बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मियों को मुख्यमंत्री के आदेशों का भी कोई परवाह नहीं है यही वजह है कि लोहरदगा से मुख्यमंत्री के जाते ही बिजली की आंख मिचौली एक बार फिर से देखने के लिए मिल रहा है। इधर किस्को प्रखंड क्षेत्र में बिजली की लचर व्यवस्था से लोगों में बिजली विभाग के प्रति आक्रोश बढ़ता दिखाई दे रहा है।

बागटांड स्कूल में पीरामल फाउंडेशन द्वारा विद्यालय प्रबंधन समिति के साथ हुई कार्यशाला

पाकरटांड। प्रखंड के राजकीयकृत उत्कृमित मध्य विद्यालय बागटांड में बुधवार को विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों का एक दिवसीय कार्यशाला पीरामल फाउंडेशन की फेलो सत्या सिंह के द्वारा किया गया ।इस दौरान विद्यालय प्रबंधन समिति केकार्यशाला में कई बिंदुओं पर चर्चा की गई- जिसमे छात्र छात्राओं की उपस्थिति में वृद्धि , अभिभावकगण का बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूकता ,आगनबाड़ी में बच्चों की उपस्थिति में वृद्धि, सरकारी विद्यालयों में जरूरी सभी प्रयाप्त सुविधाओ का संचालन का प्रावधान, समस्त कार्यक्रम में समिति की भूमिका और विद्यालय में पानी की समस्या का समाधान आदि विषयों पर चर्चा की गयी । उन्हें अभिभावकों को नियमित बच्चों को विद्यालय भेजने एवं पठन-पाठन में प्रत्येक दिन उनसे मार्गदर्शन देने आदि चीजों को लेकर जागरूक किया गया।

मनोहर अभिव्यक्ति के तीसरे अंक का हुआ विमोचन

मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाली त्रैमासिक पत्रिका

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर महाविद्यालय की गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाली त्रैमासिक पत्रिका मनोहर अभिव्यक्ति का विमोचन बुधवार को हुआ' विमोचन महाविद्यालय की प्रचार प्रसार प्रमुख रश्मि साहू, सह प्रमुख यशोदा कुमारी, पत्रिका के तीसरे अंक की संपादक नीतू कुमारी और सह संपादक कविता कुमारी ने संयुक्त रूप से किया' संपादक ने बताया कि महाविद्यालय के संस्थापक मनोहर लाल अग्रवाल जी की जयंती 10 दिसंबर के अवसर पर यह अंक उन्हें समर्पित किया गया है' इसमें उनकी संक्षिप्त जीवनी और उपलब्धियों की चर्चा है' साथ ही

प्रत्येक अंक की तरह शैक्षिक एवं सह शैक्षिक गतिविधियों और समाचार दर्पण में गतिविधियों के न्यूज क्लिप्स को स्थान दिया गया है' प्रथम अंक जुलाई और द्वितीय अंक सितंबर माह में लोकार्पित हुआ था' पत्रिका के प्रकाशन में विद्या भारती के क्षेत्रीय प्रचार प्रसार प्रमुख और गुमला विभाग के प्रमुख अखिलेश कुमार एवं महाविद्यालय के प्राचार्य उत्तम मुखर्जी का विशेष मार्गदर्शन है' महाविद्यालय की प्रचार प्रसार प्रमुख ने कहा कि यह पत्रिका एक दर्पण रूपी प्रयास है जिसमें कि शिक्षक और विद्यार्थी विभिन्न शैक्षिक एवं सह शैक्षिक गतिविधियों में अपनी छवि देख आगे और अच्छा करने को अग्रसर एवं प्रेरित हो सके।

नीलाम पत्र वाद के मामलों में वसूली को लेकर सक्रीय हैं उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले के उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे नीलाम पत्र वाद के मामलों में वसूली को लेकर सक्रीय हैं। जिसका प्रतिफल है कि अक्टूबर व नवंबर माह में दो करोड़ रुपये की वसूली की गयी है। वहीं वर्तमान वित्तीय वर्ष में धारा 7 के तहत दो माह में 2043 सर्टिफिकेट दर्ज कर संबंधित डिफॉल्टरों को नोटिस भी भेजा गया है। जिले में अब तक 2282 डिफॉल्टरों के खिलाफ कुर्की का नोटिस दिया गया है।

एलडीएम व नीलाम पदाधिकारी आपस में समन्वय स्थापित कर सभी वादों का निष्पादन सुनिश्चित करें : दोड्डे

उपायुक्त दोड्डे ने जिला नीलाम पदाधिकारी व एलडीएम को आपस में बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए सभी प्रकार के वादों को त्वरित गति से निष्पादन

हेतु निर्देशित किया है. उपायुक्त के निर्देश के आलोक में जिला नीलाम पदाधिकारी कपिल देव ठाकुर ने भी सक्रियता दिखाते हुए रजिस्टर 9 व 10 का मिलान को लेकर विभिन्न बैंकों के साथ तिथि का निर्धारण कर दिया गया है.वहीं डिफॉल्टरों के विरुद्ध कुर्की जब्ती व वारंट भी निर्गत किये जा रहें हैं।

राजस्व को बढ़ाने व वादों की संख्या को कम करने की दिशा में काम करें : डीसी

उपायुक्त दोड्डे ने नीलाम पदाधिकारी को राजस्व बढ़ाने व वादों की संख्या को कम करने की दिशा में कार्य करने को लेकर निर्देशित किया है .ज्ञातव्य है कि उपायुक्त के पदस्थापन के बाद नीलाम वाद विभाग में राजस्व वसूली में तेजी आयी है जिसके तहत अक्टूबर में 38 डिफॉल्टरों से एक करोड़ 12 लाख 71 हजार व जबकि नवंबर में 35 डिफॉल्टरों से 79 लाख रुपये की वसूली की गयी है साथ ही डिफॉल्टर लोक अदालत के माध्यम से अपने मामलों का निष्पादन करवा रहें हैं।

15 दिनों के लिए 4 ट्रेन रद्द, 10 के रूट डायवर्ट

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। गढ़वा, लातेहार, और पलामू में आने वाले या यहां से बाहर जाने वाले लोग सावधान हो जाएं। इलाके में ट्रेनों के परिचालन में कई बड़े बदलाव किए गए हैं। जिस कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। 15 दिसंबर से 30 दिसंबर तक कई ट्रेन रद्द किए गए हैं। जबकि कई को डायवर्ट कर दिया गया है। पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद रेलमंडल में नन इंटरलॉक वर्क के कारण गढ़वा रोड, तोलरा और रजहारा रेलवे स्टेशन पर प्रीएनआई और एनआई कार्य किया जाना है। इसके कारण 4 ट्रेनों को रद्द, 10 ट्रेनों को डाइवर्ट, जबकि दो को मोनिटर पर रखा गया है। ये सभी ट्रेन डालटनगंज, गढ़वा, और लातेहार के विभिन्न स्टेशनों पर रुकती है। इसे लेकर रेलवे ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है। रेलवे के नोटिफिकेशन के अनुसार, 18631- 18632 रांची-चोपन इंटरसिटी एक्सप्रेस, 03343-03344 गोमो-चोपन पैसेंजर, 03359-03360 बरकाकाना-वाराणसी (बीडीएम) पैसेंजर, 18635-18636 रांची-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस, और 13350-13349 पटना सिंगरौली को रद्द किया गया है। शक्तिपुंज, राजधानी, संबलपुर-जम्मूतवी, रांची-वाराणसी इंटरसिटी एक्सप्रेस, हावड़ा - भोपाल एक्सप्रेस, संतरागाछी-अजमेर एक्सप्रेस, कोलकता-अहमदाबाद एक्सप्रेस, कोलकता-मदार जंक्शन एक्सप्रेस और रांची-नई दिल्ली गरीबरथ एक्सप्रेस को डायवर्ट किया गया है। 03341- 42 बरकाकाना-डेहरी ऑनसोन डेली पैसेंजर को 15 दिसंबर से लेकर 29 दिसंबर तक बरवाडीह तक, 18613 रांची-चोपन एक्सप्रेस (सोमवार, गुरूवार और शनिवार) टोरी तक, जबकि 18614 चोपन-रांची (बुधवार, शुक्रवार, शनिवार) टोरी तक चलेगी।

शहर में वाहन चालकों को एनालाइजर मशीन लगाकर जांच

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर पलामू एसपी चंदन सिन्हा के आदेश पर ट्रैफिक प्रभारी रामजीत सिंह के नेतृत्व में शहर के सभी चौक चौराहे पर शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले चालकों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान ट्रैफिक प्रभारी के द्वारा वाहन चालकों को रोककर उनके मुंह में ब्रेथ एनालाइजर मशीन लगाकर जांच की गयी। मौके पर उपस्थित ट्रैफिक प्रभारी रामजीत सिंह ने कहा कि वाहन चलाने के दौरान शराब पीने की पुष्टि होने पर पुलिस उसे गिरफ्तार कर जेल भेजेगी। दरअसल, सड़क दुर्घटना अपराध पर काबू पाने के लिए प्रशासन पुलिस चरणबद्ध तरीके से वाहन जांच अभियान चला रही है। जिसमें हेल्मेट पर विशेष जोर दिया जा रहा है। लेकिन अब शराब पीकर वाहन ड्राइव करने वालों के खिलाफ भी प्रशासन सख्ती से पेश आ रही है। पलामू पुलिस और जिला प्रशासन के द्वारा फिलहाल आधा दर्जन ब्रेथ एनालाईजर मशीन उपलब्ध करा दिया गया है। प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक सरकार को जो रिपोर्ट मिली है उसमें अधिकांश सड़क दुर्घटनाओं में शराब पीकर वाहन ड्राइव करने का मामला सामने आया है।

51 जोड़ियों का कराया गया सामुहिक विवाह

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर शिवाजी मैदान में बुधवार 14 दिसम्बर को कन्या विवाह एण्ड विकास सोसाइटी स्थित नई गोदाम रामधनपुर के तत्वावधान में क्षेत्रीय कार्यालय तीनकोनिया गैरेज, सद्दीक चौक, मेदिनीनगर पलामू के तत्वावधान में 51 अतिनिर्धन, असहाय कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मेदिनीनगर नगर निगम की महापौर अरूणा शंकर, उपमहापौर राकेश कुमार सिंह उर्फ मंगल सिंह, वार्ड नंबर 22 के पार्षद मनोज कुमार सिंह, वार्ड नंबर 29 के नवीन कुमार गुप्ता, शहर के गणमान्य समाजसेवी गण, संस्था सचिव विकास कुमार माली एवं विशिष्ट अतिथिगण ने संयुक्त दीपप्रज्वलित कर किया। द्वारा सोसाईटी एक्ट संस्था सचिव ने बताया कि संस्था भारत सरकार के विधानान्तगर्त बिहार 21/1860 के अंतगर्त निबन्धित संस्थान हैं, जिसका शुभारंभ गया के सरकार पावन धरती 17.12.2010 से शुभारम्भ कर बिहार, झारखण्ड के भिन्न-भिन्न जिलों मे कार्य का विस्तार कर चुकी है। जिसका मुख्य उदेश्य बल विवाह, दहेज प्रथा भ्रूण हत्या पर रोक लगाना एवं सामुहिक विवाह का प्रोत्साहन करना है और यह भी कहा कि संस्था महिला सशक्तीकरण को लेकर दृढ़ संकल्पित है और अपने पदाधिकारीयों, सर्वेयरों, कार्यकर्ता के सहयोग से प्रतिदिन अग्रसरित है इन्हीं सभी उदेश्यों एवं लक्ष्यों कि पूर्ति करते हुए संस्था द्वारा 51 कन्याओं का चयन किया गया है और 51 कन्याओं का सामूहिक विवाह कराकर यह भी संद. श दिया कि संस्था हर निर्धन परिवार के साथ है जो बेटिओं को बोझ समझते हैं वह अपने बेटियों को बोझ न समझें। विवाह पश्चात सभी नव विवाहित कन्याओं को मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि सभी सामाजिक प्रतिष्ठित लोगों के समक्ष संस्था सचिव विकास कुमार माली ने ट्रंक तोषक, रजाई, बेडशीट, तकिया, पलंग, गोदरेज, ड्रम सहित कुकर, मिक्सी, वर वधु वस्त्र, श्रृगांर बॉक्स, एवं श्रृगांर सामग्री देकर उन्के मंगलकामना कि कामना करते हुए विदा करने का कार्य किया गया। इस शुभ समय पर भव्य भक्ति जागरण का भी आयोजन किया गया जिसमे मशहूर कलाकारों द्वारा जागरण एवं झाँखी की गई। मौके पर संस्था के कोषाअध्यक्ष उषा कुमारी, सहायक सचिव राजेश कुमार सिन्हा, प्रभारी कोषाअध्यक्ष संजव सिंह, भिन्न-भिन्न राज्य से आये संस्था के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

सांसद ने लोकसभा में भुइंहर जाति को एससी से एसटी में शामिल करने का मामला को उठाया

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू सांसद पलामू विष्णु दयाल राम ने लोकसभा में नियम 377 के तहत भूइंहर मुण्डा, भूइंहर जाति को अनुसूचित जाति से अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की अति महत्वपूर्ण मामले को उठाया। श्री राम ने कहा कि झारखण्ड राज्य के पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों यथाः बड़गड़, भंडरिया, रंका एवं छतरपुर में बडे पैमाने पर भूइंहर मुण्डा, भूइंहर समाज के लोग निवास करतें है। वर्तमान में इस जाति के लोग अनुसूचित जाति में है जबकि इनका रहन-सहन, खान-पान, पूजा-पद्धति आदिवासी समाज से मिलती-जुलती है तथा इनकी वर्षों से पुरानी मागं है कि इन्हें अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाय, ताकि झारखण्ड राज्य में अनुसूचित जनजाति को मिलने वाले लाभ इन्हें भी मिल सके। विदित है कि झारखण्ड के सीमावर्ती

राज्य छतीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में भूइंहर मुण्डा, भूइंहर जाति अनुसूचित जनजाति में शामिल है। विदित है कि उक्त संबंध में डॉ० रामदयाल मुण्डा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान झारखण्ड, रॉची के द्वारा पत्रांक 237, दिनांक 25/02/2021 को कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार, रॉची को विस्तृत प्रतिवेदन दिया गया था। उक्त प्रतिवेदन के आलोक में झारखण्ड सरकार के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा भूइंहर मुण्डा - भूइंहर जाति को जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा अनुसूचित जनजाति में शामिल करने हेतु लिए गये निर्णय को कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार, राँची के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह के पत्रांक 14 / जा०नि०-03-09/2016, काड 1738, दिनांक 18/03/2021 को सचिव जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को अनुशंसा भेजी गयी है। सांसद ने कहा कि आपके माध्यम से मंत्री जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार से मॉग करता हूँ कि झारखण्ड सरकार के मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए निर्णय एवं उक्त संबंध में भेजी गयी अनुशंसा के आलोक में भूइंहर मुण्डा, भूइंहर जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की दिशा में अग्रतर कार्यवाई की जाय।

हनुमान मंदिर के पुजारी का ब्रह्मभोज कार्यक्रम संपन्न

मेदिनीनगर। शहर के रेड़मा चौक स्थित हनुमान मंदिर के पुजारी संत वरिष्ठ नारायणाचार्या पिछले 15 दिनों से बीमार चले रहे थे। 30 नवम्बर दिन बुधवार को घर में ही उनका आकास्मिक निधन हो गया। निधन होने से पहले उन्होंने अपने सभी परिवार के सदस्यों से तुलसी गंगाजल ग्रहण कर प्राण त्यागा। उनका अंतिम संस्कार उनके बड़े बेटे वशिष्ठ नारायण शुक्ला ने मुखाग्नि देकर अंतिम विदाई दी। उनका ब्रह्मभोज का कार्यक्रम 12 दिसम्बर को था। जिसमें उप महापौर मंगल सिंह, मेयर प्रत्याशी मनोज सिंह, धन्नजय त्रिपाठी, मनु प्रसाद तिवारी,राजनाथ तिवारी, विनोद तिवारी, नागेंद्र उपाध्याय, बैजनाथ शुक्ला आदि गणमान्य लोग उपस्थित हुए उपस्थित लोगों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वहीं 13 दिसम्बर को अंतिम रसम बरखी में बड़े भाई वशिष्ठ नारायणाचार्य, अजय शुक्ला, बिरेन्द्र दुबे ज्योतिष भरत शुक्ला सहित तिनों भाईयों को पगड़ी बांधी गई जिसमें इन भाइयों के द्वारा अपने माता जी दुलारी कुंवर के पांव पर रख कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कुकिंग कंपटीशन का आयोजन

मेदिनीनगर। विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण भोजन तैयार करने, सीमित साधनों में बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने, भोजन बनाने की प्रक्रिया को आनंददाई बनाने, मध्याह्न भोजन के प्रति रसोईया सह सहायिकाओं में प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने, समुदाय की सहभागिता को प्रोत्साहित करने को ले विद्यालय के रसोईयाओं के बीच कंपटीशन कराया गया। बुधवार को लामीपतरा संकुल के रसोईयाओं के बीच मध्य विद्यालय मुरमा में कंपटीशन का आयोजन किया गया। कंपटीशन में उत्क्रमित मध्य विद्यालय भूसरा की रसोईया प्रमिला देवी प्रथम स्थान प्राप्त की वहीं मध्य विद्यालय लामीपतरा की रसोईया जिरा देवी दूसरे स्थान पर रही। मालूम हो कि प्रथम स्थान पर रहने वाली रसोइया को 1000 व दूसरे स्थान पर रहने वाली रसोइया को 500 रूपए का पुरस्कार दिया जाएगा। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली रसोईया प्रखंड स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में 16 दिसंबर भाग लेंगी। इस मौके पर सीआरपी दिनेश सिंह, बीआरपी ओमप्रकाश सिंह, शिक्षक सत्यनारायण पांडेय, अनिल सिन्हा, नंद कुमार मेहता, उपेंद्र राम, संजय कुमार पांडेय, सुरेश राम, विनय राम उपस्थित थे।

बीजेपी विधायक व बिट्टू सिंह के समर्थक आपस में भिड़े

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के मेदिनीनगर-पांकी रोड निर्माण कार्य को लेकर बीजेपी विधायक शशिभूषण मेहता और पूर्व विधायक बिट्टू सिंह के कार्यकर्ता आपस में भिड़े गये। खबर लिखे जाने तक दोनों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी। फिलहाल मौके पर पुलिस को तैनात किया गया है। बता दें कि घटिया सड़क निर्माण को लेकर पांकी विधायक मंगलवार को धरना पर बैठे थे। बुधवार को सड़क निर्माण जांच के दौरान दोनों के कार्यकर्ताओं के बीच आपस में तू-तू, मैं-मैं हो गई। जिस वक्त दोनों के कार्यकर्ता आपस में भिड़े थे, उस वक्त विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता व पूर्व विधायक बिट्टू सिंह भी थे। मामले की जानकारी मिलते ही लेस्लीगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गयी। विधायक शशिभूषण मेहता के प्रतिनिधि बच्चन ठाकुर ने बताया कि दोनों कार्यकर्ताओं के बीच तू-तू, मैं-मैं हुआ था। लेकिन आपस में भिड़े नहीं हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व विधायक के कार्यकर्ता हो रहे घटिया सड़क निर्माण की जांच नहीं होने देना चाहते हैं। इस संदर्भ में पूर्व विधायक बिट्टू सिंह से उनका पक्ष लेने की कोशिश की गई।

बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आयुक्त को लिखा पत्र

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। चैलेंजर परिवार ने आयुक्त को पत्र लिखकर शहरी क्षेत्र में बढ़ती सड़क दुर्घटनओं को नियंत्रण करने के संबन्ध में ध्यान आकृष्ट कराया है। पत्र में उन्होंने बताया कि बीते एक सप्ताह से रांची रोड एवं पांकी रोड मेदिनीनगर पलामू में करीब दो दर्जन से अधिक लोगों ने सड़क दुर्घटना में अपनी जान गवांई है। खासकर पलामू का युवा वर्ग। विदित हो कि माह दिसम्बर व जनवरी में युवा वर्ग पिकनिक को लेकर उत्साहित रहते हैं एवं माहौल में रंग जाने के वजह से शराब से नजदीकी बढ़ा लेते है। जिसका दुष्परिणाम स्वरूप सड़क दुर्घटना के शिकार हो जाते है व जान चली जाती है। हमारी टीम चैलेंजर परिवार अनुरोध करती है कि सड़क दुर्घटना रोकथाम हेतु उचित कारवाई करने का कष्ट करें। आपसे सादर अनुरोध है कि सड़क दुर्घटनाओं के रोकथाम हेतु निम्न सुझाव पर ध्यान देने की आवश्यकता है। निगम क्षेत्र में अवस्थित हाइवे सड़क पर 2 किमी के बाद ब्रेकर बनवाने का कष्ट करें। रोड सेफ्टी के तहत शराब जांच करने वाली मशीन से जांच करवाने का कष्ट करें। उचित स्थान पर बैरिकेडिंग लगाकर तेज रफतार वाहनों पर अंकुश लगाया जाय। रांची रोड के आसपास एंबुलेंस को एक्टिव मोड मे रखा जाय। शहर क्षेत्र के हर चौराहे पर हेलमेट जांच कडाई के साथ कराने व निगम क्षेत्र में स्पीड सीमा तय करने के उपरान्त ओवर स्पीड चलने वाले वाहन को सीधा जब्त कर दिया जाए। चैलंजर परिवार ने अनुरोध किया है कि उपरोक्त सुझाव को ध्यान में रखते हुए अचित कार्रवाई करने का कष्ट करें। इसके लिए टीम चैलेंजर परिवार आप का सदैव आभारी रहेगा।

विज्ञान व तकनीक से दोगुनी होगी किसानों की आय : कृषि पदाधिकारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू कृषि कार्य में तकनीक आवश्यक है। इसके जरिए वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने से किसानों को फायदा होगा। किसानों में खेती के प्रति रुचि जागृत होगी। किसानों को उचित सलाह देने के लिए यहां वैज्ञानिक भी सहजता से उपलब्ध हैं। पलामू कम बारिश वाला क्षेत्र है। ऐसे में बूंद-बूंद, ड्रिप सिंचाई एवं फव्वारा विधि से सिचाई के माध्यम से फसलों में अधिक उत्पादन लिया जा सकता है। ड्रिप सिंचाई के लिए सरकार से अनुदान भी दिए जाते हैं। यह बातें जिला कृषि

पदाधिकारी दिनेश कुमार मांझी ने कही। वे आज केन्द्रीय संचार ब्यूरो, डालटनगंज, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, चियांकी में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं फिट इंडिया पर आयोजित विशेष जागरूकता कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर कृषि पदाधिकारी ने किसानों के लिए सरकार की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के लिए आवेदन किए जा रहे हैं। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, चियांकी, पलामू के सह निदेशक डॉ. डीएन सिंह ने किसानों को मडुआ, ज्वार, बाजरा, मक्का आदि मोटे अनाजों की खेती के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज की खेती कम पानी में संभव हो पाती है। वहीं क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक प्रमोद कुमार ने परंपरागत खेती से अलग हटकर तकनीक आधारित खेती करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अर्थ का उपार्जन ज्यादा- से- ज्यादा हो, इसके लिए सभी किसानों को सोचना होगा। कृषि और वानिकी से ज्यादा लाभ हो सकता है। उन्होंने कृषि कार्य में नए-नए तकनीक को अपनाने की बातें कही। उन्होंने पलामू के परिप्रेक्ष्य में कहा कि पानी के अनुसार फसलों का प्रबंधन करें तथा सामूहिक और बड़े पैमाने पर खेती करें। ताकि अधिक आमदनी हो सके। कृषि विज्ञान केन्द्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. रमेश कुमार ने कहा कि किसानों को अपनी खेती में बदलाव करना होगा। पलामू प्रमंडल में सेम की खेती बड़े पैमाने पर दिखती है। इसके लिए यहां के मौसम और मिट्टी दोनों उपयुक्त है। सेम की खेती व्यापक तरीके से की जाए, तो यह सेम के लिए बड़ा हो सकता है। उन्होंने नए-नए तकनीक अपनाकर खेती करने एवं प्रोफेशनल रूप से खेती करने की जरूरत पर बल दिया। हम ऐसी खेती करें, जिससे आमदनी बढ़े। विशेष जागरूकता कार्यक्रम के तहत किसानों के बीच प्रश्न-उत्तर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। सही उत्तर देने वाले किसानों को स्टील केन, थाली, कॉफी मग देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन केन्द्रीय संचार ब्यूरो, डालटनगंज के क्षेत्रीय प्रचार सहायक मनोज कुमार ने किया। मौके पर उक्त कृषि वैज्ञानिक, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

युवा जागृति केन्द्र ने फुटबॉल टूर्नामेंट 2023 के आयोजन की घोषणा की

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। युवा जागृति केन्द्र की आयोजन समिति ने आज राजा मेदनी राय नॉकआउट फुटबॉल टूर्नामेंट 2023 के आयोजन की घोषणा की। युवा जागृति केन्द्र के चैनपुर प्रखंड अध्यक्ष सह आयोजन समिति अध्यक्ष विश्वास सिंह उर्फ गुड्डन सिंह ने आगामी 4 जनवरी 2023 से टूर्नामेंट के आयोजन की बात कही। यह टूर्नामेंट बहेरा कला के नर्सरी मैदान में आयोजित किया जाएगा। विश्वास सिंह ने कहा युवा जागृति केन्द्र के इस टूर्नामेंट के आयोजन का उद्देश्य पलामू की गौरवमयी संस्कृति एवं महान शासक राजा मेदिनी राय को स्मरण करना तथा क्षेत्र में खेल को एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। आयोजन समिति के सचिव बिगेश्वर सिंह चेरो ने कहा राजा मेदिनी राय चेरो समाज के गौरवमयी इतिहास के प्रतीक है। उनके सम्मान में यह आयोजन किया जा रहा है। उपाध्यक्ष राहुल पासवान ने कहा क्षेत्र के युवाओं के बीच युवा जागृति केन्द्र राष्ट्र भावना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना के विकास के लिए प्रयत्नशील है। उपसचिव बबन सिंह ने कहा खेल का यह आयोजन भव्य तथा अनुशासित होगा। टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग लेंगी। विजेता तथा उपविजेता टीम को आकर्षक कप एवं नगद राशि पुरस्कार के रूप में दिया जाएगा। मौके पर अध्यक्ष विश्वास सिंह उर्फ गुड्डन सिंह, हरिशंकर यादव, सचिव बिगेश्वर सिंह चेरो, उपाध्यक्ष राहुल पासवान, उप सचिव बबन सिंह, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, उप कोषाध्यक्ष प्रविण पासवान, व्यवस्थापक सतीश सिंह, नंदन सिंह, अली अहमद, आशीष सिंह, रमेश सिंह, मैच रेफरी अजय सिंह, सुनील सिंह, संतोष, मंच संचालक अरुण चंद्रवंशी, सोनू गुप्ता, मंत्री आस मोहम्मद अंसारी, महामंत्री हरिद्वार सिंह, निगरानी समिति अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, राजाराम सिंह, भोला सिंह, योगेंद्र सिंह, अर्जुन सिंह, आशीष सिंह, शहाबुद्दीन अंसारी, निजामुद्दीन अंसारी, शंभू सिंह चेरो, पूरन चंद्र सिंह, कृष्णा सिंह, रामस्वरूप सिंह, देवराज सिंह, रवि गुप्ता, नारद यादव एवं अन्य कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

आयोग में आज भी जारी रहेगी प्रमाण पत्रों की जांच

मेदिनीनगर। पलामू से हाई स्कूल नियुक्ति प्रक्रिया में हाई कोर्ट में मूल याचिकाकर्ता बने अभ्यर्थियों का सोमवार को 123 अभ्यर्थियों का प्रमाणपत्रों की जांच हुई। आज भी जेएसएससी में प्रमाणपत्रों की जांच किया जाएगा। गौरतलब है कि याचिकाकर्ता को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद प्रमाणपत्रों के जांच का कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक डीवी किया जाएगा। इन दो दिनों में 245 याचिकाकर्ताओं का डीवी किया जाना है। सोनी कुमारी वाद में हाई कोर्ट में बने मूल याचिकाकर्ता को सुप्रीम कोर्ट के द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया में समायोजित करने का अंतिरम आदेश 2 दिसंबर को सोनी कुमारी द्वारा किये गये। अवमानना वाद में दिया गया है। हाई स्कूल में लगभग 18 हजार की नियुक्ति होनी है।

पंचायत सचिव के मामले में सुनवाई पूरी

मेदिनीनगर। पलामू के पंचायत सचिव के अभ्यर्थियों के लिए खुशखबरी है। अब पंचायत सचिव की नियुक्ति होगी। पंचायत सचिव नियुक्ति मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने पंचायत सचिव की नियुक्ति के मामले को शिक्षक नियुक्ति के मामले के साथ टैग करते हुए सरकार को राज्यस्तरीय मेधा सूची बनाने का निर्देश दिया है। पंचायत सचिव नियुक्ति का मामला पांच सालों से लंबित था। कुल 3088 अभ्यर्थी सारी प्रक्रियाओं को पूरी करने के बावजूद नियुक्ति की आस लगाए बैठे थे। ऐसे में उन्हें अब उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जल्द नियुक्ति प्रक्रिया शुरू होगी। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस एम आर शाह की अदालत में हुई। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल ने पक्ष रखा। गौरतलब है पंचायत सचिव का नियुक्ति का मामला नियोजन नीति के कारण लटका हुआ था।

कल तक शिक्षको के तबादले की रिपोर्ट जमा करने का आदेश

मेदिनीनगर। पलामू के स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को तबादला करने के लिए पलामू के डीईओ को कल तक शिक्षको का आंकड़ा जमा करने का आदेश दिया गया है। छात्रों की संख्या से ज्यादा तैनात शिक्षकों का अन्यंत्र तबादला किया जा सकता है। शिक्षा विभाग ने इसकी तैयारी शुरू की है। विभाग ने सभी डीईओ और डीएसई को पत्र भेज कर सभी स्कूलों के शिक्षकों का डाटा तलब किया है। 16 दिसंबर तक मांगी गयी पूरी जानकारी के बाद विभाग की तरफ से कार्रवाई की जा सकती है। संयुक्त सचिव अभिजीत सिन्हा ने पत्र लिखकर कहा है कि शिक्षकों का पूरा डाटा मंगाने के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी। शिक्षा विभाग की तरफ से सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक से शिक्षकों को लेकर पूरा प्रतिवेदन 16 दिसंबर तक विभागीय मेल के जरिये निश्चित रूप से उपलब्ध कराने को कहा गया है।

कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा का आयोजन

मेदिनीनगर। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा भारत जोड़ो कार्यक्रम के तहत बुधवार को कुंडवा मोड़ से किशनपुर बाजार तक 6 किलोमिटर की भारत जोड़ो पदयात्रा निकाली गई। कार्यक्रम का नेतृत्व पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक ने किया। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष रामानंद पांडे एवं संचालन अनुसूचित जाति के जिला अध्यक्ष अशोक पासवान ने किया। लोगों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि जन जागरण यात्रा एवं गौरव यात्रा के बाद अब भारत जोड़ो कार्यक्रम के तहत पदयात्रा को विशाल जनसमर्थन मिल रहा है। वर्ष 2024 में हमारी केंद्र बिंदु में जनता रहेगी चुनाव नहीं जनता का भला होगा तो निश्चित रूप से पार्टी भी मजबूत होगा। आज महंगाई बेरोजगारी एवं नफरत चरण पर है। इसी वजह से आम लोगों का आक्रोश भी बढ़ा हुआ है। सभी वर्ग के लोग की जरूरतों को ध्यान में रखकर राहुल गांधी सड़क पर उतरे हैं। पद यात्रा के दौरान शहीदों को नमन किया गया। ाकांग्रेस पार्टी का एक ही उद्देश्य जनता को समस्याओं से राहत पहुंचाने की जरूरत है। कांग्रेस पार्टी सभी को समान रूप से राहुल गांधी संकल्प के साथ अपने घर से सड़क पर निकल चुके हैं। उनको फॉलो करने वाले लोग को भी अपने-अपने घरों से निकलना होगा। मौके पर अशोक पासवान, समीम अहमद राइन, इश्वरी सिंह, अजय साहू, जितेंद्र कमलापुरी, हर्ष साहनी, सैलेश कुमार, राजेंद्र सिंह, अभय पांडे नीतीश पासवान सुधाकर पासवान, (पिंटू), सरिता देवी, कमला देवी, आरती देवी, मुकेश सिंह, पिंटू राम, संतोष गुप्ता, सोनू पासवान, रवि रंजन पासवान आदि लोग उपस्थित थे।

अंधविश्वास की बली चढ़ रहे हैं जंगली सियार, घट रही संख्या

मेदिनीनगर। छतरपुर की ओर जा रहे हो तो एनएच 98 के रास्तों में सियार किसी वाहन से कुचला हुआ जरूर दिखाई देगा। अंधविश्वास की बलि चढ़ता यह जंगली पशु दिन प्रतिदिन कम होता जा रहा है। छतरपुर प्रखंड क्षेत्र में शाम होते ही लगातार सियार की हुआ -हुआ की आवाज लगभग खत्म सी हो गई है। इस संबंध में पशु प्रेमी बुजुर्ग मोहन कहते हैं कि लगभग 20 वर्ष पहले तक सियार उनके बारी घर के पीछे तक आ जाता था। पर अब तो उसकी आवाज ना सुनाई देती है और ना ही सियार कहीं देखते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी मां सियार के आवाज सुनते ही हम बच्चों को डरा कर सुला देती थी। उन्होंने कहा कि सियार के साथ दुर्भाग्य है कि रास्ते से गुजरते वक्त किसी व्यक्ति को दिखाई दे दे तो लोग सोचते हैं कि कुछ अनहोनी ना हो इसलिए रुक जाते हैं या फिर उसे कुचल कर मार देते हैं। वही दिन पर दिन घटते जंगल और लगातार वन क्षेत्रों में इंसानों के द्वारा दखल के कारण प्रजनन क्षमता कम हो गया। वही आहार की कमी से उनकी मौत भी हो रही है। इस संबंध में ड्राइवर प्रदीप ने बताया कि पहले जब वह शाम होते हैं। रात को डाल्टेनगंज से छतरपुर आते तो रास्ते में कहीं ना कहीं सियार देखी जाता था। अब दिखाई नहीं देता या कभी-कभी दिखाई देता है। कई लोगों ने बताया कि आने वाली पीढ़ी शायद सियारों को सिर्फ उसकी चालाकी भरी कहानियां किताबों में ही पढ सकते है। मोहन ने कहा कि आने वाले समय में इनकी संरक्षण भी पड़ेगी वहीं उन्होंने लोगों से अपील किया है इसे भी जीने का हक है और इसे अंधविश्वास के चक्कर में सड़क पर देखने के बाद मारे नहीं।

सम्पादक की कलम से...

अनुशासन व कांग्रेस

झारखंड कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। यही कारण है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को यह कहना पड़ना रहा है कि संगठन में अनुशासनहीनता कतई बर्दाश्त नहीं की जायेगी। अनुशासन समिति की सभी जिलों में कड़ी नजर है। पार्टी में रहकर किसी को भी किसी प्रकार की बात या शिकायत हो, तो वह पार्टी फोरम में अपनी बात रख सकते हैं। लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। सब के अपने-अपने तान हैं। बेमतलब किसी बात को लेकर मगजमारी यहां की संस्कृति बनती जा रही है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी को लेकर संगठन में कई नेताओं ने बागी तेवर अपना लिये हैं। संगठन से लेकर केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व पर निशाना साध रहे हैं। प्रदेश कमेटी को लेकर सोशल मीडिया में अपनी भड़ास निकाल रहे हैं। इधर पार्टी ने तेवर कड़े किये हैं। लेकिन उसका असर यहां नहीं दिख रहे हैं। ऐसे में विपक्ष की मुराद पूरी होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। बहरहाल पिछले कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि कुछ कांग्रेस के लोग एवं पदाधिकारियों द्वारा शीर्ष नेताओं और पार्टी के विरुद्ध मीडिया के माध्यम से लगातार बयानबाजी की जा रही है। खुद ही सोशल मीडिया में प्रसारित कर रहे हैं.। यह बिल्कुल सच के आइने से देखा जाये तो गलत बात है। इससे पार्टी विरोधी कृत्य और छवि धूमिल होने का खतरा बना हुआ है। पार्टी में रहकर किसी को भी किसी प्रकार की बात या शिकायत हो, तो वह अपने घर में रख सकता है। पार्टी के वरिष्ठ नेता उनकी बातों को अवश्य सुनेंगे। लेकिन यह न करके बाहर पार्टी विरोधी बात करना कतई सही नहीं है। ऐसे में विरोधियों को हमला करने का मौका मिलता है। विरोध में सार्वजनिक तौर पर मीडिया व अखबारों में बयानबाजी पार्टी के संविधान के विरुद्ध माना जाना चाहिए। साथ ही वैसे तत्वों पर अविलंब कार्रवाई करने की जरूरत है। अंदर की बात यह भी चौकाने वाली है कि कांग्रेस में नयी कमेटी की घोषणा के बाद सचिव सुनील सिंह ने इस्तीफा दे दिया है। यह आखिर कहां तक न्यायसंगत है। वह भी वह प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारी को व्हाट्सएप से इस्तीफा भेज रहे हैं। ऐसे में सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन्हें इसके लिए दाना और पानी कोई और मुहैया करा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि धनबाद के एक नेता ने राष्ट्रीय नेताओं का पुतला दहन किया और प्रदेश कार्यालय में गाली गलौज की, तो कांग्रेस में पदाधिकारी बना दिया गया। साथ ही एक को प्रदेश का महासचिव बना दिया गया। जिस नेता ने रांची में महिलाओं के द्वारा पुतला दहन कराया, वह पूर्व में भी प्रदेश महासचिव और प्रवक्ता रह चुका है । वह फिर अविनाश पांडे की जाति होने का लाभ लेते हुए प्रदेश का महासचिव बन गया। ऐसे में समझा जा सकता है कि यहां बगावत की लपटें और तेज हो जाये तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है। दूसरी तरफ कई जगहों पर रातों-रात कांग्रेस जिलाध्यक्ष की सूची बदलने का मामला भी गहराता जा रहा है। नाराज कांग्रेसियों की मानें तो मंत्री आलमगीर आलम के इशारों पर कई जगहों पर जिलाध्यक्ष बदले गये हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को चाहिए कि वह अपने फैसले पर पुनः विचार करें। इसी में सबकी भलाई है।

आज का इतिहास

1885 : गोटलिएब देमलेर ने दुनिया की पहली मोटरसाइकिल पेश की।
1918 : जर्मनी के शासक विलहेम द्वितीय भाग कर हॉलैंड गये।
1938 : अमेरिकी लेखिका पर्ल बक को साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया गया।
1950 : अमेरिका के लेखक विलियम फॉकनर को साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मनित किया गया।
1970 : फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति चार्ल्स द गॉल का निधन।
1978 : रोहिणी खांडिलकर राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।
2004 : फिलीस्तीन लिब्रेशन ऑर्गनाइजेशन ने यासर अराफात की मौत की पुष्टि की, महमूद अब्बास को संगठन का अध्यक्ष चुना गया।
2013 : सोमालिया के पुंटलैंड क्षेत्र में आये भीषण चक्रवाती तूफान की चपेट में आने से 100 लोग मारे गये।
2014 : पाकिस्तान के सख्खर प्रांत में एक बस दुर्घटना में 58 लोग मारे गये।
1785 : हॉलैंड और फ्रांस ने संधि पर हस्ताक्षर किये।
1793 : फ्रांस में बलपूर्वक ईश्वर की पूजा कराने का नियम समाप्त किया गया।
1847 : आयरलैंड के दक्षिणी तट पर जहाज स्टीफन व्हिटनी के दुर्घटनाग्रस्त होने से 92 लोगों की मौत हुई।
1983 : बिल गेट्स ने विंडोज 1.0 की शुरूआत की।
1986 : बंगलादेश में संविधान दोबारा लागू किया गया।
1989 : जर्मनी के लोगों ने बर्लिन वॉल को गिराना शुरू किया।
1991 : भारत ने विश्व कैरम चैंपियनशिप में टीम खिताब अपने नाम किया।
1997 : चीन-रूस घोषणा पत्र से दोनों देशों के बीच सीमांकन विवाद समाप्त।
1978 : मॉमून अब्दुल गयूम मालदीव के राष्ट्रपति बने।
2001 : तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया।

जहर-घुली आबोहवा में जिंदगी

मानवीय गतिविधियों और तकनीकी उपकरणों के अत्यधिक उपयोग के कारण आजकल वायु अत्यधिक प्रदूषित हो गई है। वायुमंडल में सभी प्रकार की गैसों की मात्रा निश्चित होती है, पर जब किसी कारणवश इनकी मात्रा में परिवर्तन हो जाता है तो वायु प्रदूषण होता है। महानगरों में कल-कारखानों तथा मोटर वाहनों का धुआं और सर्दियों में पराली जलाने से फैलने वाला धुआं वातावरण को इतना दूषित कर देता है कि सांस लेना तक दूभर हो जाता है। मनुष्य कई बीमारियों की चपेट में आ जाता है। सघन आबादी में यह समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि दुनिया के उन क्षेत्रों की स्थिति अधिक खराब है, जहां जनसंख्या अधिक है तथा प्रदूषण से निपटने के लिए वित्तीय और सरकारी संसाधन सीमित हैं। शहरों के विकास के साथ-साथ प्रदूषण भी बढ़ता जाता है। गरीब इलाकों में प्रदूषण से होने वाली मौतें बढ़ रही हैं। बढ़ते औद्योगीकरण और आधुनिक जीवन-शैली के चलते पूरी धरती का संतुलन बिगड़ रहा है। प्रदूषण आज पूरी पृथ्वी के लिए एक बड़ी समस्या बन चुका है। दुनिया के तमाम देश प्रदूषण की समस्या से जूझ रहे हैं। मानवीय गतिविधियों और तकनीकी उपकरणों के अत्यधिक उपयोग के कारण आजकल वायु अत्यधिक प्रदूषित हो गई है। वायुमंडल में सभी प्रकार की गैसों की मात्रा निश्चित होती है, पर जब किसी कारणवश इनकी मात्रा में परिवर्तन हो जाता है तो वायु प्रदूषण होता है। महानगरों में कल-कारखानों तथा मोटर वाहनों का धुआं और सर्दियों में पराली जलाने से फैलने वाला धुआं वातावरण को इतना दूषित कर देता है कि सांस लेना तक दूभर हो जाता है। मनुष्य कई बीमारियों की चपेट में आ जाता है। सघन आबादी में यह समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है। आधुनिक विकास के साथ-साथ जल प्रदूषण की समस्या भी अत्यंत गंभीर होती जा रही है। औद्योगीकरण और शहरीकरण के चलते शहरों में अनेक प्रकार के उद्योग लग रहे हैं। घरों और कल-कारखानों से निकलने वाला दूषित पानी, कचरा और रासायनिक अपशिष्ट नदियों में मिल कर उन्हें प्रदूषित कर रहे हैं, जिससे अनेक बीमारियां फैल रही हैं। गंदा जल फसलों में जाकर उन्हें भी प्रदूषित कर देता है। इन फसलों से पैदा होने वाला अन्न जब मनुष्य के शरीर में जाता है तो कई तरह की बीमारियों को जन्म देता है। शुद्ध मिट्टी एक प्राकृतिक संसाधन है, यह प्राणियों और वनस्पतियों के जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती है, लेकिन मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए किसान अत्यधिक कीटनाशक और खाद का उपयोग करते हैं, जो कि प्राकृतिक नहीं है और उससे मिट्टी की गुणवत्ता पर असर पड़ता और भूमि प्रदूषण बढ़ता है। संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय उद्यान सेवा (एनपीएस) की रिपोर्ट के अनुसार ध्वनि प्रदूषण स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी गंभीर रूप से नुकसानदायक है। यह इंसानों को ही नहीं, वन्यजीवों को भी गंभीर नुकसान पहुंचाता है। कई शोधकर्ताओं का मानना है कि अगर ध्वनि प्रदूषण लंबे समय तक बना रहे, तो कई पेड़ों की प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं। ध्वनि प्रदूषण शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। जब कृत्रिम स्रोतों से वातावरण में प्रकाश की मात्रा इतनी अधिक हो जाती है कि प्रकृति पर इसका नकारात्मक प्रभाव पैदा होने लगता है, तो इसे प्रकाश प्रदूषण कहते हैं। प्रकाश प्रदूषण का केवल मानव जाति पर नहीं, पौधों और जानवरों पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। मुख्य रूप से किसी भी क्षेत्र विशेष की वायु गुणवत्ता और वहां के वायु प्रदूषण को मापने के लिए एक्यूआइ यानी 'एयर क्वालिटी इंडेक्स' का उपयोग किया जाता है। इसके आठ संकेतक होते हैं, जिनमें मुख्य तौर पर पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे संकेतक शामिल होते हैं। इसकी कुछ श्रेणियां होती हैं। मसलन, अगर किसी क्षेत्र की एक्यूआइ 0 से 50 है, तो यह माना जायेगा कि वहां की वायु गुणवत्ता बहुत अच्छी है। अगर किसी क्षेत्र का एक्यूआइ 51-100 है तो वहां की वायु गुणवत्ता संतोषजनक है। अगर एक्यूआइ 201-300 है, तो वायु गुणवत्ता खराब और 301-400 है, तो बहुत खराब मानी जायेगी और अगर किसी क्षेत्र का एक्यूआइ 401-500 है तो वहां की हवा में प्रदूषण की स्थिति बहुत अधिक गंभीर मानी जाती है। एक नए अध्ययन के अनुसार, हर साल वैश्विक स्तर पर लगभग नब्बे लाख लोगों की मृत्यु का कारण प्रदूषण ही है। साल 2000 के बाद दूषित वायु से मरने वालों की संख्या लगभग पचपन फीसद तक बढ़ गई है। भारत में हर साल करीब चौबीस लाख और चीन में करीब बाईस लाख लोगों की प्रदूषण के कारण असमय मृत्यु हो जाती है।

■ रंजना मिश्रा

कसौटी पर निजता

हमारी सूचनाओं की गोपनीयता अनावश्यक रूप से भंग न हो, इसकी सुरक्षा के लिए सरकार ने डिजिटल निजी डेटा सुरक्षा बिल, 2022 के ड्राफ्ट पर इस माह के सत्रह दिसंबर तक सुझाव मांगे हैं। इस कानून पर विवाद के मुख्य विषय हैं कि किन सूचनाओं को आवश्यक माना जाए और किन्हें अहस्तक्षेप की रणनीति के तहत गोपनीय रखा जाए। लेकिन हम राष्ट्र की एकता, अखंडता, संप्रभुता, जनकल्याण आदि से समझौता नहीं कर सकते हैं और न ही इसकी आड़ में वैयक्तिक गोपनीयता को कुचल सकते हैं। दूसरा मुद्दा है- वर्तमान डिजिटलीकरण युग की एक समांतर दुनिया में हो रहे डेटा के अबाध खेल पर कैसे लगाम लगाई जाए?वर्तमान में हम तकनीकी, सूचना और संचार के युग में जी रहे हैं। जहां चाहे-अनचाहे निजी जीवन से जुड़ी अनेक सूचनाएं साझा करनी पड़ती है। ये गोपनीय और बेहद संवेदनशील भी हो सकती हैं। इन सूचनाओं की सुरक्षा उतनी ही आवश्यक है, जैसे कि भोजन के लिए खाद्य सुरक्षा। गौरतलब है कि इन सूचनाओं का अनावश्यक सार्वजनिक होना किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास को बाधित करने से लेकर उसके जीवन की अंतिम सांस लेने तक के लिए बाध्य कर सकता है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान तकनीकी युग में सर्वाधिक दुरुपयोग इन गोपनीय सूचनाओं का हो रहा है। हमारे पास कोई मजबूत नियंत्रक मशीनरी या कानून नहीं, जिससे दुरुपयोगकर्ता को कठघरे में खड़ा किया जा। सर्वोच्च न्यायालय ने 2017 के केएस पुट्टास्वामी मामले में गोपनीयता को मूल अधिकार माना है। अपने अन्य निर्णय मेनका गांधी केस में भी गोपनीयता को व्यक्तिगत स्वतंत्रता का पूरक कहा है। यहां तक कि मानवाधिकार की सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद 12 में गोपनीयता को एक मानवाधिकार का दर्जा दिया गया है। प्रश्न है गोपनीयता को मिली सैद्धांतिक स्वीकृति के बावजूद व्यावहारिकता में इसे लाने पर विवाद क्यों हैं? सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 8(जे) की आड़ में संस्थागत गोपनीयता एवं लोक कल्याण का विषय नहीं है। इसका हवाला देते हुए लगभग एक तिहाई पूछे गये सवाल खारिज कर दिये जाते हैं। प्रश्न है कि संस्थागत गोपनीयता कैसे परिभाषित हो? इसी प्रकार श्रेया सिंघल मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने इंटरनेट पर अभिव्यक्ति को मूल अधिकार बताया। लेकिन यह निरपेक्ष तो नहीं है। हमारी भी कुछ जवाबदेही और जिम्मेदारियां हैं।

■ मोहम्मद जुबैर

पांच साल बाद सरकार बदलने का रिवाज

हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा चुनावों, देश के विभिन्न हिस्सों में विधानसभा की छह सीटों और लोकसभा की एक सीट के लिए हुए उपचुनावों ने देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। गुजरात के नतीजों ने तो राजनीतिक चर्चा में एक जबर्दस्त गर्मी ही ला दी है। यहां मिली बीजेपी की भारी विजय को तरह-तरह से परिभाषित किया जा रहा है। ज्यादातर विश्लेषणों का सार यही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मैजिक बरकरार है और इस मैजिक के 2024 के लोकसभा चुनावों में दोहराने की पूरी संभावना है। गुजरात में कांग्रेस के बेहद खराब प्रदर्शन ने इस तर्क धारणा के लिए मजबूत आधार दिया है। हिमाचल में कांग्रेस ने बीजेपी से सत्ता छीन ली है, लेकिन उसे यह बता कर खारिज किया जा रहा है कि वहां हर पांच साल के बाद सरकार बदलने का रिवाज पिछले कई चुनावों से बना हुआ है। छह विधानसभा सीटों में से चार पर विपक्षी पार्टियों की जीत को भी महत्वहीन करार किया जा रहा है कि ये स्थानीय मामले हैं। पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह के निधन से खाली हुई उत्तर प्रदेश की मैनपुरी सीट पर उनकी बहू डिंपल यादव की जीत को सहानुभूति की वजह से हुई जीत बताया जा रहा है। क्या ये विश्लेषण तार्किक हैं? क्या अलग-अलग नतीजों के विश्लेषण के लिए अलग-अलग मापदंड अपनाए जाएं? **समग्रता में देखने की जरूरत :** सभी नतीजों को एक साथ देखने पर मैजिक बरकरार होने का दावा उस प्रचार अभियान का हिस्सा लगता है, जो 2024 के लोकसभा चुनावों के मद्देनजर बीजेपी ने काफी पहले से चला रखा है। क्या हम इसे नजरअंदाज कर सकते हैं कि दो में से एक राज्य की सत्ता बीजेपी ने गंवा दी है? दोनों राज्यों में पार्टी ने प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर ही वोट मांगे थे। दोनों जगह बीजेपी और प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार की उपलब्धियां भी गिनाई थीं और डबल इंजन सरकार के फायदे भी गिनाये थे। दिल्ली एमसीडी में भी बीजेपी ने सत्ता गंवाई है। यह बात तो सही है कि एमसीडी इलेक्शन की विधानसभा और लोकसभा के चुनावों के साथ तुलना नहीं की जानी चाहिए, लेकिन यह भी सच है कि बीजेपी ने देश में होने वाले हर स्तर के चुनावों का स्वरूप बदल दिया है। निकाय चुनावों में भी वह केंद्रीय मंत्रियों और राष्ट्रीय स्तर के नेताओं को प्रचार के लिए उतारती है और राष्ट्रीय सवालों और प्रधानमंत्री की छवि के इस्तेमाल से परहेज नहीं करती। **उपचुनावों के नतीजे :** विधानसभा के उपचुनावों में बीजेपी ने छह में से दो सीटें विपक्ष से छीन ली हैं। इनमें बिहार की कुढनी सीट पर उसकी विजय वाकई महत्वपूर्ण है। वैसे जीत का अंतर ज्यादा नहीं है। उसने महागठबंधन के जेडीयू उम्मीदवार को सिर्फ तीन हजार से कुछ ज्यादा मतों से ही हराया है। दूसरी सीट उसने उत्तर प्रदेश के रामपुर में समाजवादी पार्टी से जीती है। बाकी जगहों पर संबंधित प्रदेशों की सत्ता संभाल रही पार्टियों ने विजय पाई। उड़ीसा में बीजेडी, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस ने अपनी सीटें जीत लीं। यह तो ध्यान में रखना ही पड़ेगा कि इन उपचुनावों का चेहरा भी प्रधानमंत्री मोदी ही थे, भले ही उन्होंने वहां प्रचार नहीं किया। उत्तर प्रदेश की खतौली की सीट पर आरएलडी की विजय को तो बीजेपी के हिंदुत्व के खिलाफ पुराने सामाजिक समीकरणों की वापसी के रूप में देखा जा रहा है। बिहार की कुढनी और उत्तर प्रदेश की रामपुर सीटों पर विजय को विश्लेषित करने से यही जाहिर होता है कि इसमें सांगठनिक कौशल ने अहम भूमिका निभाई है। लेकिन रामपुर में मिली विजय पर जश्न मनाना लोकतंत्र के व्यापक संदर्भ में सही नहीं है। वहां सिर्फ 31 प्रतिशत मतदान हुआ था। समाजवादी पार्टी का आरोप है कि उसके समर्थकों को मतदान केंद्रों पर आने से रोका गया। वजह कोई भी हो मतदान में आई कमी, वह भी अल्पसंख्यक बहुल इलाके में, लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। **कम मत प्रतिशत :** अंत में हम गुजरात के चुनाव नतीजों पर आएं, जिसमें बीजेपी के प्रचारतंत्र और मुख्यधारा के मीडिया के एक बड़े हिस्से को मोदी का मैजिक दिखाई दे रहा है। क्या इस दावे में दम है? असल में, गुजरात चुनावों की कहानी वहां मतदान के प्रतिशत में आई कमी से शुरू होती है। अगर वास्तव में कोई मैजिक काम कर रहा होता तो मतदान के प्रतिशत में कमी कैसे आती? प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने अपने गृहराज्य में प्रचार काफी पहले से चला रखा था, लेकिन यह लोगों को मतदान केंद्रों तक खींच लाने में कामयाब नहीं हुआ। क्या यह चुनाव आयोग और प्रधानमंत्री मोदी के साथ-साथ कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के लिए भी चिंता का विषय नहीं होना चाहिए? इसमें कोई संदेह नहीं कि गुजरात में बीजेपी को भारी विजय मिली है। बीजेपी ने इस बार 156 सीटें हासिल कर 1985 में कांग्रेस को हासिल 149 सीटों का रेकॉर्ड तोड़ा है।

■ अनिल सिन्हा

धर्म दर्शन

श्री मद्देवी भागवतमाहात्म्यम्

अथ प्रथमोऽध्यायः

कृश शरीरवाले वे दुःखित पाण्डव मृगचर्म पहनकर ब्राह्मणका वेश धारण करके वहाँ गये और द्रुपदकी स्वयंवर सभामें जा पहुँचे वहाँपर अर्जुन अपने पराक्रमका प्रदर्शन करके द्रुपद-पुत्री द्रौपदीको जीतकर ले आये। पुनः माता कुन्तीके आदेशसे पाँचों भाइयोंने मानिनी द्रौपदीके साथ विवाह किया ॥ 52-53 ॥

उनका विवाह देखकर मैं परम प्रसन्न हुआ। हे मुने! तत्पश्चात वे सभी द्रौपदीसहित हस्तिनापुर चले आये ॥ 54 ॥

धृतराष्ट्रने उन पाण्डवोंके रहनेके लिये खाण्डवप्रस्थ देनेका निश्चय किया। हे द्विजश्रेष्ठ नारद! वसुदेवनन्दन भगवान श्रीकृष्णने अर्जुनके साथ अग्निदेवको किया। पाण्डवोंने जब राजसूय यज्ञ किया तब मैं बहुत प्रसन्न हुआ ॥ 55-56 ॥

उन पाण्डवोंका वैभव तथा मय दानवद्वारा निर्मित की गयी सभाको देखकर दुर्योधन अत्यन्त दुःखित हुआ और उसने द्यूतक्रीडाकी योजना बनायी। शकुनि कपटपूर्ण द्यूतमें अति निपुण था तथा धर्मराज युधिष्ठिर पासेके खेलसे अनभिज्ञ थे। अतएव दुर्योधनने [द्यूतक्रीडाके माध्यमसे] पाण्डवोंका सम्पूर्ण राज्य तथा धन छीन लिया तथा द्रौपदीको भी अपमानित किया। दुर्योधनने द्रौपदीसहित पाँचों पाण्डवोंको बारह वर्षकी अवधितक वनमें निवास करनेके लिये निर्वासित कर दिया; इससे मुझे बहुत दुःख हुआ ॥ 57-59 ॥

हे नारद! इस प्रकार सनातन धर्मको जानते हुए भी मैं सुख तथा दुःखसे पूर्ण इस संसारमें भ्रमसे ही बन्धनमें पड़ा हूँ। मैं कौन हूँ, ये किसके पुत्र हैं, यह किसकी माता है और सुख क्या है? जिससे मेरा मन मोहित होकर दिन-रात इन्होंमें भ्रमण करता रहता है। 60-61 ॥

मैं क्या करूँ, कहाँ जाऊँ? किसी प्रकारसे भी मुझे सन्तोष नहीं मिलता। दोलायमान मेरा चंचल मन स्थिर नहीं हो पा रहा है ॥ 62 ॥

हे मुनिश्रेष्ठ! आप सर्वज्ञ हैं, अतएव मेरे सन्देहका निवारण कीजिये। आप कोई ऐसा उपाय कीजिये, जिससे मैं सन्तापरहित होकर सुखी हो जाऊँ ॥ 63 ॥

व्यासजी बोले - [हे राजन्!] तब परमार्थवेत्ता नारदजी मेरी बात सुननेके पश्चात मोहका कारण पूछनेवाले मुझसे मुसकराकर कहने लगे ॥ 1 ॥

नारदजी बोले - हे पुराणवेत्ता व्यासजी ! आप क्या पूछ रहे हैं? यह पूर्णरूपसे निश्चित है कि इस संसारमें रहनेवाला कोई भी प्राणी मोहसे परे हो ही नहीं सकता ॥ 2 ॥

- क्रमशः

संपादक के नाम पाठकों की पाती

अशब्द का प्रयोग न करें

हम किसी भी शहर में चले जायें, वहां पर लोग आपस में बातचीत में धड़ल्ले से गाली का प्रयोग करते हैं। यह हमारे लिए काफी शर्म की बात है। कई लोग तो ऐसे हैं जो अपना एक भी वाक्य बिना गाली की नहीं करते हैं। कई शहरों में किसी खास गाली का प्रचलन रहता है। इन गालियों में मां-बहनों को अपमानित किया जाता है। गाली देने से ही हम समझ जाते हैं कि वह व्यक्ति कैसे परिवार से संबंध रखता है। उसमें अच्छे संस्कारों की कमी है। कई जगहों पर तो महिलाओं को भी बेधड़क गाली देते देखा जा सकता है। गाली देने वालों को कभी भी सभ्य नहीं कहा जा सकता है। इस बारे में ना तो सामाजिक संस्था पहल करती है और ना ही सरकारी पहल होती है। अगर हमारी जुबान ही गंदी होगी तो हम अपने शहर व समाज को साफ कैसे रखेंगे? मैं आपके लोकप्रिय हिंदी दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से लोगों से अपील करता हूं कि अपनी बातचीत में गाली का प्रयोग नहीं करें। ना ही किसी को करने दें। इस तरह की गाली से हमारे आसपास की महिलाओं को शर्मिंदा होना पड़ता है। गाली देकर हम अपनी बहादुरी प्रकट करने की कोशिश करते हैं जो शर्मनाक है। कई जगहों पर कई तरह की गालियों का प्रयोग किया जाता है,जिसकी चर्चा करना भी शर्मनाक है। इन गालियों के प्रयोग से महानगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र प्रभावित हैं । जिस प्रकार स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है । उसी प्रकार जुबान की गंदगी को भी साफ करने का अभियान चलाना चाहिए,जिससे की आम बातचीत में लोग गाली का प्रयोग नहीं करें। वहीं कई पढ़े-लिखे लोग भी गाली प्रयोग अंग्रेजी में कर अपने को पढ़ा लिखा साबित करने की कोशिश करते हैं,लेकिन गाली तो गाली है। इनको कहने व सुनने से हमें दूर रहना चाहिए और इसे सामाजिक बुराई मानकर इसे खत्म करना चाहिए।

■ कुमार प्रताप, मेदिनीनगर।

मोदी के जादू का जलवा अब भी कायम है

कमोबेश एक ही अवधि में हुए हिमाचल, गुजरात विधानसभा और दिल्ली के नगर निगम चुनाव के परस्पर विरोधी परिणामों की व्याख्या वोटरों की ओर से सभी को खुश करने के रूप में भी की जा सकती है, लेकिन यह जनादेश में छिपे संदेश को नजरअंदाज करने जैसा होगा। वोटर भ्रमित किये जा सकते हैं, लेकिन वे राजनीतिक दलों की तरह रेवड़ियां नहीं बांटते। इसलिए इन तीनों चुनावों के अलग-अलग परिणामों में छिपे संदेश को सही रूप में समझना होगा। गुजरात में बीजेपी की जीत का शोर ज्यादा है। इसलिए बात वहीं से शुरू करते हैं। 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा में 150 से भी ज्यादा सीटें जीत कर बीजेपी ने जो कर दिखाया है, उसके लिए करिश्मा ही सही शब्द है। लेकिन यह सुशासन का कम, राजनीतिक प्रबंधन और अस्मिता के भावनात्मक उभार का परिणाम ज्यादा है। अगर नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनकर दिल्ली आ जाने के बाद भी बीजेपी वहां सुशासन दे पाई होती तो हालिया चुनावों से पहले पूरा मंत्रिमंडल ही नहीं बदलना पड़ा होता। **अमित शाह की व्यूहरचना :** विजय रूपानी की जगह पहली बार के विधायक भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाकर पूरा मंत्रिमंडल बदलने भर से 27 साल बाद भी सत्ता बरकरार रखना संभव नहीं दिखा, तभी तो इसी साल मार्च में हुए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी सीधे गुजरात पहुंचे। लेकिन उसके बाद मोदी को गुजरात अस्मिता का प्रतीक बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जैसी चुनावी व्यूह रचना की, उसने यह करिश्मा मुमकिन कर दिखाया। बेशक इसमें कांग्रेस की दिशाहीनता की भी बड़ी भूमिका रही। पाटीदार आंदोलन से पैदा हुए हालात में 2017 में राहुल गांधी की लीडरशिप में कांग्रेस ने पूरी ताकत और आक्रामक रणनीति के साथ विधानसभा चुनाव लड़ा था। इसलिए तब बीजेपी को 99 सीटों पर समेटते हुए कांग्रेस 77 सीटें जीतने में सफल रही थी। पिछली बार भी अरविंद केजरीवाल की आप ने गुजरात में किस्मत आजमाई थी, लेकिन सीट तो बहुत दूर, उसे मत एक प्रतिशत से कम हासिल हुए थे। इस बार चुनावी परिदृश्य और परिणाम पूरी तरह बदल गए तो इसलिए कि पिछले चुनाव में कांग्रेस की रणनीति के प्रमुख हथियार रहे अल्पेश ठाकुर और हार्दिक पटेल बीजेपी के पाले में खड़े नजर आए और खुद कांग्रेस पूरी तरह दिशाहीन दिखी। पिछले चुनाव में कमान संभालने वाले राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा से एक दिन निकाल कर दो रैलियां करना ही पर्याप्त समझा। पहले दिल्ली और फिर पंजाब से कांग्रेस को बेदखल करने के बाद आप ने इस बार गुजरात में पूरी ताकत झोंक दी। बेशक संगठनात्मक मजबूती के बिना वह चौंकाने वाले नतीजे नहीं दे पाई, लेकिन 13 प्रतिशत मत हासिल करते हुए उसने कांग्रेस को 27 प्रतिशत मत और 17 सीटों पर समेट दिया। इसलिए मोदी मैजिक की लहर पर सवार बीजेपी ने 53 प्रतिशत मत और 156 सीटें हासिल कर इतिहास रच दिया। **राजनीतिक कौशल :** राजनीति में असंभव कुछ नहीं होता, पर कांग्रेस के रंग-ढंग से नहीं लगता कि उसके लिए गुजरात में फिर से खड़े हो पाना आसान होगा। बहरहाल, गुजरात में पूरा मंत्रिमंडल बदल कर यदि बीजेपी अपनी सत्ता बचा पाई तो उसके नेतृत्व की राजनीतिक और चुनावी प्रबंधन कला की प्रशंसा तो करनी ही पड़ेगी। ऐसा करने से अन्य राजनीतिक दलों को किसने रोका है? सच तो यह है कि अन्य दल भी अपनी समझ और सामर्थ्य के अनुसार ऐसी कवायद करते रहते हैं। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले सत्ता विरोधी भावना की काट के नाम पर ही कांग्रेस ने पहले प्रदेश अध्यक्ष और फिर मुख्यमंत्री बदला था, पर बात नहीं बनी। **ब्रैंड मोदी की सीमाएं :** इसमें दो राय नहीं कि लगभग साढ़े आठ साल के बाद भी भारतीय राजनीति में मोदी मैजिक बरकरार है, पर उसकी सीमाएं भी उजागर होने लगी हैं। गृह राज्य गुजरात की बात अलग है, वरना मोदी मैजिक केंद्र सरकार के चुनाव में ही ज्यादा कारगर नजर आता है, जहां उनका विश्वसनीय विकल्प तो दूर, उनके आसपास भी कोई नजर नहीं आता।

■ राज कुमार सिंह

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं डीबी प्रिंट सौल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लि.) प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड में मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नयी दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com, (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

आहार में कुछ चीजों को शामिल कर दूर कर सकते हैं फैटी लिवर की समस्या

फैटी लिवर की समस्या में ब्रोकली का सेवन करना अच्छा माना जाता है। इससे लिवर मजबूत और सेहतमंद बना रहता है। ब्रोकली में एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से शरीर के टॉक्सिक पदार्थ बाहर निकलते है। आधुनिक खराब जीवनशैली से सबसे ज्यादा असर हमारी सेहत पर पड़ता है। इससे कई लोग ब्लड प्रेशर, थायराइड, हृदय रोग, मधुमेह (डायबिटीज) और लिवर संबंधित बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। लिवर से जुड़ी समस्याओं में सबसे घातक बीमारी फैटी लिवर की मानी जाती है जो समय के साथ-साथ लिवर में फैट बढ़ाती है। इससे ग्रस्त मरीजों में पेट फूलना, सांसो में बदबू, वजन का कम होना, अपच जैसी कई अन्य समस्या होने लगती है।

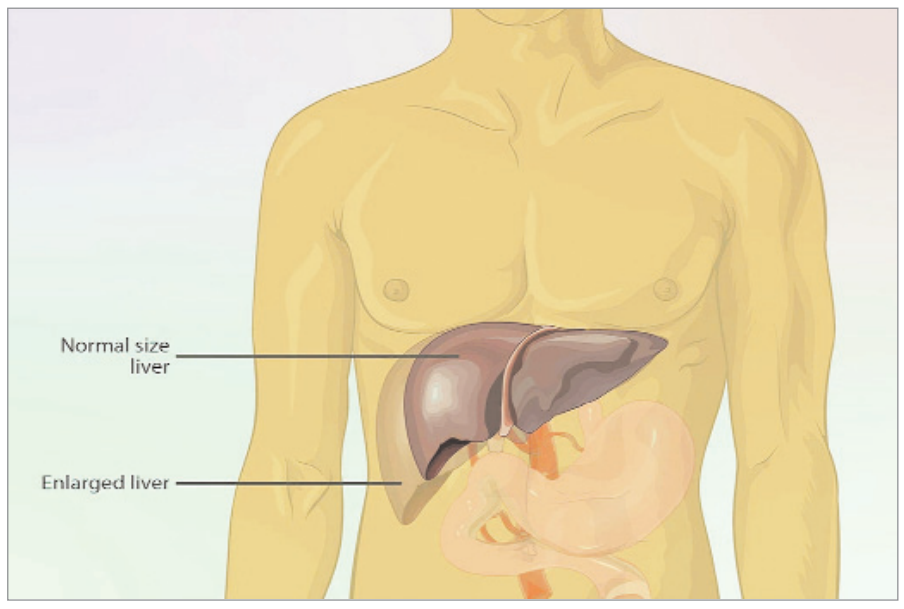

दो प्रकार के होते हैं फैटी लिवर

कुछ लोगों का ऐसा मानना है कि फैटी लिवर की समस्या सिर्फ शराब या मादक चीजों का सेवन करने से होती है। इसका इलाज घरेलू तौर पर करना संभव नहीं है। तो आपको बता दें कि फैटी लिवर दो प्रकार के होते हैं, पहला एल्कोहॉलिक फैटी लिवर है जो शराब के अधिक सेवन करने से होता है। दूसरा नॉन एल्कोहॉलिक फैटी लिवर है जो मोटापे और खाने की अनुचित आदतों वाले लोगों में देखा जाता है।

चिकित्सकों के अनुसार फैटी लिवरी की समस्या में लिवर में सूजन या सिकुड़न आ जाती है। ऐसे में खाने को पचाने में काफी मुश्किल होती है। उल्दी या घबराहट जैसी समस्या भी होने लगती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स कहते हैं कि अपने जीवनशैली में बदलाव और आहार में कुछ चीजों को शामिल कर फैटी लिवर की समस्या को दूर किया जा सकता है, साथ ही इससे लिवर भी मजबूत होता है।

ओट्स : ओट्स में ओमेगा 3 फैटी एसिड और डाइटरी फाइबर मौजूद होता है। इसे अपने आहार में शामिल कर आप लिवर में जमे फैट को कम कर सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स कहते हैं कि ऐसे लोग जो रोजाना ओटमील का सेवन करते हैं उनके शरीर से एक्स्ट्रा चर्बी कम होती है। ऐसे में नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर की बीमारी होने से भी बचा जा सकता है।

अखरोट : अखरोट को अपने आहार में शामिल करके आप लिवरी संबंधित समस्या से बच सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट लिवर को सेहतमंद बनाएं रखने में मदद करता है। इसके अलावा लिवर की हिपेटिक ट्राइग्लिसराइड और सूजन को भी अखरोट के सेवन से कम किया जा सकता है। अगर आप रोजाना अपने नाश्ते में ओट्स के साथ अखरोट का सेवन करेंगे तो आपके लिवर के लिए ये काफी फायदेमंद रहेगा।

ब्रोकली : फैटी लिवर की समस्या में ब्रोकली का सेवन करना अच्छा माना जाता है। इससे लिवर मजबूत और सेहतमंद बना रहता है। ब्रोकली में एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से शरीर के टॉक्सिक पदार्थ बाहर निकलते है। इसके अलावा शरीर में जमा फैट भी कम होता है। ब्रोकली का सेवन करने से ट्राइग्लिसराइड और हिपेटिक मैक्रोफेज को भी कम किया जा सकता है।

ग्रीन टी : ग्रीन टी का सेवन करने से भी फैटी लिवर की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। इससे लिवर मजबूत और हिपेटिक इंफ्लेमेशन कम होता है। ग्रीन टी में भी एंटीऑक्सीडेंट मौजूद है जो लिवर के फैट को कम करता है। रोजान कम से 3 बार ग्रीन टी का सेवन करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

सब्जियां और फल : फैटी लिवर के रोग से ग्रसित रोगियों के लिए फल और सब्जियों का सेवन करना काफी फायदेमंद माना जाता है। इन्हें अपने डाइट में भरपूर मात्रा में फल और सब्जियां शामिल करनी चाहिए। आपके लिए ज्यादा से ज्यादा फल और सब्जियों का सेवन करना अच्छा माना जाता है। इससे लिवर का फैट कम होने के साथ लिवर हेल्दी होता है।

फैटी लिवर में ना खाएं ये चीजें : शराब- फैटी लिवर के मरीजों को शराब का सेवन नहीं करना चाहिए। इसके सेवन से लिवर का फैट कम होने की बजाए बढ़ जाता है। इसके अलावा आपको कई अन्य तरह की बीमारियां अपना शिकार बना सकती हैं।

नमक : फैटी लिवर के मरीजों के लिए नमक का सेवन करना भी हानिकारक साबित हो सकता है। दरअसल, नमक का ज्यादा सेवन करने वाले लोगों के शरीर में अतिरिक्त पानी जमा हो जाता है जो फैटी लिवर के मरीजों के लिए सही नहीं है। इसलिए आपको कम से कम नमक का सेवन करना चाहिए।

शुगर : फैटी लिवर के मरीजों को मीठी चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए। टॉफी, चॉकलेट, फ्रूट जूस, सोडा और कूकीज में चीनी की मात्रा ज्यादा होती है। इसलिए इन चीजों का सेवन करने से भी बचें।

व्हाइट ब्रेड : फैटी लिवर के मरीजों को व्हाइट ब्रेड का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे ब्लड में शुगर की मात्रा बढ़ने की संभावना रहती है। ऐसे में रोगियों के लिए समस्या बढ़ सकती है।

रेड मीट : अगर आप फैटी लिवर की समस्या से परेशान हैं तो आपको रेड मीट और बीफ का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें उच्च मात्रा में सैचुरेटेड फैट मौजूद होता है और ये फैटी लिवर के रोगियों के लिए समस्या बढ़ा सकता है।

फ्राइड और जंक फूड : फैटी लिवर के मरीजों को ऑयली, फ्राइड और जंक फूड का सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि इनमें अधिक फैट और कैलोरी मौजूद होता है, इससे लिवर में फैट बढ़ता है।

❖ कंचन सिंह

मोरक्को आर्गन ऑयल का इस्तेमाल करने से मिलते हैं जबरदस्त फायदे

आर्गन तेल में वसा और एंटीऑक्सिडेंट पाए जाते हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ रहने में मदद कर सकते हैं। वहीं, इसमें विटामिन ई की उच्च सांद्रता प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने में मदद करती है। यह आपकी आंखों और त्वचा को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। मोरक्को आर्गन ऑयल आर्गन के पेड़ों पर उगने वाली गुठली की मदद से बनाया जाता है। इस तेल से व्यक्ति को कई तरह के स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होते हैं। इसे सीधे स्किन पर भी लगाया जा सकता है। इसके अलावा, इसके सप्लीमेंट कैप्सूल का सेवन भी लोग करते हैं। यह आमतौर पर शैंपू, साबुन और कंडीशनर जैसे कई कॉस्मेटिक उत्पादों में मिलाया जाता है। इसके अलावा इसे मेडिकली भी इस्तेमाल किया जाता है। वैसे तो आर्गन के पेड़ मुख्य रूप से मोरक्को में पाए जाते हैं, लेकिन मोरक्को आर्गन ऑयल का इस्तेमाल पूरी दुनिया में किया जाता है।

बेहतर प्रतिरक्षा प्रणाली : हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि आर्गन तेल में वसा और एंटीऑक्सिडेंट पाए जाते हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ रहने में मदद कर सकते हैं। वहीं, इसमें विटामिन ई की उच्च सांद्रता प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने में मदद करती है। यह आपकी आंखों और त्वचा को बेहतर बनाने में भी मदद करता है।

कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण : आर्गन ऑयल के इस्तेमाल का एक लाभ यह भी है कि यह कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण में मदद करता है। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, इसमें पाए जाने वाले फैटी एसिड आपके गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने और बैड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करते हैं, जो संभवतः हृदय रोग के जोखिम को कम करता है।

कैंसर-फाइटिंग गुण : कई अध्ययनों से यह बात सामने आई है कि आर्गन ऑयल यौगिक कैंसर के विकास को धीमा कर सकते हैं और साथ ही साथ कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में मदद करते हैं।

एंटी-एजिंग : आर्गन ऑयल आपकी हेल्थ व स्किन दोनों के लिए ही लाभकारी माना गया है। अपनी त्वचा पर आर्गन का तेल लगाने से स्किन हेल्थ और इलास्टिसिटी में मदद मिलती है। इससे त्वचा में कसावट आती है या झुर्रियां कम होने लगती है, जिससे बढ़ती उम्र के लक्षण दिखाई नहीं देते हैं।

जख्म भरना : त्वचा को जवां बनाए रखने के लिए आर्गन ऑयल में पाए जाने वाले गुण घावों को ठीक करने में भी मदद कर सकते हैं। आर्गन तेल में पाए जाने वाले एंटीऑक्सिडेंट सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। एक शुरूआती अध्ययन से पता चला है कि जब आर्गन तेल नियमित रूप से लगाया जाता है तो बर्निंग स्किन तेजी से ठीक हो जाती है, लेकिन आर्गन ऑयल को आधिकारिक तौर पर निर्धारित किए जाने से पहले मानव परीक्षणों को अभी भी करने की आवश्यकता है।

❖ मिताली जैन

यदि रखना है फेफड़ों को स्वस्थ तो इन चीजों का करें सेवन

बदलते मौसम में भी सेहत का विशेष खयाल रखना पड़ता है। क्योंकि जरा सी भी लापरवाही नुकसानदेह हो सकती है। पर्यावरण प्रदूषण, धुम्रपान, पराली जलाने का धुंआ जैसी चीजें फेफड़ों की गतिविधियों पर नकारात्मक असर डालती हैं, जिससे फेफड़ों से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं।

पूरे भारत में लॉकडाउन जैसे-जैसे खुलने लगा है, वैसे ही प्रदूषण का स्तर भी वापस से बढ़ने लगा है। ऐसे में सेहतमंद रहने के लिए लंग्स का स्वस्थ रहना बेहद जरूरी हो गया है। लोग कोरोना संक्रमण के दौर में लंग्स का ज्यादा ख्याल रखने लगे हैं। बदलते मौसम में भी सेहत का विशेष खयाल रखना पड़ता है। क्योंकि जरा सी भी लापरवाही नुकसानदेह हो सकती है। पर्यावरण प्रदूषण, धूम्रपान, पराली जलाने का धुंआ जैसी चीजें फेफड़ों की गतिविधियों पर नकारात्मक असर डालती हैं, जिससे फेफड़ों से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि आप अपने फेफड़ों की उचित देखभाल के लिए डाइट में कुछ चीजों को शामिल करें। जिससे आप अपने फेफड़ों को हेल्दी रख सकते हैं।

हल्दी : वैसे तो हर एक भारतीय व्यंजन में हल्दी का इस्तेमाल होता ही है लेकिन यह स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद भी है। क्योंकि इसमें कई एंटी-ऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो हमें संक्रमण से दूर रखते हैं। सीने में जकड़न, भारीपन, सांस लेने में दिक्कत, जैसी समस्या में हल्दी का सेवन फायदेमंद होता है।

पेपरमिंट टी : यदि हमें लंग्स को स्वस्थ रखना है तो डाइट में पेपरमिंट टी को जरूर शामिल करना चाहिए। पेपरमिंट टी का सेवन लंग्स की सफाई करने का काम करता है, जिससे लंग्स हेल्दी रहते हैं। आप दिन में एक से दो बार पेपरमिंट टी का सेवन कर सकते हैं क्योंकिल यह लंग्स को इफेक्शन से लड़ने के लिए मजबूत बनाता है।

शहद : शहद में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो लंग्स को मजबूत बनाए रखने में सहायक होते हैं। आप फेफड़ों का डिटॉक्सिफिके शन करने के लिए सुबह एक गिलास नींबू पानी में शहद का सेवन कर सकते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है और फेफड़ों की कई समस्याओं को दूर रखता है।

टमाटर : टमाटर में लाइकोपीन नामक तत्व होता है, जो कि एक कैरोटीनॉयड एंटीऑक्सिडेंट है। यह फेफड़ों के स्वास्थ्य में सुधार लाने में मदद करता है। टमाटर को अपनी डाइट में शामिल करने से लंग्स की तकलीफ को कम किया जा सकता है।

ब्रोकली : ब्रोकली एक बड़ी ही फायदेमंद सब्जी है, जिसे अलग-अलग तरीके जैसे सब्जी बनाकर, सलाद या फिर स्नैक्स में खा सकते हैं। ब्रोकली में एंटी-ऑक्सीडेंट्स के अलावा कई ऐसे गुण होते हैं जो सांस से जुड़ी परेशानियों से राहत दिलाने में कारगर है। यदि फेफड़ों को मजबूत बनाना है, तो अपनी डाइट में ब्रोकली को जरूर शामिल करें।

सेब व अनार : यह दोनों ही फल लंग्स की क्लीनिंग में बड़ा रोल प्ले करता है। सेब में विटमिन ई और सी दोनों पाए जाते हैं। लंग्स कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचने के लिए आपको अपनी डेली डायट में एक अनार और एक सेब जरूर शामिल करना चाहिए। आप चाहें तो इनका जूस भी पी सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि जूस ताजे फलों से बना हुआ हो, ना कि आपको पैक्ड जूस लेना है।

❖ शैव्या शुक्ला

सौराष्ट्र की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाला शहर है भावनगर

भावनगर देश का एक महत्त्वपूर्ण वाणिज्यिक एवं औद्योगिक केंद्र भी है क्योंकि यहाँ कताई और बुनाई मिलें हैं। इसके अलावा यहाँ धातु-शिल्प, टाइल व ईंट बनाने के कारखाने, लोहे का ढलाईखाना और रासायानिक संयंत्र भी हैं। गुजरात के भावनगर शहर को तालाबों और मंदिरों का घर भी कहा जाता है। गुजरात के पश्चिम भाग में स्थित इस शहर की स्थापना सन् 1743 में भावसिंहजी गोहिल द्वारा की गयी थी। इतिहास में उल्लेख मिलता है कि उनके पूर्वज राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र से यहाँ आए थे। उस समय यह एक फलता-फूलता बंदरगाह था। भावनगर लगभग दो शताब्दी तक बड़ा बन्दरगाह बना रहा और यहाँ से अफ्रीका, मोजांबिक, जंजीबार, सिंगापुर और खाड़ी के देशों के साथ व्यापार चलता था। अब तो घोंघा और अलंग बंदरगाह पर जहाज तोड़ने का बहुत बड़ा उद्योग विकसित हो चुका है जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला हुआ है। यह शहर 1947 तक एक रियासत की राजधानी था जिसका बाद में भारतीय संघ में विलय हो गया था।

भावनगर का विक्टोरिया पार्क पक्षी प्रेमियों और प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है माना जाता है। इसके अलावा पर्यटकों के लिए शत्रुंजय हिल पर स्थित जैन मंदिर पलिताना और वेलवदर अभ्यारण्य है। दरबारगढ़ (शाही निवास) भावनगर के मध्य में स्थित है। बताया जाता है कि भावनगर के शासकों ने मोतीबाग और नीलमबाग महल को अपना स्थाई निवास बनाया था। यहां गाँधी स्मृति संग्रहालय है जहां गांधीजी से संबंधित पुस्तकें और गांधीजी के फोटो देखे जा सकते हैं। यहाँ पर सौराष्ट्र की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाली सामग्री का अच्छा-खासा संग्रह है। इसके अलावा भावनगर में बर्टन पुस्तकालय और तक्तेश्वर मंदिर भी प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं।

भावनगर देश का एक महत्त्वपूर्ण वाणिज्यिक एवं औद्योगिक केंद्र भी है क्योंकि यहाँ कताई और बुनाई मिलें हैं। इसके अलावा यहाँ धातु-शिल्प, टाइल व ईंट बनाने के कारखाने, लोहे का ढलाईखाना और रासायानिक संयंत्र भी हैं। यहाँ केंद्रीय लवण एवं समुद्री रसायन शोध संस्थान भी है। इसके अलावा बंदरगाह पर स्थित लॉक गेट पूरे एशिया में अनोखा माना जाता है। साथ ही भावनगर में पढ़ाई के अनेकों अच्छे और बड़े संस्थान हैं जिनमें पढ़ाई के लिए देशभर से छात्र आते हैं।

भावनगर आने की योजना बना रहे हैं तो आपको बता दें कि यह शहर देश के अन्य भागों से हवाई, रेल और सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा गुजरात राज्य परिवहन की बसें और प्राइवेटबसें इस शहर को गुजरात के अन्य शहरों से जोड़ती हैं।

❖ प्रीटी

जीवनसाथी में ये क्वालिटी ढूंढ़ती हैं लड़कियां

लड़कों की तुलना में लड़कियां अपने लिए पार्टनर चुनने में थोड़ी सावधानियां बरतती हैं। लड़कियां अपने लिए ऐसा लाइफ पार्टनर चाहती है, जो हर परिस्थिति में उनके कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहे। इसके अलावा लड़कियां आत्मनिर्भर लड़कों को अपना जीवनसाथी बनाना पसंद करती है। जीवन में लोगों को कई पड़ाव पार करने पड़ते हैं, जिनमें से शादी भी एक है। शादी एक खूबसूरत रिश्ता है, इसके साथ ही यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी है। शादी के बाद लोग हमेशा के लिए एक ही व्यक्ति के होकर रह जाते हैं। इसलिए लड़का-लड़की बहुत ही सोच-समझकर अपने लिए पार्टनर का चुनाव करते हैं। लड़कों की तुलना में लड़कियां अपने लिए पार्टनर चुनने में थोड़ी सावधानियां बरतती हैं। लड़कियां अपने लिए ऐसा लाइफ पार्टनर चाहती है, जो हर परिस्थिति में उनके कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहे। इसके अलावा भी लड़कियों को अपने लाइफ-पार्टनर में कई अन्य खुबिया भी चाहिए होती है, जिनके बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं। लड़कियां आत्मनिर्भर लड़कों को अपना जीवनसाथी बनाना पसंद करती है। आत्मनिर्भर लड़के, अपनी पार्टनर को खुश रखने के लिए किसी दूसरे पर निर्भर नहीं होते हैं। वह अपने भविष्य से जुड़े फैसले भी खुद लेने में सक्षम होते हैं। इतना ही नहीं ऐसे लड़के अपनी और अपने पार्टनर की प्राथमिकता को बहुत अच्छे से समझते हैं और उन्हें महत्व देना बहुत अच्छे से जानते हैं।

लड़के अपने गुस्से के लिए जाने जाते हैं, लेकिन लड़कियों को शांत रहने वाले जीवनसाथी की चाहत होती है। लड़कियों को ऐसा जीवनसाथी चाहिए जो किसी खराब परिस्थिति में गुस्से की बजाय शांति से काम लेना जानता हो। तनावपूर्ण परिस्थितियों में शांत रहने वाले लड़कों के साथ लड़कियां अच्छे से एडजस्ट कर लेती हैं। ऐसे लड़के अपने अनुभवों से सीखते हैं। गुस्से में वह सभी चीजों को अच्छे से देखते हैं और फिर अपनी भावनाओं को सही ढंग से व्यक्त करते हैं।

लड़कियों को ऐसे लड़के चाहिए जो उनके करियर और अन्य चीजों से जुड़े फैसलों में समर्थन कर सकें। हर लड़की एक सपोर्ट करने वाला जीवनसाथी चाहती है। ऐसे लड़के जो अपनी पार्टनर के फैसले का समर्थन करते हैं, उनका शादीशुदा जीवन बड़ी खुशहाली से गुजरता है। सपोर्ट करने वाला पार्टनर, बुरे वक्त में आपको अच्छा फील करवाता है। इसके अलावा वह हमेशा आपको आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

आज का राशिफल

मेष राशि : मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में संयत रहें। कारोबार में वृद्धि होगी। आय में भी बढ़ोतरी होगी। क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा के मनोभाव रहेंगे।

वृष राशि : वाणी में मधुरता रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन राशि : पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार से आय में वृद्धि होगी, परन्तु कुछ व्यवधान भी आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

कर्क राशि : परिश्रम अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में मधुरता रहेगी। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। धन की स्थिति में सुधार होगा।

सिंह राशि : नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या राशि : आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी।

तुला राशि : नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। पदोन्नति के अवसर मिल सकते हैं। उच्च पद की प्राप्ति होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

वृश्चिक राशि : कारोबार में लाभ में वृद्धि होगी। किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में विवाद की स्थिति से बचें।

धनु राशि : किसी मित्र का आगमन हो सकता है। किसी नए कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। भागदौड़ की अधिकता रहेगी।

मकर राशि : व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में मान-सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

कुंभ राशि : सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। पिता का सहयोग मिल सकता है। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिलेगा। धन की प्राप्ति हो सकती है। मानसिक शान्ति तो रहेगी, परन्तु खर्चों की अधिकता से परेशान हो सकते हैं।

मीन राशि : किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी में विदेश यात्रा का अवसर मिल सकता है।

न्यूज गैलरी

नोएडा सेक्टर 151-ए में बनेगा नया गोल्फ कोर्स, 40 फीसदी काम पूरा, रजिस्ट्रेशन शुरू

नयी दिल्ली (एजेंसी)। गोल्फर्स के लिए अच्छी खबर है। एनसीआर में गोल्फ के शौकीन प्लेयर्स के लिए जल्द ही नोएडा के सेक्टर 151 ए में नया गोल्फ कोर्स बनकर तैयार हो जाएगा। अभी कोर्स का 40 फीसदी काम पूरा हो चुका है, यह दिसंबर 2023 तक पूरा होने की उम्मीद है। रजिस्ट्रेशन करवाने वालों को अभी सेक्टर 38 ए में स्थित पुराने गोल्फ कोर्स पर सुविधा दी जाएगी। हालांकि इस सुविधा को लेने के लिए पूरी राशि जमा करवानी होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक नए गोल्फ कोर्स में सामान्य वर्ग के लोगों को सदस्यता के लिए 10 लाख रुपए और आरक्षित वर्ग के लोगों को तीन लाख रुपये देने होंगे। प्रबंधन ने अब तक नए कोर्स के लिए 700 प्लेयर्स की रजिस्ट्रेशन कर ली है।

अमृतसर में हुआ लखनऊ से आ रही हॉकी विश्व कप ट्रॉफी का स्वागत

अमृतसर (एजेंसी)। एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप की ट्रॉफी अपनी 50-दिवसीय भारत यात्रा के 10वें दिन बुधवार को पंजाब के अमृतसर शहर पहुंच गई। सुरजीत हॉकी सोसायटी के महासचिव सुरिंदर सिंह भापा ने यहां अमृतसर एयरपोर्ट पर लखनऊ से आ रही ट्रॉफी का स्वागत किया। ओलंपियन सुरिंदर सिंह सोढ़ी, आईपीएस (सेवानिवृत्त), हॉकी पंजाब के अध्यक्ष नितिन कोहली और महासचिव ओलंपियन हरप्रीत सिंह मंदर भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने पांच दिसंबर को हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की को ट्रॉफी सौंपकर एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 का ट्रॉफी दौरा शुरू किया था। भुवनेश्वर लौटने से पहले प्रतिष्ठित ट्रॉफी 12 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की यात्रा करेगी। ट्रॉफी इस 21 दिवसीय दौरे में पश्चिम बंगाल, मणिपुर, असम, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, नयी दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में घूमते हुए दिसंबर के अंत में ओडिशा लौटेगी, जहां 13 जनवरी 2023 से विश्व कप खेला जायेगा।

अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता देहरादून में शुरू

देहरादून (एजेंसी)। पुलिस और सशस्त्र बलों की 26 टीम के 316 तीरंदाज बुधवार को यहां आरंभ हुई 11वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल करने का प्रयास करेंगे। इस पांच दिवसीय टूर्नामेंट में 196 पुरुष और 120 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यहां पुलिस लाइन में प्रतियोगिता के शुरू होने की घोषणा करते हुए विभिन्न राज्यों एवं सशस्त्र बलों से पहुंचे तीरंदाज खिलाड़ियों का स्वागत किया। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने कहा कि प्रदेश में अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन पहली बार हो रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे व महिला टी-20 विश्व कप के लिए पाक टीम घोषित

कराची (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के आगामी एकदिनी और टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और दक्षिण अफ्रीका में खेले जाने वाले 2023 महिला टी20 विश्व कप के लिए के लिए तेज गेंदबाज डायना बेग की पाकिस्तान की 15 सदस्यीय महिला टीम में वापसी हुई है। अनुभवी बेग हाल के महीनों में कंधे की चोट के कारण टीम से बाहर रही हैं। वह आयरलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भी टीम का हिस्सा नहीं थीं। पाकिस्तान के लिए उन्होंने आखिरी बार एशिया कप में थाईलैंड के खिलाफ खेला था। बायें हाथ की स्पिनर सादिया इकबाल और लेग स्पिनर तुबा हसन की भी टी20 विश्व कप के लिए टीम में वापसी हुई है। सादिया को ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के साथ-साथ विश्व कप के लिए चुना गया है, तुबा केवल ऑस्ट्रेलिया में एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम का हिस्सा होंगी। पाकिस्तानी टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी, जो 16, 18 और 21 जनवरी को खेले जाएंगे, ये श्रृंखला आईसीसी महिला क्रिकेट चैंपियनशिप 2022-25 चक्र का हिस्सा है। इसके बाद 24, 26 और 29 जनवरी को तीन टी20 मैच खेले जाएंगे। इस बीच, गुलाम फातिमा, सदाफ शमास और कायनात इम्तियाज, जिन्हें एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है, टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर टाम का हिस्सा होंगी। कायनात और फातिमा आयरलैंड सीरीज के दौरान पाकिस्तान टीम का हिस्सा थीं। मुनीबा अली के बैकअप के तौर पर विकेटकीपर सिदरा नवाज को भी टीम में शामिल किया गया है। पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज और विश्व कप के लिए एक ही टीम की घोषणा की है।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए पाक की वनडे टीम इस प्रकार है

बिस्माह मरूफ (कप्तान), आलिया रियाज, आयशा नसीम, डायना बेग, फातिमा सना, गुलाम फातिमा, कायनात इम्तियाज, मुनीबा अली (विकेटकीपर), नशरा संधू, निदा डार, ओमिमा सोहेल, सदफ शमास, सादिया इकबाल, सिदरा अमीन और सिदरा नवाज (विकेटकीपर)

रिजर्व खिलाड़ी : ऐमेन अनवर, जावेरिया खान और तुबा हसन।

सुनील नारायण को मिली बड़ी जिम्मेदारी, बोले-

भूमिका निभाने के लिए बहुत उत्साहित हूं

कोलकाता (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के अनुभवी ऑलराउंडर सुनील नारायण को आगामी आईएलटी20 लीग के लिये अबू धाबी नाइट राइडर्स का कप्तान नियुक्त किया गया है। केकेआर के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। नारायण ने कप्तानी की जिम्मेदारी के बारे में कहा, मैं अबू धाबी नाइट राइडर्स के कप्तान की भूमिका निभाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह एक नयी चुनौती है क्योंकि अब मुझे अपनी पूरी टीम के कामकाज के बारे में सोचना है, न कि सिर्फ मेरे खेल या मेरे चार ओवरों के बारे में। यह ऐसी चीज है जिसका मैं इंतजार कर रहा हूं।" नारायण ने कहा, मैं नाइट राइडर्स (फ्रेंचाइजी) के साथ ही खेल में बड़ा हुआ हूं, इसलिए यह मेरे लिए एक परिवार की तरह है। हर जगह उनकी एक टीम होती है, मुझे इसका हिस्सा बनना पसंद है। मैंने यूएई में काफी क्रिकेट खेली है इसलिये मैं परिस्थितियों को अच्छी तरह जानता हूं। यदि आप अबू धाबी नाइट राइडर्स को देखते हैं तो यह एक जानी-पहचानी टीम है, न कि एक नई टीम जिसकी मुझे आदत डालनी है। अपने खिलाड़ियों की ताकत पता होने से मुझे काफी आत्मविश्वास मिलता है।" आईएलटी20 लीग की शुरूआत 13 जनवरी, 2023 को संयुक्त अरब अमीरात में होगी। लीग के पहले संस्करण में छह टीमें हिस्सा ले रही हैं।

भारत-बांग्लादेश टेस्ट : पहले दिन का खेल खत्म

भारत ने छह विकेट पर बनाये 278 रन

चट्टोग्राम (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ यहां खेले जा रहे पहले टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने 6 विकेट पर 278 रन बना लिए हैं। श्रेयस अय्यर 82 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि चेतेश्वर पुजारा ने बेहतरीन 90 रनों की पारी खेली। इस मुकाबले में टॉस जीतकर भारत ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत को कप्तान केएल राहुल और शुभमन गिल ने सधी शुरूआत दिलाई। हालांकि यह जोड़ी ज्यादा दूर तक नहीं जा सकी और 41 के कुल स्कोर पर गिल 20 रन बनाकर तइजुल इस्लाम का शिकार बने। इसके बाद 45 के कुल स्कोर पर खालेद अहमद ने केएल राहुल को बोल्ड कर भारत को दूसरा झटका दिया। राहुल ने 22 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए विराट कोहली कुछ खास नहीं कर सके और केवल 1 रन बनाकर तइजुल इस्लाम का दूसरा शिकार बने। 112 के कुल स्कोर पर पंत 46 रन बनाकर मेंहदी हसन मिराज की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और पुजारा ने भारतीय पारी को संभाला और टीम का स्कोर 250 के पार पहुंचाया। पुजारा और अय्यर के बीच पांचवें विकेट के लिए 149 रनों की साझेदारी हुई। तइजुल इस्लाम ने पुजारा को बोल्ड कर यह साझेदारी तोड़ी। पुजारा ने 90 रन बनाए। पुजारा के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए अक्षर पटेल ने 14 रन बनाए और दिन की आखिरी गेंद पर आउट हुए। उन्हें मेंहदी हसन मिराज ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। श्रेयस अय्यर 82 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत ने दिन का खेल खत्म होने पर 6 विकेट पर 278 रन बना लिए हैं।

बांग्लादेश की तरफ से तइजुल इस्लाम ने 3, मेंहदी हसन मिराज ने 2 और खालेद अहमद ने 1 विकेट लिया।

स्टंप पर गेंद लगने के बाबजूद श्रेयस नहीं हुए आउट, अनोखा जीवनदान देख उड़ा बांग्लादेश का होश

भारत और बांग्लादेश के बीच चटगांव में टेस्ट के पहले दिन के दौरान भारतीय युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया और वह 169 गेंदों में नाबाद 82 रन बनाकर पहले दिन के अंत तक क्रीज पर डटे हुए हैं। हालांकि, मैच में श्रेयस की यह पारी 77 रनों पर ही सिमट सकती थी, लेकिन उन्हें अपनी पारी में एक ऐसा जीवनदान मिला कि जिसे देखकर सब दंग रह गए। मैच में 84वें ओवर में बांग्लादेशी तेज गेंदबाज इबादत हुसैन गेंदबाजी कर रहे थे। इबादत के ओवर की चौथी गेंद श्रेयस मिस कर गए और गेंद सीधे ऑफ स्टंप पर जा लगी। श्रेयस अय्यर की किस्मत अच्छी थी कि गेंद स्टंप पर लगने के बाद बेल्स नीचे नहीं गिरी। वीडियो में देखा जा सकता है कि गेंद स्टंप पर लगने से बेल्स और स्टंप में लगी लाइट तो जली, लेकिन बेल्स किसी तरीके से स्टंप को ऊपर ही टिकी रही। इस जीवनदान को देखकर खुद श्रेयस भी हैरान रह गए और बांग्लादेशी खिलाड़ी भी इस पर यकीन नहीं कर पा रहे थे।

फीफा वर्ल्ड कप : क्रोएशिया को हराकर अर्जेंटीना फाइनल में

दोहा (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप के पहले सेमीफाइनल मैच में अर्जेंटीना अपने आक्रामक खेल की बदौलत क्रोएशिया को 3-0 से हराकर फाइनल में पहुंच गई। इस जीत के बाद लियोनेल मेसी की टीम अर्जेंटीना अब तीसरी बार खिताब जीतने से केवल एक कदम दूर है। मंगलवार देर रात वर्ल्ड कप का पहला सेमीफाइनल मुकाबला लुसैल स्टेडियम में खेला गया। लगभग 80 हजार दर्शकों की क्षमता वाले लुसैल स्टेडियम खचाखच भरा था। मैच के लिए दोनों देशों के समर्थकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मैच में अर्जेंटीना की टीम 4-4-2 और क्रोएशिया 4-3-3 की लाइनअप के साथ मैदान में उतरी। मैच का पहला गोल अर्जेंटीना ने किया। 34वें मिनट अर्जेंटीना को पेनॉल्टी शूट मिला, जिसे कप्तान लियोनेल मेसी ने गोल में बदल दिया। इसके बाद 39वें मिनट में अर्जेंटीना की ओर से जूलियन अल्वारेज ने दूसरा गोल कर अपनी टीम को 2-0 बढ़त दिला दी। मैच के पहले हाफ में अर्जेंटीना के खिलाड़ी भारी पड़े। दूसरे मैच में भी अर्जेंटीना के खिलाड़ी क्रोएशिया पर हावी रहे। मैच के 70वें मिनट में अर्जेंटीना के कप्तान मेसी के बेहतरीन पास को स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज ने गोल में बदलकर अपनी टीम को 3-0 से बढ़त बना ली। पूरे मैच के दौरान क्रोएशिया के खिलाड़ी दबाव में खेलते दिखे। उल्लेखनीय है कि अर्जेंटीना के पास फीफा वर्ल्ड कप तीसरी बार जीतने का सुनहरा मौका है। अब वह तीसरे खिताब से सिर्फ एक कदम दूर है। अर्जेंटीना अब तक दो बार 1978 और 1986 में खिताब जीत चुकी है। टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला अल बायेत स्टेडियम में बुधवार को फ्रांस और मोरक्को के बीच खेला जाएगा। अल बायेत स्टेडियम में दर्शकों की क्षमता लगभग 60 हजार है।

शूटिंग को दौरान घायल हुए एंड्रयू फ्लिंटॉफ, ले जाया गया अस्पताल

सरे (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ सरे में डनफोल्ड पार्क एयरोड्रम में बीबीसी शो टॉप गियर की शूटिंग के दौरान एक दुर्घटना के शिकार हो गए, जिसके बाद उन्हें उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। स्काई स्पोर्ट्स ने बीबीसी के एक प्रवक्ता के हवाले से कहा, फ्रेडी आज सुबह टॉप गियर टेस्ट ट्रैक पर एक दुर्घटना में घायल हो गए, जहां क्रू मेंडिक्स तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उन्हें आगे के इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है और हम अधिक जानकारी की पुष्टि करेंगे। 2005 में, फ्लिंटॉफ ने इंग्लैंड को 18 साल में पहली बार एशेज जीतने में मदद की और चार साल बाद अपनी टीम को दोबारा यह खिताब दिलाया। यह उपलब्धि अंग्रेजी क्रिकेट के इतिहास में सबसे अलग है। 2009 की एशेज श्रृंखला के समापन पर, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने 2010 में खेल के अन्य रूपों में भी अपना करियर समाप्त किया। उन्होंने आखिरी बार नवंबर 2012 में मैनचेस्टर में पेशेवर मुक्केबाजी में हिस्सा लिया, जिसमें सर्वसम्मत निर्णय से उन्होंने अमेरिकी रिचर्ड डॉसन को हराया।

वनडे रैंकिंग : कोहली आठवें स्थान पर ईशान किशन ने भी लगाई लंबी छलांग

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली बुधवार को जारी नवीनतम आईसीसी वनडे रैंकिंग में दो पायदान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गये जबकि युवा सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने 117 पायदान की छलांग से 37वां स्थान हासिल किया। कोहली को तीन से ज्यादा साल में पहले वनडे शतक की बदौलत रैंकिंग में फायदा मिला जो बांग्लादेश के खिलाफ मैच में बना। किशन ने इसी मैच में अपना सबसे तेज दोहरा शतक लगाया। पूर्व भारतीय कप्तान कोहली ने शनिवार को चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे में 91 गेंद में 113 रन की पारी खेली। यह अगस्त 2019 के बाद 50 ओवर के प्रारूप में उनका पहला शतक था।

बायें हाथ के सलामी बल्लेबाज किशन ने 131 गेंद में 210 रन की रिकॉर्ड तोड़ पारी खेली। श्रेयस अय्यर भी ढाका में श्रृंखला के दूसरे मैच में 82 रन की पारी के दम पर बल्लेबाजी सूची में ऊपर चढ़ने में सफल रहे, जिसमें वह 20वें से 15वें स्थान पर पहुंच गये। गेंदबाजों में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को चार पायदान का फायदा हुआ है जिससे वह वनडे रैंकिंग में 22वें स्थान पर पहुंचे। बांग्लादेश के स्पिन आल राउंडर शाकिब अल हसन एक पायदान के लाभ से आठवें स्थान पर पहुंच गये। आल राउंडर सूची में बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज तीन पायदान के फायदे से तीसरे नंबर पर पहुंचे।

टेस्ट रैंकिंग में आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला में तीन शतकीय पारियों की बदौलत करियर के सर्वश्रेष्ठ 937 रेटिंग अंक से शीर्ष स्थान मजबूत किया। उन्होंने पिछले हफ्ते पर्थ में पहले मैच के दौरान एक ही टेस्ट में एक दोहरा शतक और एक सैकड़ा जड़ा था। लाबुशेन ने अब दूसरे स्थान पर काबिज स्टीव स्मिथ पर 62 रेटिंग अंक की बढ़त बनायी हुई है। वह सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल करने वाले खिलाड़ियों के मामले में कोहली के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर बने हुए हैं जिसमें आस्ट्रेलियाई महान डॉन ब्रैडमैन 961 रेटिंग अंक से शीर्ष पर थे।

राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की तैयारियों में जुटे भारतीय दृष्टिबाधित एथलीट

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सिद्रा मुस्कान और निधि मिश्रा भले ही दृष्टिबाधित हों लेकिन उन्होंने सपने देखना बंद नहीं किया। मुस्कान (19 वर्ष) का सपना 2024 पेरिस पैरालंपिक खेलों में लंबी कूद में उपलब्धि हासिल करना है। निधि (28 वर्ष) 2018 एशियाई पैरा खेलों में कांस्य पदक जीत चुकी हैं और उन्हें चक्का फेंक में पोडियम स्थान हासिल करने का भरोसा है। दिल्ली की दो पैरा एथलीट दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के लिए तीन दिवसीय राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सभी के लिये प्रेरणा की स्रोत होंगी। इस चैम्पियनशिप के लिए त्यागराज स्टेडियम में 650 से अधिक दृष्टिबाधित खिलाड़ियों का एक ही लक्ष्य - देश को गौरवान्वित करने का होगा। सिद्रा जब आठ साल की थी तब उनके माता-पिता को उसके दृष्टि कम होने का पता चला था। उनके पिता एक ड्राइवर हैं और उन्होंने अच्छा इलाज पाने के लिए हर संभव कोशिश की। लेकिन जन्मजात बीमारी के कारण सिद्रा की दृष्टि अब 30 प्रतिशत ही बची है। सिद्रा 2021 पीसीआई राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में लंबी कूद में रजत और 1500 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीत चुकी हैं। 2022 के चरण में उन्होंने 400 मीटर में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने कहा, पांच भाई बहनों में से चार को यह विकार है और मेरी तो बस 30 प्रतिशत दृष्टि बची है। उनका अगला लक्ष्य हांग्जो में एशियाई पैरा खेलों के लिए क्वालीफाई करने के अलावा पेरिस खेलों के दल में शामिल होने की कोशिश करना है। उन्होंने कहा, नीरज चोपड़ा (तोक्यो ओलंपिक खेलों की भाला फेंक स्पर्धा के स्वर्ण पदक विजेता) के प्रदर्शन ने मुझे बहुत उम्मीद और भरोसा दिया कि मैं भी लंबी कूद में क्वालीफाई कर सकती हूं और पदक जीत सकती हूं। लेडी श्रीराम कॉलेज की छात्रा को ट्रैक स्पर्धा में सहायता के लिए एक गाइड की जरूरत होती है, जिसमें उन्हें लंबी छलांग में एक लाइन अधिकारी से 'जंप' कॉल पर भरोसा करना पड़ता है। उन्होंने कहा, ट्रैक स्पर्धा आसान है क्योंकि मेरे पास एक गाइड होता है लेकिन मेरी पसंदीदा स्पर्धा लंबी कूद है जिसमें खुद ही सब कुछ करना होता है। जैसे ही मैं लाइन के पास पहुंचती हूं, लाइन जज 'जंप' कहते हैं और मैं कूद लगाती हूं। निधि ने 2018 जकार्ता एशियाई पैरा खेलों में कांस्य पदक जीता जिससे वह 2024 पेरिस में पोडियम स्थान हासिल करना चाहती हैं। जब वह नौ साल की थीं तो उन्हें 'रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा' का पता चला जिससे उनकी दृष्टि पूरी तरह चली गयी। उन्होंने कहा, जब मैं छोटी थी तब मैं देख सकती थी। पर 8-9 साल की उम्र में मेरी आंखों की रोशनी कम होने लगी। निधि ने इतिहास में डॉक्टरेट किया और अब वह 'लेक्चरर' हैं। निधि ने कहा, मैं पहले ही चक्का फेंक, गोला फेंक और 100 मीटर के लिये एशियाई पैरा खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुकी हूं। मैं आज जो कुछ भी हूं उसके लिए अपने परिवार का धन्यवाद करती हूं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 100 से ज्यादा पदक जीतने वाली निधि ने कहा, पेरिस 2024 का मुझे बेसब्री से इंतजार है।

आईपीएल 2023 : तीन ऑलराउंडर्स पर लगेगी सबसे महंगी बोली

नयी दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16वें संस्करण की तैयारियां 23 दिसंबर से मिनी ऑक्शन के साथ शुरू हो जाएगी। आईपीएल 2023 का मिनी ऑक्शन टीमों के लिए यहां सबसे रोमांचक होगा, वहीं टीमों के लिए यह सिरदर्द भी रहेगी कि किस खिलाड़ी पर दांव खेला जाए और किसे जाने दिया जाए। आईपीएल के 16वें संस्करण के लिए कुल 991 खिलाड़ियों ने नामांकण किया है, लेकिन इन खिलाड़ियों में से कुछ ऐसे खिलाड़ी भी होंगे जिनपर टीमें आंखे बंद करके दांव लगाएंगी।

सबसे महंगे होंगे यह ऑलराउंडर्स

बेन स्टोक्स

आईपीएल 2023 में बेन स्टोक्स का नाम 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस वाले खिलाड़ियों में शामिल है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बेन स्टोक्स के नाम पर आईपीएल 2023 की नीलामी में सबसे महंगी बोली लगने वाली है । 2018 की आईपीएल नीलामी में स्टोक्स सबसे महंगे खिलाड़ी थे, जब उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 12.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। स्टोक्स टी20 प्रारूप में प्रभावशाली क्रिकेटर के रूप में जाने जाते हैं जो अपनी टीम को कठिन परिस्थितियों से बाहर निकालने के लिए अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करते हैं। स्टोक्स के पास बेहतरीन नेतृत्व क्षमता भी है और उन्हें टीम में शामिल करके कोई भी फ्रेंचाइजी उन्हें टीम में एक आदर्श रोल मॉडल की तरह भी स्थापित करना चाहेंगी। स्टोक्स ने पिछले साल के आईपीएल में हिस्सा नहीं लिया था, क्योंकि वह अपने मानसिक स्वास्थ्य और तंदुरूस्ती पर ध्यान देना चाहते थे, लेकिन राजस्थान रॉयल्स के पूर्व खिलाड़ी, टूर्नामेंट के 16वें संस्करण के लिए पूरी तरह तैयार है।

शाकिब अल हसन

बांग्लादेश से उभरने वाले बेहतरीन क्रिकेटरों में से एक शाकिब अल हसन ने इस साल अपना बेस प्राइज 1.5 करोड़ रखा है। शाकीब अपने दमदार खेल और अनुभव के साथ किसी भी टीम की रीढ़ की हड्डी साबित होंगे। शाकिब गेंदबाजी में अपनी निरंतरता, सटीकता और आक्रामकता के लिए जाने जाते हैं और बल्लेबाजी करते समय उनके पास कई तरह के शॉट होते हैं। उनके आत्मविश्वास और स्वभाव की वजह से उन्हें अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वकालिक महान ऑलराउंडर्स में से एक माना जाता है। शाकिब आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व कर चुके है।

सैम करन

सैम करन ने हाल ही में टी20 विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जिसके लिए उन्हें विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के अवॉर्ड से भी नवाजा गया। सैम करन ने आईपीएल 2023 के लिए अपना बेस प्राइज 2 करोड़ रुपये रखा है। इंग्लैंड का यह प्रतिभाशाली ऑलराउंडर पहले ही आईपीएल के पिछले संस्करणों में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन कर चुका है और बल्ले और गेंद दोनों से बेहद प्रभावी रह चुका है।

न्यूज गैलरी

जी 20 एफसीबीडी की तीन दिवसीय बैठक शुरू

बेंगलरू। भारत की अध्यक्षता में पहली जी 20 वित्त एवं केन्द्रीय बैंक उप प्रमुखों की तीन दिवसीय बैठक आज यहां शुरू हुयी। इस बैठक का आयोजन वैसुधैव कुटुंबकम , एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य विषय वस्तु पर आधारित है। तीन दिवसीय इस बैठक में वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना, इंफ्रास्ट्रक्चर, टिकाऊ वित्त, अंतरराष्ट्रीय कराधार और वित्तीय समावेशन जैसे मुद्दों पर जी 20 वित्त ट्रेक एजेंडे पर चर्चा की जा रही है। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ और रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने की अध्यक्षता में हो रही बैठक के बारे में बताया। पहले सत्र में विकास के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था और फ्रेमवर्क पर चर्चा की गयी जिसकी शुरूआत जी 20 इंडिया के उप प्रमुखों ने की। जी 20 सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने उभरती वैश्विक चुनौतियों के बारे में नीतिगत पहल किये जाने पर चर्चा की। सदस्यों ने महंगाई, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा जैसी वैश्विक चुनौतियों के बारे में चर्चा की। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन पर भी चर्चा की गयी।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

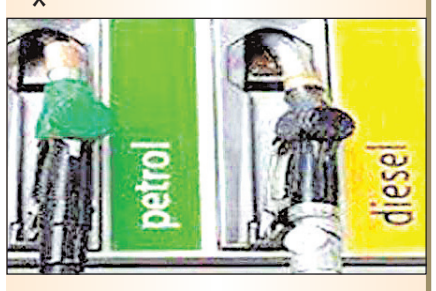

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें आज भी अपरिवर्तित रहीं।अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 1.30 प्रतिशत उबलकर 79 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 1.04 प्रतिशत की तेजी लेकर 73 .93 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी टिकाव रहा। दिल्ली में पेट्रोल 96 .72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89 .62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में पांच महीने से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106 .31 रुपये प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94 .27 रुपये प्रति लीटर है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

राजीव कुमार विश्नोई को एनएचपीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पद का अतिरिक्त प्रभार

नयी दिल्ली। राजीव कुमार विश्नोई ने मंगलवार से एनएचपीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का अतिरिक्त प्रभार संभाल लिया। एनएचपीसी ने शेयर बाजार को बताया, निदेशक मंडल ने 14 दिसंबर, 2022 को पारित प्रस्ताव के तहत राजीव कुमार विश्नोई को एनएचपीसी लिमिटेड का सीएमडी नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति 13 दिसंबर, 2022 से प्रभावी है।वह ऋषिकेश स्थित टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के सीएमडी भी हैं।

लेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण, विकास पर 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी महिंद्रा

नयी दिल्ली। वाहन कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा (एम एंड एम) लिमिटेड अगले सात-आठ साल में महाराष्ट्र के पुणे में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के विनिर्माण और विकास पर 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। एमएंडएम ने बुधवार को शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि महाराष्ट्र सरकार की औद्योगिक प्रोत्साहन योजना के तहत ईवी खंड के लिए 10,000 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी गई है। इसमें कहा गया है कि कंपनी अपनी अनुषंगी इकाई के जरिये विनिर्माण सुविधा, महिंद्रा के आगामी बॉर्न इलेक्ट्रिक वाहनों (बीईवी) के विकास और उत्पादन पर अगले सात-आठ साल में लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इनमें से कुछ बीईवी को 15 अगस्त, 2022 को ब्रिटेन के ऑक्सफोर्डशायर में प्रदर्शित किया गया था। ये इलेक्ट्रिक एसयूवी इन्गलो ईवी मंच पर आधारित है। इसे एक्सयूवी ब्रांड और बिल्कुल नए सिर्फ इलेक्ट्रिक ब्रांड बीई के तहत पेश किया जाएगा।

ग्लोबल बाजार से मजबूती के संकेत, एशियाई बाजारों में भी उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्लोबल बाजार से आज मजबूत संकेत मिल रहे हैं। अमेरिका में रिटेल महंगाई दर के अनुमान से कम रहने के कारण ग्लोबल बाजार के सेंटीमेंट में सुधार हुआ है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले कारोबारी सत्र में मजबूती का रुख बना रहा। जबकि एशियाई बाजारों में भी आज तेजी का रुख बना हुआ है। पिछले कारोबारी सत्र में नैस्डेक 113.07 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ 11,256.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने पिछले कारोबारी सत्र में 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,019.65 अंक के स्तर पर कारोबार का अंत किया। जबकि डाओ जोंस 103.60 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 34,108.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आपको बता दें कि अमेरिका में खुदरा महंगाई दर के अनुमान से कम रहने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार के सेंटीमेंट में सुधार आया है। अमेरिका में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स 7.7 प्रतिशत से घटकर 7.1 प्रतिशत के स्तर पर आ गया है। हालांकि अनुमान लगाया जा रहा था कि महंगाई दर घटकर 7.3 प्रतिशत तक रह सकती है। महंगाई दर में अनुमान से भी अधिक कमी होने से अमेरिकी बाजार के साथ ही वैश्विक बाजार को भी राहत मिलने की उम्मीद की जा रही है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले कारोबारी सत्र में तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,502.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सीएसी इंडेक्स ने 1.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,744.98 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। जबकि डीएएक्स इंडेक्स 191.26 अंक यानी 1.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ 14,497.89 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। अमेरिकी और यूरोपीय बाजार में आई तेजी का असर आज एशियाई बाजार पर भी नजर आ रहा है। एशिया के प्रमुख इंडेक्सों में से जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स को छोड़कर शेष सभी इंडेक्स मजबूती के साथ कारोबार करते नजर आ रहे हैं। एसजीएक्स निफ्टी 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,799.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 220.81 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की मजबूती के साथ 28,175.66 अंक के स्तर पर कारोबार करता दिख रहा है। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स भी 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,279.38 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। जबकि हैंग सेंग इंडेक्स 139.15 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,735.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज के कारोबार में ताइवान वेटेड इंडेक्स 202.99 अंक यानी 1.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 14,725.95 अंक के स्तर पर बना हुआ नजर आ रहा है।

> एशिया के प्रमुख इंडेक्सों में से जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स को छोड़कर शेष सभी इंडेक्स मजबूती के साथ कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

एसयूवी और यूपीआई पर जीएसटी देनदारी स्पष्ट

नई दिल्ली। कई चीजों पर कर की दुविधा दूर करते हुए वस्तु एवं सेवा कर परिषद की फिटमेंट समिति ने स्पष्ट किया कि निश्चित शर्तों को पूरा करने वाले स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों (एसयूवी) पर 22 फीसदी मुआवजा उपकर लगाया जा सकता है। केंद्र और राज्यों के राजस्व अ?धिकारियों वाली इस समिति ने आगे स्पष्ट किया कि रुपे/भीम-यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए बैंकों को मिलने वाले भुगतान पर कर नहीं लगेगा। इसके पीछे यह तर्क दिया गया है कि सदस्य बैंकों को दिया गया प्रोत्साहन और कुछ नहीं बल्कि निर्दिष्ट इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार से प्राप्त सब्सिडी है। इन मुद्दों पर समिति के स्पष्टीकरण पर जीएसटी परिषद की बैठक में विचार किया जाएगा। परिषद की बैठक 17 दिसंबर को नई दिल्ली में होगी। एसयूवी के मामले में उद्योग ने एंट्री और विवरण में अस्पष्टता का हवाला देते हुए ऐसे वाहनों की आपूर्ति पर लागू जीएसटी मुआवजा उपकर की दर पर स्पष्टीकरण की मांग की थी। समिति ने कहा, ह्यजीएसटी व्यवस्था में मुआवजा उपकर के लिए वर्तमान एंट्री पहले की केंद्रीय उत्पाद शुल्क व्यवस्था में एंट्री के समान है। लेकिन एसयूवी शब्द को परिभाषित नहीं किया गया है और विवरण में केवल एक स्पष्टीकरण दिया गया है। विभिन्न प्रकार के वाहनों पर जीएसटी की दर अलग-अलग है। वाहनों पर 5, 12, 18 और 28 फीसदी की दर से जीएसटी लगता है। मगर वाहनों की बिक्री पर जीएसटी के साथ मुआवजा उपकर भी लगता है, जो 22 फीसदी तक हो सकता है। समिति ने कहा कि परिषद की सिफारिशें सभी चार शर्तों को पूरा करने वाले वाहनों पर उच्च दर से उपकर लगाने के बारे में थीं।

एप्पल ने आईओएस 16 .2 का बीटा वर्जन किया जारी यह 5जी सहित कई फीचर व अपडेट वाला है

आरएनएम

नई दिल्ली। टेलीकॉम ऑपरेटर जियो व एयरटेल ने 5जी सर्विस की शुरूआत कर दी है। लेकिन ये सेवा हर शहर के उपभोक्ता को नहीं दी जा रही हैं । जीयो ने कहा है कि वो 2023 के अंत तक तथा एयरटेल ने मार्च 2024 तक देशभर में अपनी 5जी सेवा उपलब्ध कराने को कहा है। इस दौरान एप्पल ने कहा था कि भारत में आई फोन उपभोक्ता को आईओएस 16.2 अपडेट के साथ 5जी सपोर्ट दिया जाएगा। एप्पल ने अभी आईओएस 16.2 का बीटा वर्जन जारी किया है जो 5जी सहित कई फीचर्स और अपडेट के साथ आता है। यह अपडेट बीटा में उपलब्ध है, केवल बीटा प्रोग्राम उपभोक्ता ही इस नए अपडेट का लाभ ले सकते हैं। कंपनी इस अपडेट का स्टेबल वर्जन जल्द ही उपलब्ध कराने की बात कही है।

निम्न आई फोन पर अपडेट मिलेगा -आईफोन 14, आईफोन 14 प्लस, आईफोन 14 प्रो, आईफोन 14 प्रो मैक्स, आईफोन 13, आईफोन 13 मिनी, आईफोन 13 प्रो, आईफोन 13 प्रो मैक्स, आईफोन 12, आईफोन 12 मिनी, आईफोन 12 प्रो, आईफोन 12 प्रो मैक्स, आईफोन एसई (3 जनरेशन) कैसे चेक करें आईओएस 16.2 बीटा अपडेटः अपडेट चेक करने के लिए आपको फोन की सेटिंग्स में जाना होगा। फिर जनरल में जाकर सॉफ्टवेयर अपडेट पर क्लिक करना होगा। इसके बाद आपको पता चलेगा कि आपके पास बीटा अपडेट आया है या नहीं। यदि अपडेट आया है, तो आपको फोन को वाई-फाई नेटवर्क से कनेक्ट करना होगा ,उसके बाद अपडेट को इंस्टॉल करना होगा।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन कुछ समय के लिए कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ शामिल हुए। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा बुधवार सुबह राजस्थान के सवाई माधोपुर के भदोती से शुरू हुई हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री अशोक, सचिन पायलट, गोविंद सिंह डोटासरा और प्रतापसिंह खाचरियावास सुबह-सुबह राहुल गांधी के साथ चले।

जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने एनसीडी के जरिए 1,150 करोड़ रुपए जुटाए

हैदराबाद। हैदराबाद में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का परिचालन करने वाली जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीएचआईएएल) ने निजी नियोजन के आधार पर 10 वर्ष के सूचीबद्ध, मूल्यांकन, प्रतिदेय, सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जारी करके 1,150 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने की बुधवार को घोषणा की। कंपनी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि इन एनसीडी को बीएसई लिमिटेड में सूचीबद्ध किया जाएगा। एनसीडी की कीमत 8.805 प्रतिशत प्रति वर्ष की ब्याज दर पर निर्धारित की गई है जो पांच साल की प्रारंभिक अवधि के लिए तिमाही देय है। इसके बाद अगले पांच वर्षों के लिए ब्याज दर को फिर से निर्धारित किया जाएगा। एनसीडी से प्राप्त आय का उपयोग 2024 और 2026 के मौजूदा (बाहरी वाणिज्यिक उधार) ईसीबी बॉन्ड के लगभग 14 करोड़ डॉलर के आंशिक पुनर्वित्त के लिए किया जाएगा।

गोयल ने ब्रिटेन की मंत्री केमी बडेनोच के साथ की एफटीए पर चर्चा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय व्यापार राज्य मंत्री केमी बडेनोच ने मंगलवार को यहां भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता वार्ता (एफटीए वार्ता) पर चर्चा की। दोनों नेताओं की बातचीत के बाद जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि भारत-ब्रिटेन एफटीए वार्ता और द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंधों की सीमा पर दोनों नेताओं ने चर्चा की। गौरतलब है कि भारत और ब्रिटेन ने एफटीए वार्ता इस साल के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा था पर ब्रिटेन में जल्दी-जल्दी सरकार बदलने के कारण इसमें गतिरोध आ गया था। बयान में कहा गया है कि दोनों मंत्रियों ने एफटीए वार्ता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की और कहा कि प्रस्तावित समझौते से दोनों देशों के बीच निवेश और निर्यात को बढ़ावा देने की नयी संभावनाएं खुलेंगी तथा इससे दोनों देशों में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने वार्ता की स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए इस बात पर सहमति जतायी है कि वार्ता को जल्द से जल्द सम्पन्न करने के उद्देश्य से इसे जारी रखा जाएगा। मंत्रियों ने इस बातचीत में लगे अधिकारियों से एक संतुलित, पारस्परिक रूप से लाभकारी, निष्पक्ष और न्यायसंगत परिणाम के लिए पारस्परिकता के सिद्धांत और एक-दूसरे की संवेदनशीलता के सम्मान के आधार पर पारस्परिक समायोजन की भावना से मतभेदों को दूर करने के उद्देश्य से मिलकर काम करने का आग्रह किया। द्विपक्षीय बैठक के बाद दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के कंपनी जगत के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधिमंडलों ने विदेशी निवेशकों को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधिमंडलों को विभिन्न देशों में निवेशकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। कई देशों ने उत्तर प्रदेश में निवेश की इच्छा जाहिर करने के साथ ही अगले साल फरवरी में राज्य में होने वाले वैश्विक निवेशक सम्मेलन में भाग लेने का इरादा भी जताया है। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों के दलों ने अमेरिका, कनाडा, दक्षिण कोरिया, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और ब्राजील में निवेशकों से मुलाकात की और उन्हें उत्तर प्रदेश में अवसंरचना, रक्षा, पर्यटन समेत अनेक क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान निवेशकों को प्रदेश में सुरक्षित निवेश, बेहतर माहौल और सरकार की ओर से दी जा रही सब्सिडी के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। निवेशकों ने अलग-अलग क्षेत्रों में निवेश की रुचि जाहिर की। वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ने दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। वहीं एग्रिस्टो बेल्जियम ने प्रदेश के खाद्य क्षेत्र में 2023 में 300 करोड़ रुपए के निवेश का इरादा जताया। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने फरवरी में होने वाले वैश्विक निवेशक सम्मेलन के माध्यम से प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है।

इनकम टैक्स भरने वालों को राहत, नौकरीपेशा को होगा फायदा, टैक्स छूट से जुड़ा नया आदेश जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूनियन बजट 2023 पेश होने की तारीख 1 फरवरी जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, लोगों के बीच बजट को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है। बजट से सबसे ज्यादा उम्मीद नौकरीपेशा और किसानों को रहती है। इसके अलावा भी इनकम टैक्स डिपार्टमेंट टैक्सपेयर्स की सहूलियत के लिए बीच-बीच में नियमों में बदलाव करता रहता है। अब विभाग की तरफ से टैक्सपेयर्स को इलाज के लिए मिलने वाली रकम पर इनकम टैक्स से छूट दी गई है। इसके अलावा आयकर विभाग की तरफ से कोरोना के दौरान किसी भी पारिवारिक सदस्य की होने वाली मौत पर मिली सहायता राशि पर भी टैक्स से छूट दी गई है। विभाग की तरफ से किसी भी प्रकार की शिकायतों के जल्द निस्तारण के लिए भी स्थानीय कमेटियां गठित करने का ऐलान किया गया है। इसके अलावा आयकर विभाग ने लोगों की सहूलियत और डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने के मकसद से कई तरह की सर्विस और संबंधित फॉर्म को डिजिटल कर दिया गया है। अब तमाम तरह के कामों के लिए आपको ऑफिस के चक्कर काटने की जरूरत नहीं होगी। आपको बता दें विभाग की तरफ से इनकम टैक्स से जुड़े कामों को आसान बनाने के लिए 123 से ज्यादा फॉर्म को ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके आलवा डिपार्टमेंट ने साल 2020 और 2021 में कोरोना काल के दौरान इलाज के लिए मिलने वाली राशि पर भी टैक्स छूट की घोषणा की गई है। दरअसल, कोविड काल के दौरान तमाम परिवारों को कोविड से उपचार के लिए सहायता राशि प्राप्त हुई थी। अभी तक इस पर आयकर का प्रावधान था।

केंद्रीय कर्मचारियों को सरकार ने दिया बड़ा झटका, नहीं मिलेगा 18 महीने का डीए

नई दिल्ली। सरकार ने 18 महीने के डीए एरियर यानि महंगाई भत्ते के बकाए को लकेर केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा झटका दिया है। वित्त मंत्रालय की तरफ से राज्यसभा में दी गई जानकारी के साथ कर्मचारियों की सारी उम्मीदें खत्म हो गई हैं। केंद्र सरकार ने भी साफ कर दिया है कि तीन किस्तों का पैसा नहीं दिया जाएगा। ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। वित्त मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि महंगाई भत्ते यानी डीए के 18 महीने का बकाया नहीं मिलेगा। दरअसल कोविड-19 काल में डीए की तीन किस्त (1 जनवरी 2020, 1 जुलाई 2020, 1 जनवरी 2021) रोक दी गई थी। इसके बाद सरकार ने जुलाई 2021 में महंगाई भत्ते को बहाल कर दिया। लेकिन, पिछले 18 महीने के अटकी तीन किस्त के पैसा का कोई जिक्र नहीं किया। सरकार ने 1 जुलाई 2021 से महंगाई भत्ते में 11 फीसदी का इजाफा किया। इसके बाद जुलाई 2021 से महंगाई भत्ता 17 फीसदी से बढ़कर 28 फीसदी पहुंच गया। हालांकि, मौजूदा वक्त में ये 38 फीसदी है। लेकिन, कर्मचारी उस 18 महीने का भी पैसा चाहते थे, जिस दौरान महंगाई भत्ता फ्रीज था। इस मामले को लेकर कर्मचारी यूनियन का कहना है कि महंगाई भत्ता (डीए) या महंगाई राहत (डीआर) कर्मचारी और पेंशनर्स का हक है। इसे रोका नहीं जा सकता। कोरोनाकाल में कर्मचारियों ने डटकर काम किया। उनका महंगाई भत्ता (डीए हाईक) नहीं बढ़ाया गया, फिर भी काम पर लगे रहे।

चिप कंपनियों के लिए 143 अरब डॉलर का पैकेज तैयार कर रहा चीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेमीकंडक्टर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए चीन 1 ट्रिलियन युआन ($143उल्ल) से अधिक के समर्थन पैकेज पर काम कर रहा है। कुछ स्त्रोतों के मुताबिक, चिप्स में आत्मनिर्भरता की दिशा एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य संयुक्त राज्य अमेरिका की तकनीकी प्रगति को धीमा करने वाले कदमों का मुकाबला करना है। सूत्रों का मन्ना है की, बीजिंग ने अपने सबसे बड़े वित्तीय प्रोत्साहन पैकेजों में से एक को रोल आउट करने की योजना बनाई है। जो पांच साल में आवंटित किया गया, मुख्य रूप से सब्सिडी और टैक्स क्रेडिट के रूप में घर पर अर्धचालक उत्पादन और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए है। जैसा कि विश्लेषकों ने उम्मीद की थी, यह इस बात का संकेत है कि चीन द्वारा एक ऐसे उद्योग के भविष्य को आकार देने में, अधिक प्रत्यक्ष दृष्टिकोण, जो चिप्स की बढ़ती मांग के कारण एक भू-राजनीतिक गर्म बटन बन गया है और जिसे बीजिंग अपनी तकनीकी शक्ति की आधारशिला मानता है। विश्लेषकों का यह कहना है की, यह संभावना है कि सेमीकंडक्टर उद्योग में चीन की प्रतिस्पर्धा के बारे में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों में चिंता बढ़ सकती है। यहां तक की कुछ अमेरिकी सांसद पहले से ही चीन की चिप उत्पादन क्षमता निर्माण को लेकर चिंतित हैं। माना जा रहा है की यह योजना को अगले साल की पहली तिमाही के रूप में जल्द ही लागू किया जा सकता है। कुछ सूत्रों ने बताया, अधिकांश वित्तीय सहायता का उपयोग चीनी फर्मों द्वारा घरेलू सेमीकंडक्टर उपकरण की खरीद को सब्सिडी देने के लिए किया जाएगा, मुख्य रूप से सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट या फैब। इतना ही नहीं बल्कि, कुछ सूत्रों के मुताबिक, ऐसी कंपनियां खरीद की लागत पर 20% सब्सिडी की हकदार होंगी। आपको बता दे की, अर्धचालक बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरणों के चीन को निर्यात को कम करने के लिए अमेरिका, जापान और नीदरलैंड सहित अपने कुछ साझेदारों की पैरवी भी कर रहा है।

पेज एक के शेष

अवैध खनन व परिवहन में ...

कोयला मंत्रालय की बैठकों में भी उठाया जा चुका है। कोयला मंत्री के साथ बैठक में व्यक्तिगत अनुरोध के बावजूद कोयला का परिवहन अभी भी रेलवे के द्वारा झारखंड एकीकृत खान और खनिज प्रबंधन प्रणाली पोर्टल से समायोजन के बगैर किया जा रहा है।

बिहार में जहरीली शराब ...

तेज बुखार चढ़ गया। उल्टियां होने लगीं। पेट दर्द की शिकायत होने लगी। अस्पताल ले जाने के दौरान ही मंगलवार की रात पांच लोगों की मौत हो चुकी थी। बाकी की मौत बुधवार को इलाज के दौरान हुई है।

पांच साल से अधिक पुराने ...

एडीजी ने निदेर्शे दिया कि दिसंबर 2022 तक निष्पादित कांडों में 10 जनवरी 2023 तक हर हाल में अंतिम प्रपत्र कोर्ट में समर्पित कर दें। एडीजी ने निर्देश दिया कि पोक्सो, नारकोटिक्स से जुड़े मामलों में ससमय वांछित कार्रवाई करें, बिसरा की रिपोर्ट समय पर प्राप्त करने की कार्रवाई करें साथ ही अभियोजन स्वीकृति के लिए जिला से प्रतिनियुक्त नोडल अफसर के कार्यों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करें। बैठक में आईजी सीआईडी असीम विक्रांत मिंज, डीआईजी सीआईडी डॉ तमिलवानन, एटीएस एसपी सुरेंद्र कुमार झा मौजूद थे।

चार वर्षीय स्नातक डिग्री ...

उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालयों पर छोड़ दिया गया है कि वे क्या पढ़ाना चाहते हैं या कौन सा पाठ्यक्रम संचालित करना चाहते हैं। इस बारे में वे खुद छात्रों की मांग और आवश्यकताओं के आधार पर तय कर सकते हैं। हालांकि, कुमार ने स्पष्ट किया कि चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम पूरी तरह से लागू होने तक तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम बंद नहीं किए जाएंगे।

दो प्रमुख पाठ्यक्रम एक साथ भी कर सकेंगे : चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के फायदे गिनाते हुए यूजीसी प्रमुख ने कहा कि छात्रों को पीएचडी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मास्टर डिग्री करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि पहला फायदा यह है कि उन्हें पीएचडी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मास्टर डिग्री करने की जरूरत नहीं है। वे किसी दिए गए डिसिप्लिन का गहन ज्ञान हासिल करने या एक्सपर्टाइज के लिए एक या दो प्रमुख पाठ्यक्रम भी ले सकते हैं।

कैबिनेट की बैठक में ...

सचिव/सचिव को आवासीय कार्यालय की सुविधा उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी गई। मनरेगा योजना अन्तर्गत कार्य किये हुए श्रमिकों को राज्य मद से दिये जाने वाले अनुग्रह अनुदान राशि में संशोधन की स्वीकृति दी गई।

राज्य में तीन निजी विश्वविद्यालय खुलेंगे : कैबिनेट में उच्च एवं तकनीकि शिक्षा विभाग द्वारा लाए जाने वाले तीन निजी विश्वविद्यालय संबंधित प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गयी. इन विश्वविद्यालयों के लिए सरकार शीतकालीन सत्र में तीन विधेयक पेश करेगी। तीन विधेयकों के नाम हैं।

बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय विधेयक 2022, जैन विश्वविद्यालय विधेयक 2022, सोना देवी विश्वविद्यालय विधेयक 2022

कोर्ट फीस चार्ज की दर में संशोधन : कैबिनेट की बैठक में न्यायालयों के अंतर्गत विभिन्न वादों पर लगने वाले कोर्ट फीस चार्ज की दर में संशोधन करने के विधि विभाग के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गयी. संशोधन के लिए सरकार ने राजस्व पर्षद की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमिटी बनायी थी. कमिटी की अनुशंसा पर कोर्ट फीस में संशोधन किया गया

पराली से बनाएंगे...

महीने हम इसकी मशीन लांच करेंगे। ट्रैक्टर मोल्डर यूनिट में पराली डालने से 70% बायो विटामिन निकलेगा। मुझे बताया गया है कि यह विटामिन पेट्रोलियम विटामिन से कई गुना ज्यादा बेहतर है। दिल्ली-एनसीआर में पराली की बहुत समस्या है। इससे पराली की समस्या लगभग खत्म हो जाएगी।

जाम की वजह से लिया था दिल्ली में रिंग रोड बनाने का फैसला : नितिन गडकरी ने कहा कि हम लोग अकेले दिल्ली में 7000 करोड़ के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। जब मैं दिल्ली आता था तो एयरपोर्ट से निकलते ही धौला कुआं में बहुत बुरे जाम में फंस जाता था। ट्रैफिक और प्रदूषण से बहुत तकलीफ होती थी। मैंने उसी समय तय किया था कि हम दिल्ली का रिंग रोड बनाएंगे।गडकरी ने कहा कि पेरिफेरल रोड के लिए न तो दिल्ली ने पैसे दिए और न ही उप्र ने दिए। खुद पैसे लगाकर दिल्ली का पेरिफेरल रोड पूरा किया, लेकिन अभी भी दिल्ली में समस्या है। लेकिन हम लोग अभी जिन प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जो रोड बना रहे हो वह एक साल के अंदर पूरे हो जाएंगे , तो 40 प्रतिशत तक प्रदूषण अपने आप कम हो जाएगा। इसी साक्षात्कार में गडकरी ने कहा कि मार्च 2023 तक दिल्ली से देहरादून और हरिद्वार सिर्फ 2 घंटे में पहुंच सकेंगे।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

18 नवंबर को त्रिपुरा का दौरा करेंगे पीएम मोदी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री अगले साल की शुरूआत में होने वाले त्रिपुरा विधानसभा चुनाव से पहले यहां एक जनसभा को संबोधित करने के लिए 18 दिसंबर को राज्य का दौरा करेंगे। यह जानकारी राज्य के एक मंत्री ने बुधवार को दी। पूर्वोत्तर के इस राज्य के एक दिवसीय दौरे पर प्रधानमंत्री मोदी यहां मुख्यमंत्री माणिक साहा और राज्य के कैबिनेट मंत्रियों के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों के साथ भी बैठक करेंगे। त्रिपुरा के सूचना एवं सांस्कृतिक मामलों के मंत्री सुशांत चौधरी ने यहां संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां विवेकानंद मैदान में एक रैली को संबोधित करने के लिए 18 दिसंबर को राज्य के दौरे पर आएंगे। वह कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम-किसान और जल जीवन मिशन जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के लाभार्थियों से बातचीत भी कर सकते हैं।"

कांगो में भारी बारिश के कारण 141 लोगों की मौत

किंशासा (एजेंसी)। अफ्रीकी देश कांगो की राजधानी किंशासा के बाहरी जिलों में सोमवार देर रात से मंगलवार तड़के तक भारी बारिश होने के कारण बाढ़ और भूस्खलन में कम से कम 141 लोगों की मौत हो गई। यह आंकड़ा स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार देर रात सार्वजनिक किया है। किंशासा प्रांतीय जन स्वास्थ्य मंत्रालय के एक बयान के अनुसार भारी बारिश के कारण 141 लोगों की मौत हो गई, जबकि 38,787 घर बाढ़ की चपेट में आ गए। वहीं लगभग 280 घर ढह गए। अधिकारियों ने किंशासा को बंदरगाह शहर मटादी से जोड़ने वाले एनएच-1 को नुकसान होने की भी बात कही है।

बाइडेन ने समलैंगिक विवाह वाले अधिनियम पर किया हस्ताक्षर

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने समलैंगिक विवाह के लिए संघीय सुरक्षा को संहिताबद्ध करने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कदम अमेरिकी कांग्रेस के माध्यम से विवाह अधिनियम के सम्मान के कुछ दिनों बाद आया है। यह कानून अन्य बातों के अलावा 1996 के विवाह अधिनियम की रक्षा को पलट देता है। साथ ही इस कानून के अनुसार राज्यों को अन्य राज्यों में किए गए किसी भी वैध विवाह को मान्यता देने की आवश्यकता होती है उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के ने अपने एक रूढ़िवादी फैसले में संकेत दिया था कि विवाह समानता और गर्भनिरोधक के मुद्दे पर पर फैसलों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार प्रदान किये, कहा

पर्यावरण संरक्षण करके हम कई मानवाधिकारों की रक्षा कर सकते हैं

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर बुधवार को यहां राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार, राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता नवाचार पुरस्कार और राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने इस अवसर पर 'ईवी-यात्रा पोर्टल' भी लॉन्च किया। निकटतम सार्वजनिक ईवी चार्जर के लिए इन-व्हीकल नेविगेशन की सुविधा के लिए ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा 'ईवी-यात्रा पोर्टल' विकसित किया गया है।

राष्ट्रपति ने इस मौके पर कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रदूषण से मुक्त वातावरण में सांस लेने, प्रगति करने और स्वस्थ जीवन बिताने की परिस्थितियां सुनिश्चित करना हम सभी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वच्छ हवा में सांस लेना एक बुनियादी मानव अधिकार है। पर्यावरण की रक्षा से ही अनेक मानवाधिकारों की रक्षा संभव हो सकेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों का सामना करते हुए ऊर्जा संरक्षण एक वैश्विक और राष्ट्रीय प्राथमिकता है। यद्यपि भारत का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन विश्व औसत के एक तिहाई से भी कम है, फिर भी एक जिम्मेदार देश के रूप में भारत, पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सीओपी-26 में भारत ने 'लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट' यानी लाइफस्टाइल का संदेश दिया था, जिसमें विश्व समुदाय से पर्यावरण अनुकूल जीवन-शैली अपनाने का आग्रह किया था। भारतीय संस्कृति और परंपरा में, हमारी जीवनशैली हमेशा लाइफ के संदेश के अनुरूप रही है। प्रकृति का सम्मान करना, प्राकृतिक सामग्री को बर्बाद न करना और प्राकृतिक संपदा को बढ़ाने के उपाय करना ऐसी जीवन-शैली का अभिन्न अंग होता है। उन्होंने कहा कि भारत इस तरह की जीवन शैली को अपनाने की दिशा में पूरे विश्व समुदाय को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है।

जी-20 में भारत की अध्यक्षता का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जी-20 देश दुनिया की कुल जीडीपी में 85 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में 75 प्रतिशत का योगदान करते हैं। इसके अलावा दुनिया की 60 प्रतिशत आबादी भी जी-20 देशों में निवास करती है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी अध्यक्षता के दौरान 'वसुधैव कुटुम्बकम' के आदर्श के अनुसार 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की थीम को अपनाया है और हम इसे विश्व पटल पर प्रचारित भी कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ने सभी पुरस्कार विजेताओं, विशेषकर बच्चों की सराहना की। उन्होंने नेशनल एनर्जी एफिशिएंसी इनोवेशन अवार्ड्स के विजेताओं को उनकी नवीन सोच और कार्यप्रणाली के लिए भी सराहा। उन्होंने कहा कि उनके नवाचारों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग प्रेरित हो सकें और पर्यावरण संरक्षण के नए तरीके विकसित कर सकें। उन्होंने सभी से संकल्प लेने का आग्रह किया कि हम जो कुछ भी करेंगे वह हमेशा प्रकृति के पक्ष में होगा, प्रकृति के खिलाफ कभी नहीं होगा। उन्होंने कहा कि प्रकृति और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने में ही मानव कल्याण निहित है।

यूक्रेन पर रूसी हमला

राजधानी कीव की कई इमारतें ध्वस्त, कई शहरों की बिजली गुल

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन पर रूस ने एक बार फिर जोरदार हमला किया है। यूक्रेन की राजधानी कीव की कई प्रमुख सरकारी इमारतें ध्वस्त कर दी गयीं। यूक्रेन के कई शहरों की बिजली गुल हो गयी है। इस बीच कीव के मेयर ने रूस के दस ईरानी ड्रोन मार गिराने का का दावा किया है। यूक्रेन पर रूसी हमले के दसवें महीने में भी आक्रामकता में कोई कमी नहीं आई है। रूसी सेनाओं ने यूक्रेन के कई शहरों में एक साथ ईरानी ड्रोन से हमले किए हैं। ये शहर बबार्दी की हालत में पहुंचने से स्थितियां भयावह हो गयी हैं। कई शहरों की बिजली गुल हो गयी है। केवल ओडेसा शहर में 15 लाख लोगों के घरों की बिजली गुल है और लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हो रहे हैं। यूक्रेन की राजधानी कीव में भी धमाकों की गूंज सुनी गयी है। कीव पर भी ईरानी ड्रोन से हमले किये गए हैं। इस कारण शहर की प्रमुख सरकारी इमारतें ध्वस्त हो गयी हैं। यूक्रेनी खुफिया विभाग के उपप्रमुख जनरल वादिम स्कीबित्सकी ने बताया कि अब रूस हमले में यूक्रेन की ही मिसाइलों का इस्तेमाल कर रहा है। यूक्रेन पर रूस उन मिसाइलों से हमला कर रहा है, जिन्हें यूक्रेन ने 1990 में सोवियत संघ से अलग होने पर रूस को सौंपा था। दरअसल, 1990 में सोवियत संघ से अलग होते समय यूक्रेन के पास परमाणु हथियारों का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा खजाना था। जनरल स्कीबित्सकी ने बताया कि 1970 के दशक में यूक्रेन में बनाई गईं केएच-55 सबसोनिक क्रूज मिसाइल का मलबा पिछले दिनों रूसी हमले के बाद खमेलनित्स्की इलाके में मिला। ये मिसाइलें परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम हैं। उन्होंने बताया कि सिर्फ मिसाइल ही यूक्रेन में बनी हुई नहीं थी, बल्कि जिस टीयू-160 बमवर्षक से इसे गिराया गया, वह भी यूक्रेन में बना था।

संसद में गृह मंत्रालय ने पेश किये आंकड़े

देश में आतंकी हमलों में आई कमी, नक्सली हिंसा भी घटी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों में कमी आई है। इस बात की जानकारी केंद्रीय गृह मंत्रालय ने संसद में दी। मंत्रालय की ओर से संसद में दी गई लिखित जानकारी में बताया गया कि 2018 में जहां 417 आतंकी वारदातें हुई थीं, वहीं 2021 में घटकर ये 229 रह गईं। सरकार ने बताया कि इस दरम्यान जम्मू कश्मीर में भी सुरक्षा की स्थिति काफी बेहतर हुई है। जिसकी वजह सरकार की आतंकवाद के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में पिछले साल यानि 2021 में 229 आतंकी हमले हुए थे जिनमें 42 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे। इन घटनाओं में 41 आम नागरिकों की जान गई थी। इससे पहले साल 2020 में 244 आतंकी हमलों में 62 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे और 37 आम नागरिकों की मौत हुई थी। वहीं, 2019 में 255 आतंकी हमले हुए जिसमें 80 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए और 39 आम नागरिकों की जान गई।

गृह मंत्रालय के मुताबिक, साल 2009 में नक्सली हिंसा की 2258 घटनाएं सामने आईं थीं, जो 2021 आते-आते सिमटकर 509 रह गई हैं। 2010 में नक्सली हिंसा में 1005 लोगों की जान गई थी, जो 2021 में कम होकर 147 रह गई हैं।

भारत में 107 से अधिक यूनिकॉर्न : पीयूष गोयल

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश में अब 107 से अधिक यूनिकॉर्न हो गए हैं। श्री गोयल ने लोकसभा में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान स्टार्टअप इंडिया की पहल पर पूछे गए एक पूरक सवाल पर कहा कि भारत में अब 107 से ज्यादा यूनिकॉर्न हो गए हैं। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स के लिए इनकम टैक्स और अन्य सुविधाओं को गहराई से देखना पड़ता है कि कोई इसका दुरुपयोग न करे। श्री गोयल ने कहा कि भारत में स्टार्टअप्स की सफलता बाकी देशों से कहीं ज्यादा है। अगर कोई फेल होता है तो उसे दोबारा खड़े होने का मौका दिया जाना चाहिए, स्टार्टअप इंडिया ऐसा करता, उन्हें सपोर्ट करता है।

विपक्ष चाहता है तवांग मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा हो, पीएम बयान दें

-कृष्णमोहन सिंह

नयी दिल्ली। तवांग मुद्दे पर विपक्ष की तरफ से राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह कहते हुए कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में जो बयान दिया, उसमें कई बातें छुपा ली गई हैं, इसलिए सदन में इस पर चर्चा हो। लेकिन उप सभापति हरिवंश ने इजाजत नहीं दी। उप सभापति ने कहा कि पहले से नोटिस नहीं दिया गया है। जिस पर विपक्ष ने सदन से वॉक आउट किया। विपक्ष का कहना है कि यदि सदन में तवांग मामले पर चर्चा नहीं होती है, तो दोनों सदनों से वॉकआउट किया जाएगा।

इससे पहले सुबह कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बुलावे पर विपक्षी दलों की बैठक हुई। जिसमें चर्चा हुई कि भारत-चीन सीमा विवाद पर सभी दल मिलकर सरकार से तवांग मुद्दे पर पूरी जानकारी सदन में रखने की मांग करें। मल्लिकार्जुन खड़गे की ओर से बैठक में बुलाए गए सभी 17 विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। नहीं बुलाए गये टीएमसी, बसपा व बीजू जनता दल के कोई नेता नहीं आये। कहा जाता है कि बुलाने पर भी इन पार्टी के नेता नहीं आते हैं , इसलिए इनको नहीं बुलाया गया। विपक्षी दलों के नेताओं का कहना है कि भारत-चीन सीमा पर हुए सैन्य तनाव को लेकर सदन में बोलने का उचित मौका नहीं दिया गया है। विपक्षी दलों की मांग है कि तवांग झड़प पर सदन में बहस करवाई जाए।विपक्षी दलों के नेताओं को तवांग झड़प मामले में लोकसभा में मंगलवार को दिया गया रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बयान नाकाफी लगता है। इस पर प्रधानमंत्री को दोनों सदनों में बयान देना चाहिए। मालूम हो कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोक सभा में कहा था कि तवांग में कोई भारतीय सैनिक शहीद या गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। उन्होंने पूरी बहादुरी चीन के सैनिकों को बाहर खदेड़ दिया। संसद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मंगलवार को भी सीमा पर चीन के अतिक्रमण वाले रवैये को लेकर मोदी सरकार पर हमला किया था। उन्होंने कहा था कि मोदी सरकार चीन विवाद पर चुप रह गई है। उन्होंने कहा कि गलवान की तरह चीन ने देपसांग इलाके में भी घुसपैठ की कोशिश की थी। कांग्रेस के राज्य सभा सांसद पी चिदंबरम ने भी कहा था कि पीएम मोदी चीन का नाम लेने से डरते हैं। उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के सदन में दिए बयान को खोखला बताया था।